दिनमान | तापमान

सूर्योदय 5.02 | सूर्यास्त 6.23 | अधिकतम 29° | न्यूनतम 27°

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

वर्ष 19, अंक 27 पृष्ठ 12
कोलकाता, मंगलवार, 21 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्लपक्ष, अष्टमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹ 3

कोलकाता संस्करण w.yuvashaktinews.com

संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़े गए

50 से ज्यादा पुलिसकर्मी जख्मी, 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी हिरासत में

नई दिल्लीः दिल्ली पुलिस ने सोमवार को संसद मार्ग पर तब आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियां भांजीं, जब मानसून सत्र के पहले दिन हजारों प्रदर्शनकारी संसद भवन की ओर मार्च कर रहे थे. सत्र के पहले दिन के लिए संसद में सभी सांसद जुटे हुए थे. शिक्षा में सुधार के लिए 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) द्वारा आहूत विरोध प्रदर्शन में छात्र संगठनों ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस),स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं और कई पेशेवरों ने हिस्सा लिया. हालात तब तनावपूर्ण हो गए, जब पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्ग पुलिस थाने के सामने लगे एक प्रमुख अवरोधक को तोड़ दिया और संसद की ओर बढ़ने लगे, जो जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर है.
पूर्वाह्न करीब 11:25 बजे, 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों के बीच, प्रदर्शनकारियों ने अति सुरक्षा वाले क्षेत्र में एहतियातन लगाए गए कई अवरोधकों को पार करने की कोशिश की, जिससे धक्का-मुक्की जैसी स्थिति पैदा हो गई. भीड़ में मौजूद उपद्रवियों ने वस्तुएं भी फेंकीं, जिससे पुलिस समेत कई लोग घायल हो गए. कई प्रदर्शनकारी घायल हुए और कई पुलिसकर्मी खून से लथपथ दिखे. पुलिस द्वारा ले जाए जाते समय एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम यहां शिक्षा में सुधार के लिए अपनी आवाज उठाने आए हैं. अपनी बात रखे बिना हम पीछे नहीं हटेंगे. हमें जेल जाने से कोई डर नहीं है.
अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन के निकास द्वार संख्या- 2 के बाहर आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए. अधिकारियों के आदेश पर नई दिल्ली के आस-पास इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी गई. पुलिस ने अपराह्न करीब 1 बजे इलाके में भारतीय नागरिक पेज 9 पर जारी

वांगचुक अनशन जारी रखेंगे, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का दिया हवाला

नई दिल्लीः कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखेंगे. उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के कारण उन्हें यह फैसला लेना पड़ा है. वे तब तक उपवास जारी रखेंगे जब तक युवा नेताओं को सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिल जाती या उन्हें खुद अस्पताल से ऐसा करने की अनुमति नहीं दी जाती. सफदरजंग अस्पताल से जारी एक हस्तलिखित बयान में वांगचुक ने कहा, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे युवाओं के साथ जिस तरह की बर्बरता बरती जा रही है, उसे देखते हुए मैंने तब तक अपना अनशन जारी रखने का फैसला किया है, जब तक युवा नेताओं को संसद पेज 9 पर जारी

नड्डा ने मांगों पर विचार करने का दिया आश्वासन

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने सोमवार को आंदोलनरत कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) से बातचीत की. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कॉजपा के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार का नेतृत्व उनकी मांगों पर आंतरिक चर्चा करेगा और उन्हें इस बारे में बाद में जानकारी दी जाएगी. कॉजपा के अनुसार, यह आश्वासन तब मिला जब उसके प्रवक्ताओं आशुतोष रांका और सौरभ दास ने मंत्री नड्डा से उनके आवास पर दो घंटे के भीतर दो बार मुलाकात की. नड्डा ने सरकार के प्रतिनिधि के रूप में उनसे बातचीत की. कॉजपा के प्रतिनिधियों ने उन्हें अपनी मांगों वाला एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी शामिल थी. नड्डा ने एक बयान में कहा कि उनके द्वारा सरकार के साथ बातचीत का प्रस्ताव दिए जाने के बाद उनके साथ बातचीत पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट से ही जारी थी. नड्डा ने कहा, बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई. उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ शुरुआती मौखिक चर्चा विस्तार से हुई और उन्होंने शाम करीब चार बजे मुझे एक लिखित ज्ञापन सौंपा. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने सभी प्रदर्शनकारियों से धरना समाप्त करने और स्थिति सामान्य करने में प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया.

राम मंदिर से चढ़ावा चोरी पर शीर्ष अदालत में हुई सुनवाई

एसआईटी के पुनर्गठन का दिया आदेश

नई दिल्लीः राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन अंतिम सुनवाई अगले हफ्ते के लिए टाल दी गई. कोर्ट ने जांच की प्रगति पर जानकारी ली और निष्पक्ष जांच पर जोर दिया. अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने विशेष जांच दल (एसआईटी) में बदलाव की बात कही है. कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि इस संबंध में प्रदेश सरकार से निर्देश लेकर अगली सुनवाई में जानकारी दें.
चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने एसआईटी जांच की मौजूदा स्थिति पर जानकारी ली. इसके साथ ही कहा कि इस मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए. कोर्ट का मकसद सिर्फ यह सुनिश्चित करना है कि जांच अपने सही अंजाम तक पहुंचे. कोर्ट में बताया गया कि पिछली सुनवाई के निर्देशों के मुताबिक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है. कोर्ट को जानकारी दी गई कि चढ़ावा चोरी की जांच जारी है, अब तक आठ लोगों गिरफ्तारी हुई है और फिलहाल जांच से जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की जा सकती.
सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के गठन पर भी सवाल उठाया. कोर्ट ने कहा कि सरकार इस बारे में जरूरी निर्देश लेकर आए. पीठ ने सुझाव दिया कि जांच की निगरानी उस वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंपी जा सकती है, जो पहले भी इस तरह के मामले देख चुका हो. कोर्ट ने योगी आदित्यनाथ सरकार को इस एसआईटी के पुनर्गठन पर विचार करने को कहा, ताकि जांच बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सके. यह साधारण आर्थिक अपराध का मामला है, जांच एजेंसियां अपना काम करें.
इससे पहले 13 जुलाई को सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह सुप्रीम कोर्ट के सामने अपनी स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करे. शीर्ष अदालत ने कहा था कुछ रिट याचिकाओं में कहा गया है कि एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी है. मामले की जांच के लिए एक एसआईटी बनाई गई है. हम एसआईटी को निर्देश देते हैं कि वह इस अदालत के सामने स्टेटस रिपोर्ट पेश करे. स्टेटस रिपोर्ट में पेज 9 पर जारी

ममता बनर्जी को कोर्ट ने नहीं मिली राहत

फ्रीज रहेंगे 440 करोड़ वाले तृणमूल के तीन बैंक खाते

कोलकाता: बंगाल में चुनावी शिकस्त और आंतरिक गुटबाजी से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली. हाई कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के तीन मुख्य बैंक खातों को फ्रीज करने के ईडी के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है. इन खातों में 440 करोड़ रुपये की मोटी राशि जमा है, जिसका उपयोग अब पार्टी अपने संगठनात्मक या राजनीतिक खर्चों के लिए नहीं कर पाएगी.न्यायमूर्ति कृष्णा राव की पीठ ने तृणमूल के ममता बनर्जी खेमे की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दैनिक संचालन के लिए इन खातों के इस्तेमाल की अंतरिम अनुमति मांगी गई थी. यह मामला धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वित्तीय अनियमितताओं, गैर-कानूनी तरीके से धन जुटाने और संदिग्ध फंड की हेराफेरी से जुड़ा है. मामले पर 13 जुलाई को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले को न्यायाधीश ने सुरक्षित रख लिया था. सोमवार को उन्होंने फैसला सुनाया जिसमें तृणमूल के ममता खेमे को राहत नहीं मिली. ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि अप्रैल 2023 से जून 2026 के बीच तृणमूल के खातों से लगभग 160 करोड़ रुपये 'केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' और उसकी सहयोगी कंपनियों को भेजे गए. इसके बाद, केयरवेल एविएशन ने करीब 83 करोड़ रुपये एक अन्य नई इकाई में ट्रांसफर किए. इस संदिग्ध रकम में से 112 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एक लग्जरी एम्ब्रेयर लीगेसी 600 कमर्शियल विमान और एक अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकाप्टर खरीदने के लिए किया गया.मामले की शुरुआत तृणमूल के बागी विधायक विश्वनाथ दास की शिकायत के बाद कोलकाता पुलिस की प्राथमिकी से हुई थी. 19 जून को पुलिस ने इन खातों पर रोक लगाई थी, जिसके बाद आठ जुलाई को ईडी ने 440 करोड़ रुपये के इन खातों को पूरी तरह सील कर दिया.

सिक्किम में भूस्खलन से निर्माणाधीन सुरंग में फंसे 12 श्रमिक

गंगटोकः सिक्किम के नामची जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया. भूस्खलन के कारण निर्माणाधीन समरदुंग सड़क सुरंग का प्रवेश द्वार मलबे से बंद हो गया और उसके भीतर काम कर रहे कम से कम 12 श्रमिक फंस गए. स्थिति उस समय और गंभीर हो गई, जब सुरंग के भीतर प्राकृतिक गैस रिसाव की आशंका सामने आई. गैस की मौजूदगी के कारण राहत और बचाव अभियान में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है. प्रशासन ने मौके पर कई एजेंसियों की टीमों को तैनात कर युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है.
प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना पटेल इंजीनियरिंग द्वारा तीस्ता चरण-छह जलविद्युत परियोजना के लिए निर्मित सुरंग के अंदर हुई. भूस्खलन के बाद सुरंग का एक हिस्सा ढह गया या अवरुद्ध हो गया, जिससे श्रमिकों को बाहर निकलने में बाधा आ रही है. भूस्खलन के बाद सुरंग के भीतर की स्थिति को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है. अधिकारियों के अनुसार, भूमिगत चट्टानों और भूस्तरों में आई हलचल के कारण प्राकृतिक गैस निकलने की आशंका है. इसी वजह से सुरंग के अंदर पहुंचना आसान नहीं है.

28 साल के युवा इतिहास रच रहे: पीएम मोदी

राहुल पर तंज : 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने मानसून सत्र के पहले दिन मीडिया ब्रीफिंग में राहुल गांधी की उम्र को लेकर तंज कसा. पीएम भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' को ऑर्बिट में भेजने वाली कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का जिक्र कर रहे थे. मोदी ने कहा- देश के युवा आज इतिहास रच रहे हैं. नए-नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं.
मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है. उनकी औसत उम्र 28 साल है. हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा. पीएम का इतना कहते ही पीछे खड़े संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू हंसने लगे. पीएम ने राहुल का नाम लिए बिना तंज कसा. दरअसल राहुल की उम्र 56 साल ही है.
पीएम मोदी और राहुल गांधी के बीच 56 इंच बनाम 56 साल की टकरार लंबे वक्त से चल रही है. दरअसल 2014 में पीएम ने 56 इंच की छाती की बात कही थी. इस पर राहुल कई बार कह चुके हैं, पीएम की 56 इंच की छाती काम नहीं आई.

पश्चिम बंगाल में एक सितंबर से बांग्ला भाषा में होंगे सभी सरकारी पत्राचार

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार एक सितंबर से सभी आधिकारिक पत्राचार बांग्ला भाषा में करेगी. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में यह घोषणा की. मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें लिखे एक पत्र में राज्य प्रशासन के हर स्तर पर बांग्ला भाषा के व्यापक उपयोग के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है. मुख्यमंत्री ने कहा, एक सितंबर, 2026 से राज्य सरकार के हर स्तर पर बांग्ला भाषा का उपयोग अनिवार्य होगा. उन्होंने कहा, हम केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ होने वाले सभी आधिकारिक पत्राचार में बांग्ला भाषा का इस्तेमाल करेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के साथ पत्राचार बांग्ला के साथ-साथ हिंदी में भी किया जाएगा.
शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के अपने तीन दिवसीय दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें बांग्ला भाषा में एक पत्र लिखा था. उन्होंने बताया कि उस पत्र में शाह ने कहा था कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दृढ़ विश्वास था कि भारतीय भाषाओं को प्रशासन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उचित स्थान मिलना चाहिए.

1993 पुलिस गोलीकांड रिपोर्ट विधानसभा में पेश

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर साधा निशाना

किसके आदेश पर गोली चली, इसका भी कोई जवाब नहीं मिला | मनीष गुप्ता गोलीकांड के आरोपी थे, लेकिन उन्हें मंत्री बनाया | लोगों ने 21 जुलाई का इस्तेमाल करके बहुत कुछ हासिल किया | शहीदों के परिजनों को 25 लाख की जगह 2-2 लाख मिले

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में वर्ष 1993 के चर्चित पुलिस गोलीकांड की जांच से संबंधित न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट पेश करते हुए पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर इस घटना का वर्षों तक राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया.21 जुलाई को आयोजित होने वाली टीएमसी की वार्षिक 'शहीद दिवस' रैली से ठीक एक दिन पहले सदन में रिपोर्ट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग ने वर्ष 2024 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी, लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसकी महत्वपूर्ण सिफारिशों को लागू नहीं किया.
मुख्यमंत्री के अनुसार, कमीशन ने पहचाने गए 12 मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपये और घायलों को 12 लाख रुपये का मुआवजा देने की सिफारिश की थी.मुख्यमंत्री ने आज दावा किया कि पिछली सरकार ने भी मुआवजे पर कमीशन की सिफारिश नहीं मानी थी. उनके शब्दों में, कमीशन की क्या सिफारिश थी और आपने क्या किया? आपने मरने वालों को 2 लाख रुपये और घायलों को 15,000 रुपये दिए! क्या आपको शर्म नहीं आती? मैं घायलों या मरने वालों के परिवारों से कहूंगा, अगर आप नई एफआईआर दर्ज करना चाहते हैं, तो मौजूदा सरकार वह मौका देगी. और अगर आप कमीशन की सिफारिश के अनुसार मुआवजा चाहते हैं, तो हम वह पैसा भी चीफ मिनिस्टर रिलीफ फंड से देंगे. कमीशन ने महाकरण से इससे जुड़े ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के गायब होने के लिए पिछली सरकार की भी कड़ी आलोचना की.

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 21 जुलाई 1993 की घटना का वर्षों तक राजनीतिक इस्तेमाल किया गया, लेकिन पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. उन्होंने आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जांच में यह निष्कर्ष सामने आया कि युवा कांग्रेस की रैली पर पुलिस गोलीबारी की ऐसी कोई परिस्थिति नहीं थी, जो बल प्रयोग को आवश्यक बनाती. उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किन हालात में पुलिस ने गोली चलाने का निर्णय लिया.
मुख्यमंत्री ने आयोग के समक्ष दर्ज गवाहियों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष पंकज बनर्जी आयोग के समक्ष पेश नहीं हुए, जबकि उन्होंने तत्कालीन गृह सचिव मनीष गुप्ता को घटना के लिए जिम्मेदार बताया था. उन्होंने यह भी कहा कि बाद में मनीष गुप्ता टीएमसी सरकार में बिजली मंत्री बने. शुभेंदु ने यह भी आरोप लगाया कि स्वयं को घटना की प्रमुख प्रत्यक्षदर्शी बताने वाली ममता बनर्जी को आयोग ने कभी गवाही के लिए नहीं बुलाया.

क्या था 21 जुलाई 1993 का मामला?

21 जुलाई 1993 को तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के खिलाफ युवा कांग्रेस की रैली के दौरान कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में पुलिस गोलीबारी हुई थी, जिसमें 13 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौत हो गई थी. उस समय रैली का नेतृत्व ममता बनर्जी कर रही थीं और वह भी बाद में कांग्रेस ने इस दिन को 'शहीद दिवस' के रूप में मनाना शुरू किया. तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद पार्टी ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और हर वर्ष धर्मतला में विशाल शहीद दिवस रैली आयोजित करती रही.
वर्ष 2011 में ममता बनर्जी सरकार ने इस घटना की जांच के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुशांत चटर्जी आयोग का गठन किया था. आयोग ने 300 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज करने के बाद वर्ष 2024 में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी.रिपोर्ट में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान सेवा देने वाले कई आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी सिफारिश की गई है. हालांकि, टीएमसी सरकार के कार्यकाल में यह रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं की गई और न ही इसकी सिफारिशों को लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा की गई.

राहुल गांधी ने पीएम को बताया युवा-विरोधी प्रधानमंत्री

बोले- पेपर लीक के दोषी आजाद, छात्रों की हो रही पिटाई

नई दिल्लीः नीट-यूजी समेत विभिन्न परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला. उन्होंने सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने और दोषियों को बचाने का आरोप लगाया. वहीं, प्रियंका गांधी ने भी छात्रों पर बल प्रयोग का विरोध किया. देश में परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीति तेज हो गई है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का 'सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री' बताते हुए आरोप लगाया कि पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों में कार्रवाई नहीं हो रही, जबकि सवाल उठाने वाले छात्रों पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है. कांग्रेस ने इसे शिक्षा व्यवस्था की विफलता का मुद्दा बताते हुए सरकार से जवाब मांगा है.
राहुल गांधी ने सोमवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि सरकार छात्रों की चिंताओं को सुनने के बजाय उन्हें दबाने का प्रयास कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर में 152 परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से करीब 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन अब तक किसी जिम्मेदार व्यक्ति को सजा नहीं मिली. राहुल ने यह भी कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने तक की कार्रवाई नहीं की गई. उनके अनुसार, सरकार युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है.

न्यूज कॉर्नर

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

खड़गपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बेलदा थाना क्षेत्र के सालाजपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक की पहचान दांतन थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव निवासी अभिजीत कामिल्या के रूप में हुई है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिजीत कामिल्या रविवार देर रात अपनी पत्नी के भाई के नवजात शिशु को देखने के लिए बेलदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल आए थे. अस्पताल से घर लौटने के दौरान सालाजपुर क्षेत्र में उनकी गाड़ी की किसी दूसरे वाहन से टक्कर हो गई. दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए.स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल बेलदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज शुरू हुई थी. सोमवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया. घटना की सूचना पाकर बेलदा थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए खड़गपुर महकमा अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

श्रावण के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

सिलीगुड़ी : श्रावण माह के पहले सोमवार के अवसर पर पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली. शहर के प्रसिद्ध मां की इच्छा मंदिर और मां भवानी मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं.श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की. मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठा.सिर्फ सिलीगुड़ी ही नहीं, बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवघर स्थित बाबा धाम के लिए भी रवाना हुए. वहीं उत्तर बंगाल के प्रसिद्ध तीर्थस्थल जलपेश मंदिर में भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा. हाथों में पवित्र जल लिए शिवभक्त पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान शिव की आराधना करते नजर आए.श्रावण माह के पहले सोमवार पर पूरे क्षेत्र में भक्ति, आस्था और धार्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला.

राजस्थान में शहीद सैनिक को शांतिपुर में दी गई अंतिम विदाई

नदिया : जिले के शांतिपुर थाना क्षेत्र के डोंगखिरा निमतला पाड़ा निवासी भारतीय सेना के जवान कनाई सरकार का पार्थिव शरीर सोमवार को तिरंगे में लिपटा उनके पैतृक घर पहुंचा. पार्थिव शरीर के घर पहुंचते ही परिवार और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. हजारों लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की.परिवार के अनुसार, कनाई सरकार पिछले 26 वर्षों से भारतीय सेना में कार्यरत थे और वर्तमान में राजस्थान के जोधपुर में तैनात थे. बीते शुक्रवार रात वह रोज की तरह ड्यूटी पूरी कर अपने कमरे में सोने चले गए. शनिवार सुबह जब उन्हें चाय देने के लिए जगाया गया तो काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. इसके बाद सहकर्मियों ने उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.मृतक की भाभी झूमा सरकार ने बताया कि सबसे पहले इस दुखद घटना की सूचना बलागढ़ के एक सेवानिवृत्त सैनिक ने फोन पर दी, जो पहले कनाई सरकार के साथ ही कार्य कर चुके थे. उन्होंने बताया कि सेना के अधिकारियों ने परिवार को जानकारी दी है कि कनाई सरकार की मृत्यु किसी अन्य कारण से नहीं, बल्कि अचानक हुई शारीरिक अस्वस्थता के कारण हुई है.सेना की ओर से कनाई सरकार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. उनके पार्थिव शरीर पर तिरंगा ओढ़ाया गया, पुष्पचक्र अर्पित किए गए और गन सैल्यूट देकर राष्ट्र की ओर से उन्हें अंतिम सलामी दी गई. गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपने वीर सपूत को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचे.

चांपदानी में महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़फोड़, दाहिना हाथ और लाठी क्षतिग्रस्त

हुगली : जिले के भद्रेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत चांपदानी नगरपालिका के पलताघाट इलाके में महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है. आरोप है कि रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने प्रतिमा के एक हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार सुबह जब लोगों की नजर प्रतिमा पर पड़ी तो देखा गया कि महात्मा गांधी की प्रतिमा का दाहिना हाथ तथा हाथ में मौजूद लाठी टूटी हुई है. घटना की जानकारी पाकर स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई. घटना की सूचना स्थानीय पार्षद को दी गई. सूचना मिलने पर पार्षद मौके पर पहुंचे और पुलिस को स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने इस संबंध में पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई.पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है.

कांवड़ यात्रा को लेकर चंद्रचूड़ मंदिर में सहायता शिविर

पश्चिम बर्दवान : पवित्र कांवड़ यात्रा को देखते हुए सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित चंद्रचूड़ मंदिर परिसर में राज्य सरकार के सूचना एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से सहायता शिविर लगाया गया. शिविर का निरीक्षण आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त डॉ. प्रणव कुमार, पश्चिम बर्दवान के जिलाधिकारी एस. पोन्नमबलम तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने किया.इस मौके पर जिलाधिकारी एस. पोन्नमबलम ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार के सूचना एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के निर्देश पर पूरे राज्य के साथ-साथ पश्चिम बर्दवान जिले के विभिन्न स्थानों पर कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए सहायता शिविर लगाए गए हैं. इसी क्रम में चंद्रचूड़ मंदिर परिसर में भी यह शिविर स्थापित किया गया है, जहां श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं.उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. विशेष रूप से सुबह के समय आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त रोशनी, आवश्यक सहायता और अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े.जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो तथा सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें.

चुंचुड़ा नगरपालिका में पूर्व चेयरमैन पर फेंके गए अंडे 'चोर हटाओ नगरपालिका बचाओ' के लगे नारे

हुगली : चुंचुड़ा नगरपालिका में सोमवार को नए बोर्ड के गठन की बैठक से पहले भारी राजनीतिक तनाव देखने को मिला. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने नगरपालिका के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करते हुए 'चोर हटाओ, नगरपालिका बचाओ' के नारे लगाए. प्रदर्शनकारियों ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और नागरिक सेवाएं देने में विफल रहने का आरोप लगाया.सूत्रों के अनुसार, सोमवार को नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन एवं तृणमूल पार्षद अमित राय जैसे ही बैठक में शामिल होने पहुंचे, प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की. आरोप है कि इस दौरान उनकी ओर अंडे भी फेंके गए और 'चोर-चोर' के नारे लगाए गए. विरोध के बीच अमित राय बैठक में शामिल हुए बिना वापस लौट गए.उल्लेखनीय है कि चुंचुड़ा नगरपालिका के चेयरमैन सौमित्र घोष, वाइस

चेयरमैन पार्थ साहा सहित दो पार्षद पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं. सोमवार को नए बोर्ड के गठन के लिए बैठक प्रस्तावित थी.तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर नए बोर्ड के गठन की प्रक्रिया बाधित करने के उद्देश्य से नगरपालिका परिसर में विरोध प्रदर्शन किया.

वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि तृणमूल के कार्यकाल में नगरपालिका में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है और इसलिए किसी भी तृणमूल पार्षद को अब नगरपालिका में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा. प्रदर्शनकारियों ने पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त बोर्ड के गठन की मांग की.गौरतलब है कि 2022 के नगरपालिका चुनाव में चुंचुड़ा नगरपालिका की 30 में से 29 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, जबकि एक सीट माकपा के खाते में गई थी. उस समय अमित राय को चेयरमैन और पार्थ साहा को वाइस चेयरमैन बनाया गया था. बाद में लोकसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद अमित राय की जगह सौमित्र घोष को चेयरमैन बनाया गया, लेकिन उन्होंने भी लगभग छह महीने बाद पद छोड़ दिया.नगरपालिका परिसर में हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा. पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है.

गंगा जल लाने गई किशोरी की डूबने से मौत

झाड़ग्राम : बंगला श्रावण मास के प्रथम सोमवार को जलाभिषेक के लिए गंगा जल लेने गई एक किशोरी की सुवर्णरिखा नदी में डूबने से मौत हो गई. घटना से पूरे इलाके में शोक व्याप्त है. मृतका की पहचान प्रियंका राय (16) के रूप में हुई है. वह झाड़ग्राम जिले के सांकराइल थाना अंतर्गत रगड़ा गांव की निवासी तथा रगड़ा आरएनएम उच्च विद्यालय की छात्रा थी.प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रियंका सोमवार को काठुयापाल बालू खदान के समीप सुवर्णरिखा नदी से जल लेने गई थी. इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चली गई और डूब गई. घटना की सूचना पाकर स्थानीय ग्रामीण तथा सिविल डिफफेंस के कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य प्रारंभ किया. बाद में उसे नदी से बाहर निकालकर भांगागढ़ ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया,

स्कूल जाने के क्रम मे अपहृत छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर तीन आरोपितों को दबोचा

हुगली : हुगली जिले के भद्रेश्वर थाना क्षेत्र से लापता हुई 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है. मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है. रविवार रात पुलिस ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी.

पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई को छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी. परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला. इसके बाद छात्रा के पिता ने भद्रेश्वर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि मोहम्मद मंजूर तथा अन्य लोगों ने उनकी बेटी का अपहरण कर गलत मंशा से उसे बंधक बना रखा है. शिकायत के आधार पर भद्रेश्वर थाना में कांड संख्या 231/26, दिनांक 18

जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 137(2) एवं 140(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई.पुलिस ने त्वरित जांच और विश्वसनीय सूचना के आधार पर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर नाबालिग छात्रा को सुरक्षित बरामद कर लिया. इस दौरान तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया.गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद फिरोज अंसारी उर्फ रोहित, निवासी शांतिकुंजपाड़ा, मुर्गी गली, चांपदानी; दिव्या प्रसाद, पत्नी मोहम्मद फिरोज अंसारी उर्फ रोहित; तथा 20 वर्षीय मोहम्मद मंजूर, निवासी यासीन गली, चांपदानी, शामिल हैं. पुलिस ने फिरोज अंसारी को श्रीरामपुर थाना क्षेत्र से, दिव्या प्रसाद को भद्रेश्वर थाना क्षेत्र से तथा मोहम्मद मंजूर को हावड़ा पुलिस कमिश्नरेट के निश्चिंदा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया.पुलिस ने बताया कि पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है.

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 180 के तहत उसका बयान दर्ज किया गया है तथा सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे सुरक्षित रूप से चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया गया. मामले की आगे की जांच जारी है.

मोबाइल देखते समय सर्पदंश से 19 वर्षीय युवती की मौत

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दांतन थाना क्षेत्र के बामनपुकुर इलाके में सांप के डसने से एक 19 वर्षीय युवती की मौत हो गई. घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का वातावरण है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, युवती रविवार रात अपने घर में मोबाइल देख रही थी. इसी दौरान घर में घुसे एक विषैले सांप ने उसे डस लिया. पहले तो परिजनों को घटना की गंभीरता का अंदाजा नहीं हुआ, लेकिन कुछ समय बाद युवती की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी. इसके बाद उसे तत्काल दांतन ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों में शोक की लहर फैल गई. बरसात के मौसम में सांपों का उपद्रव बढ़ जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता भी बढ़ गई है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने तथा सर्पदंश से बचाव के उपायों को लेकर लोगों को सचेत करने की मांग की है.उल्लेखनीय है कि मानसून के दौरान घरों के फर्श, अंधेरे कोनों तथा झाड़ियों के आसपास सांपों के निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं.

आसनसोल चेम्बर का ऐलान : व्यवसायियों को अब कोई परेशान नहीं करेगा

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने व्यवसायियों और उद्योगपतियों को किसी भी प्रकार के दबाव, उत्पीड़न या अवैध वसूली से बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है. सोमवार को चेम्बर के सचिव शम्भु नाथ झा ने सभी सदस्यों, व्यापारियों और उद्योगपतियों के बीच मुख्यमंत्री का हालिया संदेश साझा करते हुए तीन-स्तरीय शिकायत व्यवस्था की जानकारी दी.शम्भु नाथ झा ने कहा कि यदि किसी व्यवसायी को कोई नेता या अन्य व्यक्ति अनावश्यक रूप से परेशान करता है तो सबसे पहले संबंधित व्यक्ति को मुख्यमंत्री का संदेश दिखाया जाए. यदि इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होता है तो मामले की जानकारी स्थानीय विधायक को दी जाएगी. इसके बावजूद भी कार्रवाई नहीं होने पर शिकायत सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी.उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आसनसोल में भयमुक्त कारोबारी माहौल तैयार करना है, ताकि व्यापारी और उद्योगपति बिना किसी डर और दबाव के अपना व्यवसाय चला सकें. उन्होंने स्पष्ट किया कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स का एकमात्र उद्देश्य आसनसोल को एक बार फिर उद्योग और व्यापार का सुरक्षित केंद्र बनाना है.शम्भु नाथ झा ने बताया कि हाल के दिनों में चेम्बर को कुछ गंभीर शिकायतें मिली थीं. इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए व्यवसायियों के हितों की रक्षा के लिए यह पहल शुरू की गई है.उनका मानना है कि चेम्बर के इस कदम से व्यापारियों और उद्योगपतियों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत होगी तथा आसनसोल में नए निवेश और नए उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा.यदि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी, दबाव या उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है तो वे चेम्बर ऑफ कॉमर्स को तत्काल इसकी जानकारी दें, ताकि उनकी शिकायत को निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान किया जा सके.

अतिक्रमण अभियान के विरोध में प्रदर्शन, पुनर्वास की मांग

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी नगर निगम के वार्ड नंबर 28 में अतिक्रमण नोटिस के विरोध में सोमवार वामपंथी दल के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि लंबे समय से रह रहे परिवारों को हटाने से पहले उनके लिए वैकल्पिक पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए.रेलवे की जमीन पर वर्षों से रह रहे कई परिवारों को बिना पुनर्वास के हटाना मानवीय दृष्टि से उचित नहीं है. लोगों के सिर से छत छिन जाएगी और उनकी आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा.

ऑनलाइन गेम की लत, 14 वर्षीय किशोर लापता

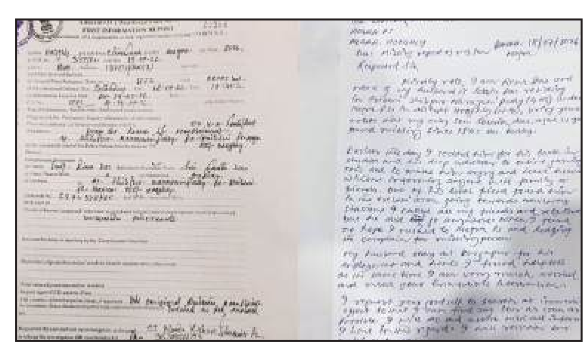

हुगली : हुगली जिले के मगरा थाना क्षेत्र के शिवपुर नारायणीपल्ली इलाके से ऑनलाइन गेम की लत को लेकर परिवार की डांट के बाद 14 वर्षीय एक किशोर के लापता होने का मामला सोमवार को सामने आया है. घटना के बाद पूरे इलाके में चिंता का माहौल है. पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है.परिवार के अनुसार, लापता किशोर का नाम सौनिक दास है. शनिवार शाम करीब 6:45 बजे वह बिना किसी को बताए घर से निकल गया. पढ़ाई में रुचि न लेने और ऑनलाइन गेम की अत्यधिक लत को लेकर उसे डांटा गया था. इसके कुछ ही देर बाद वह घर छोड़कर चला गया. एक परिचित व्यक्ति ने बताया कि उसने सौनिक को त्रिवेणी रेलवे स्टेशन के आसपास घूमते हुए देखा था. हालांकि, परिजन वहां पहुंचने से पहले ही वह वहां से जा चुका था.काफी तलाश के बावजूद जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिवार ने मगरा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी. किशोर की तलाश के लिए त्रिवेणी रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं.पुलिस का कहना है कि किशोर का जल्द से जल्द पता लगाने और उसे सुरक्षित बरामद करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं.

जबरन वसूली और मारपीट के आरोप में युवा भाजपा नेता गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : एक व्यवसायी से मारपीट और कथित जबरन वसूली के मामले में डाबग्राम-फूलबाड़ी के वार्ड नंबर पांच के युवा भाजपा अध्यक्ष टोटन दास को भक्तिनगर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है. उन्हें रविवार देर शाम थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और जल्दबाजी में यह कार्रवाई की गई. सोमवार को आरोपित को जलपाईगुड़ी जिला अदालत में पेश किया गया.

पिछले सप्ताह गुरुवार को प्रवीण मुंद्रा नामक एक व्यवसायी ने भक्तिनगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड नंबर पांच के अध्यक्ष हिरमल शाह, युवा अध्यक्ष टोटन दास और

कुछ अन्य नेताओं ने ज्योतिनगर में उनके निर्माणाधीन प्रोजेक्ट का काम पूरा होने तक हर महीने दस लाख रुपये की मांग की. पैसे देने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई. व्यवसायी का दावा है कि इस हमले के कारण उनकी 40 प्रतिशत सुनने की क्षमता चली गई.पहली शिकायत के बाद मामला और गंभीर हो गया. शुक्रवार को प्रवीण मुंद्रा की पत्नी ने भी थाने में शिकायत दर्ज कराई कि पहली शिकायत के बाद आरोपितों ने उनके निर्माण कार्य को बंद करवा दिया. वहीं, दूसरी ओर आरोपितों ने भी व्यवसायी के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाया.मामले की जानकारी सीधे मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तक पहुंची.

बागडोगरा पहुंचने के बाद उन्होंने इस घटना पर गहरी नाराजगी जताई और पुलिस आयुक्त को जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री के निर्देश के 48 घंटे के भीतर पुलिस ने टोटन दास को गिरफ्तार कर लिया.

भक्तिनगर थाना पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित का बयान दर्ज कर उसकी जांच की जा रही है.

बोले- चोरों और लुटेरों ने पार्टी को डुबोया इन्हीं की वजह से हारे चुनाव -तृणमूल के प्रदेश नेता वी शिवदासन दासु

पश्चिम बर्दवान : 21 जुलाई को कोलकाता में होने वाले तृणमूल कांग्रेस के शहीद दिवस कार्यक्रम से पहले पार्टी के प्रदेश सचिव वी. शिवदासन दासु ने आसनसोल में अपनी ही पार्टी के नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए पूर्व मेयर, पूर्व डिप्टी मेयर, पूर्व पार्षदों और कई नेताओं पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली, जमीन कब्जाने और संगठन को कमजोर करने जैसे गंभीर आरोप लगाए.

उन्होंने दावा किया कि इन्हीं नेताओं की वजह से 2026 के विधानसभा चुनाव में आसनसोल क्षेत्र की सभी पांच विधानसभा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा.सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में दासु ने कहा कि आज 21 जुलाई की रैली में जिन लोगों को लेकर जाने की तैयारी हो रही है, उनमें अधिकांश वही लोग हैं जिन्होंने पार्टी को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया. उन्होंने कहा कि लगभग 50 पूर्व पार्षद, दोनों पूर्व डिप्टी मेयर और कई पुराने पदाधिकारी मौजूद थे, लेकिन यही लोग पार्टी की हार के जिम्मेदार हैं.उन्होंने कहा कि जब इन नेताओं को पार्टी में लाया जा रहा था, तब उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि 'पार्टी में एक बड़ा चोर लाया जा रहा है, वह जनता की सेवा करने नहीं बल्कि लूट करने आया है. उस समय मीडिया ने उनके बयान को प्रमुखता से दिखाया था, लेकिन पार्टी के कुछ नेताओं और समर्थकों ने उनके खिलाफ बयानबाजी शुरू कर दी. अब समय ने साबित कर दिया कि उनकी बातें सही थीं.दासु ने आरोप लगाया कि वर्ष

2022 से आसनसोल नगर निगम पूरी तरह 'लूट और भ्रष्टाचार का अड्डा' बन गया था. विकास कार्यों के नाम पर जनता के पैसे की लूट हुई. सड़क निर्माण, बिल्डिंग प्लान पास कराने, जमीन के मामलों, पार्किंग, होर्डिंग लगाने और अन्य विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं. निगम के तत्कालीन मेयर, डिप्टी मेयर और कई पार्षदों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए.उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेताओं ने जमीन कब्जाने, जमीन की दलाली, मकान कब्जाने, पार्किंग से अवैध वसूली, होर्डिंग लगाने और अन्य माध्यमों से करोड़ों रुपये कमाए. उन्होंने लेचीपुर पार्किंग का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां भी अवैध रूप से पैसे वसूले जाते रहे.

दासु ने कहा कि उन्होंने करीब दस बार पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को शिकायत भेजकर चेताया था कि यदि आसनसोल नगर निगम में चल रहे भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगी तो पार्टी को भारी नुकसान होगा. लेकिन उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया. यदि समय रहते भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होती तो पार्टी को इतनी बड़ी हार का सामना नहीं करना पड़ता.उन्होंने राज्य की शहरी विकास एवं नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल से मांग की कि पिछले पांच वर्षों के दौरान आसनसोल नगर निगम में हुए सभी विकास कार्यों, बिल्डिंग प्लान, सड़क निर्माण और अन्य परियोजनाओं की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए. जिन पूर्व मेयर, पूर्व डिप्टी मेयर, पार्षदों और अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका सामने आए, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए.दासु ने कहा कि चुनाव हारने के बाद यही नेता इधर-उधर चले गए थे, लेकिन अब 21 जुलाई की रैली के समय फिर एक मंच पर दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि जनता और पार्टी कार्यकर्ता इन चेहरों को अच्छी तरह पहचान चुके हैं. वह 1990 के दशक से ममता बनर्जी के साथ राजनीति कर रहे हैं और पार्टी के लिए लगातार संघर्ष किया है. वर्ष 2006 में उन्हें केवल इसलिए निलंबित कर दिया गया था क्योंकि उन्होंने भ्रष्ट नेताओं का विरोध किया था.

न्यूज कॉर्नर

बंगाल विस अध्यक्ष ने तृणमल के शहीद दिवस कार्यक्रमों के लिए मंगलवार को दी लंबे भोजन अवकाश की मंजूरी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस ने मंगलवार को सदन में दो घंटे के भोजन अवकाश की घोषणा की, ताकि तृणमूल कांग्रेस के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुट के विधायक 21 जुलाई को अपने-अपने 'शहीद दिवस' कार्यक्रमों में शामिल हो सकें. ममता बनर्जी नीत गुट के विधायक शोभन चट्टोपाध्याय और प्रतिद्वंद्वी खेमे में शामिल ऋतब्रत बनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष से सदन की कार्यवाही स्थगित करने का अनुरोध किया था, ताकि विधायक अपने-अपने गुट के कार्यक्रमों में शामिल हो सकें. हालांकि, शुरू में बोस सदन की कार्यवाही स्थगित करने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन सोमवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अनुरोध पर वह मंगलवार को भोजन अवकाश की अवधि बढ़ाने के लिए सहमत हो गए. बोस ने कहा कि मंगलवार को दोपहर 12 बजे से दो घंटे के लिए सदन में भोजन अवकाश रहेगा. ऋतब्रत के नेतृत्व वाला खेमा जहां मेयो रोड पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास अपनी रैली का आयोजन करेगा, वहीं ममता गुट दक्षिण कोलकाता में बिड़ला तारामंडल के पास अपना कार्यक्रम आयोजित करेगा.

राजारहाट विस्फोट कांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता: महानगर से सटे राजारहाट में हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है. इस मामले में अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. गिरफ्तार आरोपित मोहम्मद हुसैन को मध्यग्राम इलाके से पकड़ा गया. मुख्य आरोपित मोहम्मद शमीम उर्फ सलीम से पूछताछ के दौरान उसके नाम का खुलासा हुआ था. घटना शनिवार को दक्षिण नारायणपुर के एक घर में हुई थी, जहां विस्फोट में एक व्यक्ति घायल हो गया था. जांच में सामने आया कि कुछ दिन पहले आरोपित ने फर्जी पहचान के जरिए कमरा किराए पर लिया था. घटना के दिन एक नाबालिग सफेद बैग लेकर आया और कुछ ही मिनटों बाद जोरदार धमाका हुआ. सीसीटीवी फुटेज में यह पूरी घटना कैद है. पुलिस को मौके से दो बम भी मिले, जिन्हें निष्क्रिय किया गया. राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी मामले की जांच में शामिल है. शुरुआती जांच में विस्फोटक जमा करने की साजिश की आशंका जताई जा रही है.

पंचायतों में संकट से थमा रोजगार, 125 दिन काम योजना अटकी

कोलकाता: बंगाल में पंचयत ढांचे के डगमगाने से 125 दिन रोजगार योजना की रफ्तार थम गई है. केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विकसित भारत-गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) लागू तो कर दिया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन में गंभीर बाधाएं सामने आ रही हैं. पंचायतों में बड़े पैमाने पर पदाधिकारियों के इस्तीफे और गैरहाजिरी के कारण काम प्रभावित हुआ है. इसी संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारी अब राज्य में प्रशिक्षण देने आ रहे हैं. न्यूटाउन स्थित विश्व बंगला कंवेंशन सेंटर में चार दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा, जिसमें राज्य, जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर के अधिकारी शामिल होंगे. इस योजना के तहत मनरेगा के स्थान पर 100 दिनों की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है. मजदूरी सीधे बैंक खातों में भेजी जाएगी और 15 दिनों के भीतर भुगतान अनिवार्य होगा. हालांकि, 3339 पंचायतों में से अभी तक केवल करीब 400 में ही योजना लागू हो पाई है. ऐसे में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये की इस योजना के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं. प्रशासन फिलहाल अधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ाकर स्थिति संभालने की कोशिश कर रहा है.

दमदम में नाबालिग दुष्कर्म का मामला में दो गिरफ्तार

कोलकाता: उत्तर 24 परगना जिले के दमदम नगर पालिका क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है. पुलिस ने मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, मामले को दबाने और आरोपित का साथ देने के आरोप में एक पूर्व पार्षद के पति को भी गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार, वार्ड संख्या-2 में रहने वाले 40 वर्षीय बिलाल गाजी पर आरोप है कि उसने रविवार शाम एक नाबालिग को बहाने से अपने साथ ले जाकर उसके साथ कथित यौन उत्पीड़न किया. घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. परिजनों का आरोप है कि मामले की जानकारी देने के बाद क्षेत्र की पूर्व पार्षद के पति जलील मंडल ने उनका सहयोग करने के बजाय घटना को सार्वजनिक नहीं करने का दबाव बनाया. इस आरोप के आधार पर पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में लेकर बाद में गिरफ्तार कर लिया. आज बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से बताया गया है कि दमदम थाने में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और शीघ्र न्याय की मांग की है.

बंगाल में मानसून का यू-टर्न, उत्तर बंगाल में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में मानसून एक बार फिर पूरी तरह से सक्रिय हो गया है. इसके प्रभाव से सोमवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में झमाझम बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है. मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल के पहाड़ी और तराई वाले जिलों के लिए भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान जताया गया है. मौसम विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, उत्तर बंगाल के पांच प्रमुख जिलों दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में अगले 24 से 48 घंटों के भीतर मूसलाधार बारिश होने की आशंका है. दक्षिण बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, पूर्व एवं पश्चिम मेदिनीपुर सहित अन्य जिलों में घने बादल छाए रहने तथा हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है. कई स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. वर्षा के कारण वातावरण में आर्द्रता का स्तर अधिक रहने से लोगों को उमस का भी सामना करना पड़ सकता है. प्रशासन ने उत्तर बंगाल के संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की सलाह दी है तथा लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने का अनुरोध किया गया है. मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बारिश के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जिससे राहगीरों को सावधानी बरतने की जरूरत है.

बंगाल विधानसभा में विधायकों के उठाए मुद्दों पर मंत्रियों को अब सात दिन के भीतर जवाब देना अनिवार्य

कोलकाता: बंगाल विधानसभा में उल्लेख काल (मेंशन आवर) में विधायकों द्वारा उठाए जाने वाले जनहित के मुद्दों के त्वरित निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को नई व्यवस्था की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उल्लेख काल में उठाए गए सभी मामलों की सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से निगरानी की जाएगी और संबंधित मंत्रियों को सात दिन के भीतर विधायकों को जवाब देना अनिवार्य होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा सचिवालय उल्लेख काल में उठाए गए सभी विषयों की सूची सात दिन के भीतर संबंधित विभागों को भेजेगा. इसकी एक प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय को भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वहां से भी मामलों की नियमित निगरानी की जा सके. उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित विभाग के मंत्री को विधानसभा सचिवालय से मामला मिलने के सात दिन के भीतर अपने हस्ताक्षर से विधायक को जवाब देना होगा. यदि मांग पूरी की जा सकती है तो उसकी जानकारी संबंधित विधायक दी जाएगी. यदि ऐसा संभव नहीं है तो उसका कारण बताना होगा. जरूरत पड़ने पर मंत्री कार्य पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय भी मांग सकेंगे. शुभेंदु ने कहा कि वह चाहते हैं कि उल्लेख काल में विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दे केवल रिकार्ड तक सीमित न रहें, बल्कि उन पर प्रभावी कार्रवाई भी हो. इसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय प्रत्येक तीन महीने में विधायकों को अनुपालन रिपोर्ट भी भेजेगा. विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने मुख्यमंत्री की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे सकारात्मक कदम बताया. वहीं, पूर्व मंत्री व तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट के विधायक फिरहाद हकीम ने भी इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि विधानसभा के इतिहास में पहली बार विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर इस तरह जवाबदेही तय की गई है. उनके अनुसार यदि यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो यह विधानसभा की कार्यप्रणाली में एक नया अध्याय साबित होगी.

पंचायतों में पीएससी के माध्यम से होगी 11 हजार नियुक्तियां : दिलीप घोष

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में पंचायतों में कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकार ने 11 हजार पदों पर नियुक्ति की तैयारी शुरू कर दी है. पंचायत मंत्री दिलीप घोष ने सोमवार को कहा कि अब पंचायत विभाग में नियुक्तियां लोक सेवा आयोग (पीएससी) के माध्यम से केंद्रीय स्तर पर की जाएंगी. विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की कमी के कारण पंचायतों का कार्य प्रभावित हो रहा है. इसे देखते हुए राज्य सरकार ने इस वर्ष के भीतर ही नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने का निर्णय लिया है. दिसंबर तक इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. उन्होंने बताया कि अब तक पंचायत अधिनियम के तहत जिला स्तर पर नियुक्तियां होती थीं, लेकिन अब इसमें परिवर्तन किया जा रहा है. चूंकि लोक सेवा आयोग एक स्वायत्त संस्था है, इसलिए पंचायत नियुक्तियों का दायित्व उसे सौंपने से पहले कानून में संशोधन करना आवश्यक होगा. इसके लिए आवश्यक विधायी प्रक्रिया भी दिसंबर में शुरू की जाएगी. दिलीप घोष ने कहा कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री ने एक लाख रोजगार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था. पंचायत विभाग की यह नियुक्ति प्रक्रिया उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उल्लेखनीय है कि राज्य के अनेक पंचायत क्षेत्रों में प्रशासनिक और कर्मियों की कमी के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं. कई पंचायत बोर्ड भंग हो चुके हैं तथा अनेक स्थानों पर प्रशासक नियुक्त किए गए हैं. निर्वाचित प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति और कर्मचारियों की कमी के कारण कई योजनाओं का कार्य लंबित है. इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने पंचायत विभाग में बड़े पैमाने पर नियुक्ति का निर्णय लिया है.

पुलिस के लिए ड्यूटी के दौरान ईयरफोन और हेडफोन के इस्तेमाल पर रोक

आदेश उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

कोलकाता: कोलकाता पुलिस ने ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के ईयरफोन और हेडफोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी है. आदेश का उल्लंघन करने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. इस संबंध में सभी थाना प्रभारियों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं. पुलिस आयुक्त अजय नंद के निर्देश पर जारी इस आदेश में कहा गया है कि ड्यूटी के दौरान कोई भी पुलिसकर्मी ईयरफोन या हेडफोन का उपयोग नहीं करेगा. कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हाल के दिनों में यह देखा गया था कि कुछ पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन पर वीडियो देख रहे थे या ईयरफोन लगाकर संगीत सुन रहे थे. इससे उनकी सतर्कता प्रभावित हो रही थी और आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी कमजोर पड़ रही थी. इसी को देखते हुए यह सख्त निर्णय लिया गया है. कोलकाता पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आदेश की अनदेखी करने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. साथ ही ड्यूटी के दौरान लापरवाही रोकने और आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए निगरानी भी बढ़ा दी गई है. इससे पहले कोलकाता पुलिस ने एक अन्य आदेश जारी कर विशेष इकाइयों को छोड़कर अन्य पुलिसकर्मियों के ड्यूटी के दौरान सादे कपड़ों में कार्य करने पर भी रोक लगाई थी. राज्य सरकार पुलिस व्यवस्था को अधिक अनुशासित और प्रभावी बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है. इसी क्रम में पुलिस बल के आधुनिकीकरण, कार्यकुशलता बढ़ाने और अनुशासन मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हाल ही में पुलिसकर्मियों को शारीरिक फिटनेस पर ध्यान देने की सलाह देते हुए अगले छह महीने से एक वर्ष के भीतर राज्य में 20 हजार नए पुलिसकर्मियों की भर्ती की योजना की भी घोषणा की थी.

21 जुलाई आयोग रिपोर्ट पर विधानसभा में मदन ने की शुभेंदु की प्रशंसा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा सोमवार को एक अलग ही राजनीतिक सौजन्यता का साक्षी बना. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सदन में बहुप्रतीक्षित 21 जुलाई आयोग की रिपोर्ट पेश की. रिपोर्ट पेश होने के बाद विपक्षी खेमे की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति प्रशंसा के स्वर सुनाई दिए. मुख्यमंत्री की खुलकर सराहना करने वालों में कमरहाटी के वरिष्ठ तृणमूल विधायक मदन मित्र भी शामिल रहे. रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद मदन मित्र ने अध्यक्ष से समय लेकर अपनी बात रखी. अपने वक्तव्य की शुरुआत उन्होंने अपने स्वाभाविक हास्य अंदाज में की. उन्होंने कहा कि उनके वस्त्रों को देखकर कुछ लोगों को लग रहा होगा कि वह काला तृणमूल हैं, लेकिन वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि ऐसा नहीं है. उनके इस वक्तव्य पर सदन में कुछ देर के लिए हंसी का वातावरण बन गया. इसके बाद मदन मित्र ने सीधे मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय से दबे हुए एक अत्यंत संवेदनशील विषय को फिर से सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में लाने का कार्य किया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह कदम सदन और राज्य की जनता के लिए महत्वपूर्ण है तथा पश्चिम बंगाल के लोग इसके लिए उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे. मदन मित्र ने अपने वक्तव्य में कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न और सुझाव भी रखे. उन्होंने पूर्ववर्ती चटर्जी आयोग की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए पूछा कि वह रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई. उन्होंने इस विषय में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग की. इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि इस मामले में यदि किसी व्यक्ति के पास कोई गोपनीय सूचना अथवा प्रमाण हो तो उसे सरकार तक पहुंचाने के लिए एक सरकारी अधिसूचना जारी की जाए. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार ऐसे सभी तथ्यों और प्रमाणों पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगी. अपने वक्तव्य के अंत में मदन मित्र ने व्यक्तिगत पीड़ा भी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि इस घटना के दौरान उन्होंने भी गवाही दी थी, लेकिन आज तक यह जानकारी नहीं मिल सकी कि उस गवाही का क्या परिणाम हुआ और मामले की जांच अथवा न्यायिक प्रक्रिया किस निष्कर्ष तक पहुंची. उन्होंने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और वास्तविक जांच की आवश्यकता पर बल दिया.

मदन मित्रा ने अभिषेक बनर्जी को 'अपराधी' कहा, पार्टी नेतृत्व को सीधी चुनौती, डरने से इनकार

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने सीधे अभिषेक बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि उन्हें डराने-धमकाने से कोई फायदा नहीं होगा. मदन ने अभिषेक को अपराधी तक कह दिया और दावा किया कि उन्हें अपनी जान का कोई डर नहीं है. हाल ही में उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था और अब खुलेआम नेतृत्व पर हमला कर रहे हैं. उन्होंने ममता बनर्जी को भी 21 जुलाई के कार्यक्रम को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है. उनका कहना है कि जिस स्थान पर कार्यक्रम होना है, वह वर्तमान मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में आता है और वहां तनाव की स्थिति में हिंसा हो सकती है. राज्य में 21 जुलाई को इस बार तीन अलग-अलग राजनीतिक कार्यक्रम होने वाले हैं, जिससे माहौल और गरमा गया है. मदन के बयानों से तृणमूल के अंदरूनी संघर्ष खुलकर सामने आ गया है और आने वाले दिनों में सियासी टकराव और तेज होने की संभावना है.

तसलीमा नसरीन ने कोलकाता वापसी को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर दी प्रतिक्रिया

कार्यक्रम से पहले सोशल मीडिया पोस्ट में वामपंथियों पर साधा निशाना

कोलकाता: बांग्लादेश मूल की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन करीब 18 वर्ष 8 महीने बाद कोलकाता लौट रही हैं. उनकी प्रस्तावित यात्रा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट साझा कर अपनी यात्रा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सफाई दी है. साथ ही, उन्होंने अपनी कोलकाता यात्रा को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जोड़कर किए जा रहे प्रचार को निराधार बताया है. तस्लीमा नसरीन ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट किया कि उन्हें न तो भाजपा ने कोलकाता आने के लिए आमंत्रित किया है और न ही पश्चिम बंगाल सरकार ने बुलाया है. उनके अनुसार, उन्हें एक सामाजिक संगठन की ओर से आमंत्रण मिला है, जबकि राज्य सरकार केवल उनकी सुरक्षा की व्यवस्था कर रही है, जो किसी भी सरकार की सामान्य प्रशासनिक जिम्मेदारी का हिस्सा है. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ वामपंथी नेता उनकी यात्रा को राजनीतिक रंग देकर भाजपा और संघ से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं. तस्लीमा ने कहा कि वर्ष 2007 में वाममोर्चा सरकार के कार्यकाल के दौरान उन्हें कोलकाता छोड़ना पड़ा था.

इसके बाद तृणमूल कांग्रेस सरकार ने भी उन्हें पश्चिम बंगाल आने की अनुमति नहीं दी. उन्होंने दावा किया कि उनके एक टेलीविजन धारावाहिक के प्रसारण और उनकी एक पुस्तक के लोकार्पण पर भी रोक लगाई गई थी. तस्लीमा नसरीन ने अपनी पोस्ट में कहा कि वह मुस्लिम समाज में शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, महिलाओं के समान अधिकार और धार्मिक कट्टरता के विरोध की समर्थक हैं. उनका आरोप है कि इसी कारण कुछ स्वयंभू प्रगतिशील लोग उनके खिलाफ दुष्प्रचार करते हैं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाते हैं. वामपंथी विचारधारा पर तीखी टिप्पणी करते हुए उन्होंने लिखा, मुक्त चिंतन, उदारता और सहिष्णुता इन सबको ये वामपंथी बुद्धिजीवी अपने आसपास भी नहीं फटकने देते. वास्तव में मेरा केवल एक ही दोष है, वे इस्लाम को शांति का धर्म मानते हैं, मैं नहीं मानती. इस्लाम की आलोचना करने के अधिकार को वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा नहीं मानते. उनकी सारी उदारता इस्लाम के दरवाज़े पर आकर समाप्त हो जाती है. वे चाहते हैं कि मुस्लिम समाज चौदह सौ वर्ष पहले की स्त्री-विरोधी, कट्टर और असहिष्णु मानसिकता में ही बना रहे. जो लोग मुस्लिम समाज में सुधार चाहते हैं, उन्हें वे अपना शत्रु मानते हैं और हम सभी जानते हैं कि इस्लामी कट्टरपंथियों को तुष्ट करने में उन्हें कोई संकोच नहीं होता. इसी कारण पश्चिम बंगाल में मेरी वापसी को लेकर उनमें इतना गुस्सा, इतनी नाराज़गी और इतना झूठा प्रचार है. क्या ये वामपंथी कभी इंसान बनेंगे नहीं? आखिर कब तक वे प्रगतिशीलता का मुखौटा पहनकर जिहादियों की भाषा बोलते रहेंगे? उल्लेखनीय है कि तस्लीमा नसरीन का कार्यक्रम आगामी एक अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में आयोजित होगा. इस साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन सेक्युलर मिशन, ह्यूमन राइट्स एंड बांग्लादेश फ्रीडम फाइटर्स फाउंडेशन (एचआरबीएफएफ) सहित अन्य संगठनों द्वारा किया जा रहा है.

दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की ममता बनर्जी ने की निंदा

बोलीं- लोकतंत्र में लाठी नहीं, संवाद होना चाहिए

कोलकाता: दिल्ली में छात्रों और युवाओं के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी बयान में पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सवालों का जवाब लाठीचार्ज और आंसू गैस से नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से दिया जाना चाहिए. ममता बनर्जी ने अपने पोस्ट में कहा कि देश छात्रों, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और प्रत्येक नागरिक का है. उन्होंने कहा कि असहमति व्यक्त करना लोकतांत्रिक अधिकार है और इसे अपराध की तरह नहीं देखा जाना चाहिए. उनके अनुसार, पुलिस बल का प्रयोग सुशासन का विकल्प नहीं हो सकता. ममता बनर्जी ने प्रदर्शन में शामिल छात्रों और युवाओं के प्रति एकजुटता जताते हुए कहा कि उनकी मांगों और चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए. साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम में जवाबदेही तय होना आवश्यक है. अपने संदेश के अंत में ममता बनर्जी ने प्रदर्शन में शामिल युवाओं के साहस और दृढ़ता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरे देश को निडर होकर अपनी बात रखने का वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत किया है.

न्यूटाउन के फ्लैट में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर त्रिशा की संदिग्ध मौत

फ्लैट के ही एक कमरे में मिला लिव-इन पार्टनर खून से लथपथ

कोलकाता: महानगर कोलकाता के न्यूटाउन स्थित एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर त्रिशा साहा (25) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. उनका शव फंदे से लटका हुआ पाया गया, जबकि उनके लिव-इन पार्टनर, सौविक रॉय, खून से लथपथ और गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले. न्यूटाउन पुलिस ने रविवार देर रात त्रिशा का शव फंदे से लटका हुआ बरामद किया. सौविक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. पुलिस को संदेह है कि यह हत्या और उसके बाद आत्महत्या के प्रयास का मामला हो सकता है, जिसका कारण संभवतः निजी रिश्तों में तनाव था. त्रिशा के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं. एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या त्रिशा को फंदे पर लटकाने से पहले उसके साथ मारपीट की गई थी, और क्या सौविक ने बाद में आत्महत्या का प्रयास किया. एक अन्य संभावना यह भी है कि सौविक ने अपनी कलाई काटने के बाद त्रिशा के लटके हुए शव को गले लगाया हो, जिससे उसके पैरों

पर खून लगा हो. पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और सौविक की हालत में सुधार होने पर उससे पूछताछ की जाएगी. पड़ोसियों के अनुसार, दोनों का व्यवहार अच्छा था और उन्होंने कभी उन्हें लड़ते हुए नहीं सुना. वे इस घटना से हैरान हैं. एक स्थानीय निवासी ने कहा, दोनों का व्यवहार अच्छा था. मैंने उन्हें कभी लड़ते हुए नहीं सुना. मुझे समझ नहीं आ रहा कि असल में क्या हुआ. त्रिशा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और न्यूटाउन पुलिस फिलहाल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है.

AFFIDAVIT

1, GULAB CHOWRASIA, S/o Late Prabhunath Chowrasia, residing at Shyama Prasad Mukherjee Road, P.O. Kalighat, P.S. Tollygunge, Kolkata-700026, West Bengal, do hereby declare BEFORE NOTARY PUBLIC, AT ALIPORE DISTRICT: SOUTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL on 20 JUL 2026 that I have applied for a Domicile Certificate before the competent authority. Due to a permanent physical disability from a 1995 accident, prolonged illness, and age, I could not apply for or obtain an Aadhaar Card. My identity is established by EPIC No. CRX1515884 (160-Rashbehari AC, Part 113, Sl. No. 424) and PAN BBAPC5646N. I am an Indian citizen and a permanent resident of West Bengal. This notice is published as advised by the competent authority for processing my domicile certificate.

अभिषेक बनर्जी ने हाई कोर्ट से मांगी नेत्र चिकित्सा के लिये विदेश जाने की अनुमति

अदालत ने कहा - पहले एसएसकेएम में करवायें परीक्षण, अस्पताल की रिपोर्ट के आधार पर लेंगे फैसला

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगते हुए एक बार फिर कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. हालांकि, हाई कोर्ट ने पहले उन्हें एसएसकेएम अस्पताल में आंखों की जांच कराने का निर्देश दिया है. अदालत का कहना है कि स्थानीय अस्पताल की रिपोर्ट देखने के बाद ही इस पर निर्णय होगा. सोमवार को डीजे मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ में हुई. सुनवाई के दौरान अभिषेक के अधिवक्ता अयन भट्टाचार्य ने अपने मुवक्किल को विदेश जाकर इलाज कराने की अनुमति देने का अनुरोध किया. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि अभिषेक पहले एसएसकेएम अस्पताल में जांच कराएं. उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल की रिपोर्ट आने के बाद ही अदालत इस मामले में निर्णय लेगी. विदेश में इलाज कराने की मांग पर न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या अभिषेक ने कोलकाता के किसी नेत्र अस्पताल से परामर्श लिया है. इस पर

उनके वकील ने बताया कि डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी पिछले दस वर्षों से अमेरिका में अपनी आंखों का इलाज करा रहे हैं तथा वहां नियमित रूप से उनकी जांच और उपचार होता है. राज्य सरकार की ओर से अभिषेक की विदेश यात्रा की अनुमति का विरोध किया गया. राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने दलील दी कि केवल डीजे मामला ही नहीं, बल्कि कई अन्य मामलों में भी अभिषेक बनर्जी जुड़े हुए हैं. ऐसे में उन्हें विदेश जाने की अनुमति देने से जांच प्रभावित हो सकती है. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति ने निर्देश दिया कि एसएसकेएम अस्पताल के नेत्र विभागाध्यक्ष की देखरेख में एक मेडिकल टीम गठित की जाए. अदालत ने कहा कि मेडिकल टीम की रिपोर्ट मिलने के बाद ही विदेश यात्रा की अनुमति पर फैसला लिया जाएगा. साथ ही न्यायमूर्ति ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विशेषज्ञ चिकित्सकों की राय होती है कि अभिषेक का उपचार कोलकाता में संभव नहीं है, तो अदालत उनके विदेश जाकर इलाज कराने के अनुरोध पर विचार करेगी.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन से कार्यकारिणी सदस्य पद से हटाए जाने पर सदस्य का विरोध

धनबाद : धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन (डीसीए) की कार्यकारिणी समिति से सदस्य पद से हटाए जाने की खबर के बाद संबंधित सदस्य ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपना पक्ष रखा. उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना, सहमति अथवा त्यागपत्र के कार्यकारिणी सदस्य पद से हटा दिया गया और उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति कर दी गई.प्रेस वार्ता के दौरान संतोष सिंह ने कहा कि 20 जुलाई 2026 को विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि उन्हें कार्यकारिणी समिति के सदस्य पद से हटा दिया गया है. इस खबर से उन्हें गहरा दुख और निराशा हुई है.उन्होंने बताया कि उनका निर्वाचन वर्ष 2024 से 2027 के कार्यकाल के लिए तत्कालीन सहायक निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन पदाधिकारी की देखरेख में विधिवत चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से हुआ था. ऐसे में बिना किसी आधिकारिक सूचना या कारण बताए उन्हें पद से हटाया जाना आश्चर्यजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है.उन्होंने यह भी कहा कि उनके आचरण पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार, तथ्यहीन और असत्य हैं. इस संबंध में उन्हें न तो कोई कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया.अपने बयान में उन्होंने धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष से अपील की कि एसोसिएशन की गरिमा, संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए कार्य किया जाए. उन्होंने कहा कि डीसीए क्रिकेट के विकास के लिए समर्पित संस्था बनी रहे और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाया जाए.प्रेस वार्ता के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच होगी तथा सत्य सभी के सामने आएगा.

पाटलीपुत्र अस्पताल में अत्याधुनिक तकनीक से सफल घुटना प्रत्यारोपण, मरीज को मिली राहत

धनबाद : जोड़ा फाटक रोड स्थित पाटलीपुत्र अस्पताल में आर्थोपेडिक्स एवं जाइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डा. निखिल ड्रोलिया ने अत्याधुनिक यूनिकोम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट (यूकेआर) तकनीक से 60 वर्षीय महिला मरीज का सफल घुटना प्रत्यारोपण किया. अस्पताल के अनुसार धनबाद में इस तकनीक से किया गया यह पहला आपरेशन है, जबकि झारखंड में भी इसका उपयोग अभी सीमित है.मरीज मंजू देवी (60), निवासी तेलमच्चो बाजार, पिछले छह माह से घुटने के असहनीय दर्द से परेशान थीं. चलने-फिरने और बैठने में उन्हें काफी कठिनाई हो रही थी. जांच में घुटने के एक हिस्से की हड्डी क्षतिग्रस्त पाई गई. इसके बाद डॉ. निखिल ड्रोलिया और उनकी टीम ने यूनिकोम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट तकनीक से सफल सर्जरी की. फिलहाल मरीज स्वस्थ हैं और तेजी से रिकवरी कर रही हैं.डॉ. निखिल ड्रोलिया ने बताया कि इस तकनीक में घुटने के केवल क्षतिग्रस्त हिस्से को बदला जाता है, जबकि स्वस्थ हड्डियां और प्राकृतिक लिगामेंट सुरक्षित रहते हैं. इससे घुटने की स्वाभाविक कार्यप्रणाली बनी रहती है. सर्जरी के दौरान केवल तीन से साढ़े तीन इंच का छोटा चीरा लगाया जाता है, जिससे रक्तस्राव और दर्द कम होता है तथा मरीज जल्दी सामान्य जीवन में लौट सकता है. अधिकांश मरीज सर्जरी के दिन या अगले दिन चलने-फिरने लगते हैं और आसानी से बैठ भी सकते हैं.उन्होंने कहा कि अब तक इस तरह की सर्जरी के लिए धनबाद और आसपास के मरीजों को दिल्ली, मुंबई या कोलकाता जाना पड़ता था. अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेंगे.पाटलीपुत्र अस्पताल के निदेशक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डा. निर्मल ड्रोलिया ने कहा कि अस्पताल आधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से धनबाद समेत पूरे झारखंड के मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है.

मोतीझरना धाम में उमड़ी के शिव भक्तों की भीड़, पहले बंगला सावन पर हुआ जलाभिषेक

तालझारी : बंगला सावन की शुरुआत के साथ ही महाराजपुर स्थित प्रसिद्ध मोतीझरना बाबा मोतीनाथ धाम मंदिर में पश्चिम बंगाल से आने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया है. बंगला सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में शिव भक्त रेल और निजी वाहनों के माध्यम से मंदिर पहुंचे.श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ बाबा मोतीनाथ धाम में पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की. मंदिर प्रांगण में दिनभर 'हर हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारे गूंजते रहे, जिससे पूरा इलाका पूरी तरह भक्तिमय नजर आया.इस दौरान मंदिर के पुरोहित चंदन पाण्डेय ने सभी श्रद्धालुओं को पूरी विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व सुविधाओं के भी उचित इंतजाम देखे गए, ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो.

पोक्सो एक्ट और अपहरण के मामले में प्राथमिक अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया न्यायिक हिरासत

तालझारी: थाना क्षेत्र में नाबालिग से जुड़े एक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.इस संबंध में तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि थाना कांड संख्या 110/26 दर्ज की गई थी. मामले में त्वरित अनुसंधान करते हुए प्राथमिक अभियुक्त कृष्ण कुमार मंडल को धर दबोचा. अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है.

मोबाइल चोरी के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया

राजमहल : मोबाइल चोरी के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने यहां से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र के नंदुरबार थाना क्षेत्र के एक मोबाइल शोरूम में हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने यहां पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग थाना क्षेत्र के मजहर टोला गांव में छापेमारी कर साबिर मोहम्मद शेख को गिरफ्तार किया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, नंदुरबार थाना क्षेत्र स्थित एक मोबाइल शोरूम का दीवार काटकर करीब 55 लाख रुपये के 133 मोबाइल फोन चोरी करने के मामले के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश में यहां पहुंची थी. गिरफ्तार कथित आरोपी को ट्रांजिट डिमांड में ले जाने के लिए महाराष्ट्र पुलिस के स्तर से न्यायिक प्रक्रिया पूरी की जा रही थी. मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश और चोरी गए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है.

भाजपा ने संथाल परगना में संगठन विस्तार का फूंका बिगुल

अमड़ापाड़ा: संथाल परगना में संगठन को और धारदार बनाने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी ने अमड़ापाड़ा स्थित आर. एस. पैलेस में प्रमंडल स्तरीय संयुक्त संगठनात्मक बैठक आयोजित की. दुमका, पाकुड़ और साहिबगंज जिले के पदाधिकारियों की मौजूदगी में बूथ सशक्तिकरण अभियान, संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की गई. बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जनसंपर्क अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की सफलता इसी पर निर्भर करेगी. बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद मिश्र एवं सुनील सोरेन, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्र, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद, प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, पूर्व विधायक अनंत ओझा समेत दुमका, पाकुड़ और साहिबगंज के जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मंडल प्रवासी तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए. बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक संगठन को और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई.

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें: हेमलाल मुर्मू

लिट्टीपाड़ा: झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो लिट्टीपाड़ा प्रखंड कमेटी की बैठक प्रखंड के गुतु गलांग में प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया. विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि एसआईआर अभियान के दौरान कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए. इसके लिए सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ क्षेत्र में सक्रिय होकर लोगों को जागरूक करें उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है.

आपकी बाइक का नंबर भी हो रहा है इस्तेमाल? पाकुड़ में सामने आया चौंकाने वाला मामला

पाकुड़: झारखंड में फर्जी नंबर प्लेट के जरिए वाहनों के परिचालन का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है. हिरणपुर प्रखंड के जबरदहा निवासी सौमित्रसेन उस समय हैरान रह गए, जब उनके मोबाइल पर गोड्डा परिवहन विभाग की ओर से बिना हेलमेट बाइक चलाने के आरोप में 1000 का ई-चालान का संदेश आया. सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस दिन चालान काटा गया, उस दिन सौमित्र गोड्डा जिले में थे ही नहीं.पीड़ित सौमित्र सेन ने बताया कि उनकी रॉयल एनफील्ड (बाइक संख्या गक16घ-6677) लगभग छह माह पहले खरीदी गई थी. वर्तमान में वे बड़तल्ला स्थित संकुल केंद्र में कार्यरत हैं. उनके अनुसार, 13 जुलाई को उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि गोड्डा जिले के पथरगामा में बिना हेलमेट बाइक चलाने के कारण 1000 का चालान काटा गया है.सौमित्र ने बताया कि जिस दिन का चालान जारी किया गया, उस दिन वे अंगूठिया फतेहपुर विद्यालय में अनुश्रवण कार्य में व्यस्त थे. उनके पास इसकी पुष्टि के लिए आवश्यक साक्ष्य भी मौजूद हैं. उन्होंने कहा कि उस दिन वे गोड्डा गए ही नहीं, ऐसे में स्पष्ट है कि उनकी बाइक के नंबर का किसी अन्य वाहन पर अवैध इस्तेमाल किया जा रहा है.

पीड़ित ने कहा कि वे जल्द ही संबंधित परिवहन विभाग को लिखित शिकायत और सभी साक्ष्य सौंपकर मामले की जांच की मांग करेंगे, ताकि फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों का पर्दाफाश हो सके.

गौरतलब है कि यह कोई पहला मामला नहीं है. बीते माह भी हिरणपुर के मोहनपुर निवासी प्रदीप कुमार भगत को भागलपुर परिवहन विभाग से अलग-अलग 10 ई-चालान भेजे गए थे, जबकि वे अपनी बाइक लेकर कभी भागलपुर गए ही नहीं थे. मामला मीडिया में प्रमुखता से आने के बाद संबंधित विभाग ने जांच कर कार्रवाई की थी और पीड़ित को राहत मिली थी. लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने

थाने में सैकड़ों साइबेरियन पक्षियों ने बनाया आशियाना

हिरणपुर: इंसानों को न्याय और सुरक्षा के लिए थाने की शरण लेते आपने कई बार देखा होगा, लेकिन क्या कभी किसी थाने को विदेशी पक्षियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना बनते देखा है? पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना में इन दिनों कुछ ऐसा ही अनोखा नजारा देखने को मिल रहा है.

यहां रूस के साइबेरिया से हजारों किलोमीटर की उड़ान भरकर पहुंचे सैकड़ों प्रवासी साइबेरियन पक्षियों ने थाना परिसर को ही अपना स्थायी आशियाना बना लिया है.

थाना परिसर में लगे आम, पीपल और यूकेलिप्टस के ऊंचे पेड़ों पर इन पक्षियों ने घोंसले बना लिए हैं. सुबह होते ही ये पक्षी भोजन की तलाश में आसपास के खेतों, नदी और तालाबों की ओर निकल जाते हैं और शाम ढलते ही फिर अपने सुरक्षित ठिकाने हिरणपुर थानाड्डलौट आते हैं.

इन विदेशी मेहमानों की चहचहाहट से पूरा थाना परिसर गुलजार रहता है. फरियादी भी जब थाने पहुंचते हैं तो इस अनोखे दृश्य को देखकर हैरान रह जाते हैं.

आसपास के ग्रामीण और बच्चे भी इन प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए थाना परिसर पहुंचते हैं.

पुलिस की मौजूदगी के कारण कोई भी इन पक्षियों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत नहीं करता.

थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि हर साल मई जून के महीने में इन प्रवासी पक्षियों का आना शुरू हो जाता है. प्रजनन के बाद अगस्त से नवंबर-दिसंबर के बीच ये अपने देश लौट जाते हैं. उन्होंने कहा कि ये विदेशी मेहमान अब हमारे संरक्षण में हैं. इनकी सुरक्षा करना भी हमारी जिम्मेदारी है. आसपास के लोगों से भी अपील की गई है कि कोई इनके साथ छेड़छाड़ न करे, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

जानकारी के अनुसार, ये पक्षी भोजन के लिए नदी-तालाबों में मिलने वाली छोटी मछलियों, घोंघों और अन्य जलीय जीवों पर निर्भर रहते हैं. हर वर्ष हजारों किलोमीटर का कठिन सफर तय कर ये पक्षी पाकुड़ पहुंचते हैं और हिरणपुर थाना परिसर को अपना सबसे सुरक्षित ठिकाना बना लेते हैं.

जहां इंसान न्याय की उम्मीद लेकर थाने पहुंचते हैं, वहीं इन बेजुबान विदेशी मेहमानों ने अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस पर भरोसा जताया है. हिरणपुर थाना आज सिर्फ कानून की रक्षा नहीं, बल्कि प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण की एक खूबसूरत मिसाल भी बन गया है.

ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन लगाने की रेलवे से मिली मंजूरी

पाकुड़: रेलवे स्टेशन के मालगोदाम रोड स्थित फुट ओवर ब्रिज के नीचे ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन लगाने की मंजूरी मिल गई है. पूर्व रेलवे, हावड़ा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राहुल रंजन ने इसकी अनुमति प्रदान की है.अनुमति मिलने के बाद रेलवे अधिकारियों ने वार्ड पार्षद निभा देवी की मौजूदगी में स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया. इस सुविधा से रेलवे कॉलोनी, सिद्धार्थनगर, ईशाकपुर, मनीरामपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के हजारों रेल यात्रियों को टिकट लेने में सहूलियत होगी.

समय पर ड्यूटी नहीं आने वाले डॉक्टरों-कर्मचारियों को सिविल सर्जन की सख्त चेतावनी

साहिबगंज : सदर अस्पताल में सोमवार दोपहर करीब 2:00 बजे सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने ओपीडी सहित विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति और ड्यूटी व्यवस्था का जायजा लिया.

निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने डॉक्टरों और कर्मचारियों से एक-एक कर पूछा कि वे किस समय ड्यूटी पर पहुंचे. किसी ने सुबह 9:15 बजे तो किसी ने 9:30 बजे अस्पताल पहुंचने की जानकारी दी. इस पर सिविल सर्जन ने समय पर ड्यूटी नहीं पहुंचने वाले डॉक्टरों एवं कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई.

डॉ. रामदेव पासवान ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जो भी डॉक्टर या कर्मचारी निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होंगे, उन्हें उस दिन कम से कम छह घंटे की ड्यूटी पूरी करनी होगी. यदि निर्धारित कार्य अवधि पूरी किए बिना अस्पताल छोड़ते हैं तो उनके विरुद्ध शो कोज करके जवाब मांगा जाएगा.उन्होंने कहा कि सभी डॉक्टर एवं स्वास्थ्यकर्मी समय का पालन करें, अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं. उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल में अनुशासन और समयपालन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी औचक निरीक्षण जारी रहेगा.मौके पर डॉक्टर मोहन मुर्मू,डॉक्टर इताउल,ओर अन्य लोग मौजूद थे.

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक में पूर्वी सिंहभूम को मिला उत्कृष्टजिला पुरस्कार

जमशेदपुर/देवघर : देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में जैन मंदिर परिसर (श्री श्याम मंदिर के समीप) आयोजित झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई. बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया. पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से जिला संरक्षक दीपक भालोटिया एवं जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल के नेतृत्व में 49 सदस्य देवघर पहुंचे, जो पूरे राज्य में सर्वाधिक सहभागिता वाला प्रतिनिधिमंडल रहा. बैठक का शुभारंभ देवघर जिला अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण एवं प्रांतीय अध्यक्ष के संबोधन के साथ हुआ. इसके पश्चात अनुपस्थिति का अनुमोदन, पिछली कार्यसमिति की कार्यवाही की पुष्टि, महामंत्री द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित आय-व्यय को आमसभा में प्रस्तुत करने हेतु अनुमोदित किया गया. बैठक में उपाध्यक्षगण, मंडलीय उपाध्यक्षों, जिला अध्यक्षों एवं शाखा अध्यक्षों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई. संविधान संशोधन संबंधी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई, पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों ने अपने विचार रखे, भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई तथा विविध विषयों पर विचार-विमर्श के उपरांत धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ बैठक संपन्न हुई. अपने संबोधन में प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन की सबसे बड़ी आवश्यकता समाज को संगठित करना है. समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक सूत्र में जोड़ना ही सम्मेलन का मूल उद्देश्य है, जबकि अन्य सभी कार्य द्वितीयक हैं. उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकता है. उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए इसे ष्झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का हृदय स्थलषब बताया. जमशेदपुर के गोपाल मैदान में हुए राजस्थान महोत्सव को ऐतिहासिक करार देते हुए बताया कि जिला द्वारा एक लंबी लकीर खींची गई है. जिला अध्यक्ष श्री मुकेश मित्तल एवं उनकी पूरी टीम के कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित प्रतिनिधियों ने लगातार लगभग पाँच मिनट तक तालियां बजाकर पूर्वी सिंहभूम जिला का अभिनंदन किया. बैठक में संविधान संशोधन के तहत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. महापंचायत के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई और पूर्व राज्य सभा सांसद महेश पोद्दार को उसका संयोजक नियुक्त करने पर सहमति बनी. इसके अतिरिक्त, संपत्ति संरक्षक मंडल के गठन पर भी सहमति बनी और पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल को उसका संयोजक बनाने पर सहमति बनी. बैठक में सम्मेलन के कार्यालय एवं लगभग 25 लाख की राशि के ट्रस्ट में कथित रूप से गलत ढंग से चले जाने के विषय पर भी गंभीर चर्चा हुई.

इस संबंध में ट्रस्ट के पदाधिकारियों को 31 अगस्त तक का समय देते हुए स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक समाधान नहीं हुआ तो संगठन कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा.

बैठक में संगठन विस्तार पर विशेष बल देते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला को राज्य में सर्वाधिक सदस्य बनाने के लिए पुरस्कृत किया गया. बैठक में गए सभी प्रतिनिधियों ने बाबा बैद्यनाथ धाम एवं श्री श्याम मंदिर में दर्शन-पूजन कर समाज, संगठन एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की.

उम्मीद से कम वर्षा होने के कारण किसानों में चिंताएं

महेशपुर: महेशपुर प्रखंड के सुंदरपहाड़ी और इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इस वर्ष सामान्य से काफी कम वर्षा होने के कारण स्थानीय किसानों की चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. मानसून की इस बेरुखी का सीधा और सबसे प्रतिकूल असर क्षेत्र की मुख्य खरीफ फसल, धान की खेती पर पड़ रहा है. पानी की भारी कमी के चलते धान की बुआई और आगामी रोपाई पूरी तरह संकट में नजर आ रही है.धान की खेती के लिए यह समय चक्र बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसी अवधि में खेतों की तैयारी और पौधों का विकास होता है. हालांकि धान की मुख्य रोपाई के लिए अभी कुछ समय शेष है, लेकिन लगातार बारिश न होने के कारण किसानों द्वारा खेतों में तैयार किया गया बिचड़ा धान की पौध पानी के अभाव में बुरी तरह झुलसने और सूखने लगा है. खेतों में पानी न होने से बिचड़े की बर्बादी देखकर अन्नदाताओं की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है.स्थानीय किसानों ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि यदि अगले कुछ दिनों के भीतर क्षेत्र में अच्छी और पर्याप्त बारिश नहीं होती है, तो धान की खेती पूरी तरह ठप हो जाएगी. क्षेत्र में सरकारी अथवा निजी स्तर पर मोटर पंप, नहर या अन्य किसी वैकल्पिक सिंचाई साधन की समुचित व्यवस्था नहीं है. सुविधाओं के इस घोर अभाव के कारण यहां के तमाम किसान पूरी तरह से केवल और केवल मानसूनी वर्षा पर ही आश्रित रहने को मजबूर हैं वर्तमान में बन रही यह विकट स्थिति किसानों को साल 2022 में पड़े भयंकर और विनाशकारी सूखे की याद दिला रही है. उस वर्ष भी ठीक इसी तरह वर्षा न होने के कारण फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई थीं, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र के अधिकांश किसानों को अपने और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मजबूरन अपना घर-बार छोड़कर दूसरे राज्यों में मजदूरी की तलाश में पलायन करना पड़ा था.किसानों को अब यही डर सता रहा है कि यदि मौसम का मिजाज जल्द नहीं बदला, तो उन्हें एक बार फिर से उसी दर्दनाक स्थिति और विस्थापन के दौर से गुजरना होगा.

मूसलधार बारिश से खेत हुए लबालब, धान रोपाई ने पकड़ी रफ्तार

हिरणपुर : रात भर जमकर हुई मूसलधार बारिश से कृषको के मुहार पर खुशियां लौट आई. खेती के समय इस वर्ष पहली बार खेतो में लबालब पानी भर गया. सुबह होने साथ कृषक धान रोपाई को लेकर लगे रहे. इस वर्ष बारिश की कमी की पूर्व से ही अनुमान वैज्ञानिकों द्वारा व्यक्त किया गया था. शुरुवाती समय मे सामान्य बारिश हुई थी. उस वक्त कृषको ने खेतो में बीज डाला था, पर इसके बाद बारिश न होने से कृषको में बेचैनी छा गया था. खेतो में लगे बिचड़ा भी सूखने लगा था. रानीपुर, देवपुर , जामपुर, डांगापाड़ा सहित कई जगहों में नदी, नाला की पानी पटवन कर किसी तरह रोपाई कार्य किया था. पर अधिकांश जगहों में रोपाई कार्य अधर में पड़ा हुआ था. बारिश की पानी से निर्भर खेतो की स्थिति जटिल बनी हुई थी. सिचाई की कोई व्यवस्था न रहने से कृषक परेशान थे. बिचड़ा तैयार रहने के बावजूद रोपाई कार्य पानी अभाव में नही कर पा रहा था, पर रात को हुई मूसलधार बारिश से सुबह से ही रोपाई कार्य मे काफी तेजी आ गई. वही धान रोपाई कार्य मे मजदूरों की पारिश्रमिक में जमकर वृद्धि हो गई. जहां रोपाई कार्य मे प्रति श्रमिक 300 रुपये दिया जाता था, अब बढ़कर 500-600 रुपये तक हो चुका है. सुबह होने साथ कृषको द्वारा मूल्य बढ़ोत्तरी की परवाह किये बिनाश्रमिको को रोपाई कार्य में लगाते देखा गया. इसमे भी श्रमिको की काफी कमी देखी गई. वही कृषको ने बताया कि इस वर्ष खेती कार्य काफी महंगी साबित हो रहा है. एक ओर रसायनिक खाद की दामो में वृद्धि हुई, वही रोपाई कार्य को लेकर दुगुनी राशि की भुगतान करना पड़ रहा है.

गोविंदपुर में 'इलेक्ट्रो घर' का शुभारंभ, माता-पिता ने फीता काटकर किया उद्घाटन

धनबाद : दिल्ली - कलकत्ता हाईवे पर गोविंदपुर स्थित फकीरी चौक के पास 'इलेक्ट्रो घर' नामक नए इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ.शोरूम के संचालक राहुल और उनके भाई ने उद्घाटन के लिए किसी विशेष अतिथि के बजाय अपने माता-पिता को आमंत्रित किया. दोनों ने अपने माता-पिता से फीता कटवाकर शोरूम का शुभारंभ कराया.उद्घाटन समारोह में फकीरडीह पंचायत के मुखिया अनवर अंसारी भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि पंचायत क्षेत्र में इस तरह का आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम खुलना खुशी की बात है और इससे स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी. उन्होंने व्यवसाय की सफलता की शुभकामनाएं दी. शोरूम में मोबाइल, फ्रिज और अन्य घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद उपलब्ध हैं. संचालकों ने बताया कि ग्राहक ऑनलाइन ऑर्डर देकर होम डिलीवरी की सुविधा का भी लाभ उठा सकते है.इस मौके पर संचालक राहुल कुमार सिंह बृजेश कुमार दीपू कुमार आदि उपस्थित थे

न्यूज कॉर्नर

सबसे पुरानी केस का हुआ निष्पादन

औरंगाबाद: (बिहार) सोमवार दिनांक - 20 जुलाई 2026 को व्यवहार - न्यायालय, औरंगाबाद में सब जज - अष्टम सह ए.सी.जे.एम. - 07 संदीप कुमार सिंह ने स्वत्व वाद संख्या - 96 /67, 78 /24 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए वादी के पक्ष में निर्णय सुनाया! इस संबंध में अधिवक्ता ने बताया कि वादी के पक्ष में 12 गवाही हुई थी, और प्रतिवादी के पक्ष में 06 गवाही हुई थी! वादी और प्रतिवादी के तीसरा पुस्त निर्णय सुना! इस वाद में पांच बार वाद बिन्दु का निर्धारण किया गया था! यह वाद जगनारायण यादव बनाम मुंगेश्वर यादव पता - खखडा टोले नेपवा, औरंगाबाद के नाम से 10 अगस्त 1967 को दर्ज कराई गई थी! उस समय जिला गया था! प्रतिवादी 09 दिसंबर 1967 को हाजीर हुआ था! 1971 में विवादित स्थल का मूल्य 100 से बढ़ाकर 300 निश्चित किया गया था! 22 मई 1972 से साक्ष्य आरंभ किया गया था! यह वाद वादी पक्ष के तरफ से वादी गण को विवादित भूमि के रैयत उद्घोषित करने के लिए लाया गया था! इस वाद के दोनों पक्षकार रानी सैयदा खातून के जमींदारी सेटलमेंट को सत्य बता रहे थे! वादी का पैमाना 25 जनवरी 1946 का था, तो प्रतिवादी का पैमाना 21 अप्रैल 1945 का था! इस केस में अधिकांश पक्षकारों की मृत्यु हो चुकी है! वाद सूचक का वादी संख्या - 04 सुबेदार यादव ने बताया कि थाना नंबर - 31, प्लॉट नंबर - 1488,रकवा -03 कट्ठा में आज हमें न्याय मिला! हमें पुनः विश्वास था कि आज न तो कल न्यायालय से जरूर न्याय मिलेगा!

अभियुक्त को हुआ उम्रकैद और 3.5 लाख रूपये का जुर्माना

औरंगाबाद: (बिहार) सोमवार दिनांक - 20 जुलाई 2026 को व्यवहार - न्यायालय, औरंगाबाद के प्रधान जिला जज, राजीव रंजन कुमार ने रिसियप थाना कांड संख्या - 37 / 11, एस.टी.आर. - 319 / 14 में सज़ा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए एक मात्र प्राथमिक अभियुक्त को सज़ा सुनाई है! लोक अभियोजक अजय कुमार ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त सुरेन्द्र मेहता, गडरा रिसियप को भारतीय दंड विधान की धारा - 364 में उम्रकैद तथा एक लाख रूपये का जुर्माना, धारा - 302 में उम्र कैद एवं दो लाख रूपये का जुर्माना और भारतीय दंड विधान की धारा - 201 में पांच साल की सज़ा तथा पचास हजार रूपये जुर्माना की सज़ा सुनाई गई है! सभी सज़ाएं साथ - साथ चलेगी! इस संबंध में अधिवक्ता ने बताया कि 10 जुलाई को अभियुक्त को एक बच्चे के अपहरण कर हत्या करने और साक्ष्य छिपाने के आरोप में दोषी करार देते हुए बंध - पत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था! लोक अभियोजक अजय कुमार ने बताया कि प्राथमिक सूचक महेन्द्र मेहता ने 17 जून 2011 को अभियुक्त पर नाबालिग लड़के विवेक कुमार के अपहरण करने का आरोप लगाया था! उस दिन गांव में एक बारात आई थी! जिसमें विवेक कुमार बराती संग सो गया था! वहीं से अभियुक्त ने नाबालिग का अपहरण कर लिया था! अपहृत नाबालिग लड़का का लाश घटना के तीन माह बीत जाने पर सिंचाई नहर से बरामद किया गया था! परिजनों ने शर्ट बेल्ट और दांत से मृत बच्चे की पहचान किया था! वाद सूचक का अभियुक्त से पूर्व में जमीनी विवाद था! इस बहुचर्चित मामले में सज़ा सुनाई जाने के पश्चात पीड़ित परिजनों ने कोर्ट के फैसले पर संतोष जताया है!

भाजपा नेताओं ने राज्यसभा सांसद को किया सम्मानित

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार प्रभारी, राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन की शुभकामनाएं एवं बधाई दी.इस अवसर पर सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की.इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठनेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि विनोद तावड़े एक कुशल संगठनकर्ता, दूरदर्शी रणनीतिकार एवं समर्पित जननेता हैं.उनके नेतृत्व, मार्गदर्शन और संगठनात्मक क्षमता के कारण भारतीय जनता पार्टी लगातार मजबूत होती जा रही है.उन्होंने कहा कि श्री तावड़े सदैव कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हैं तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहते हैं.डॉ. मिश्रा ने कहा कि श्री विनोद तावड़े जी के कुशल नेतृत्व एवं संगठनात्मक मार्गदर्शन में बिहार सहित देश के अनेक राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक एवं प्रचंड बहुमत के साथ विजय प्राप्त की है.उनकी कार्यशैली अनुशासन, समर्पण और संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा का प्रतीक है.वे प्रत्येक कार्यकर्ता को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं, जिससे संगठन निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है.कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने उनके दीर्घ एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई गति मिलेगी.अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने पुनः विनोद तावड़े को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर जनसेवा के लिए शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की.

.जिले के 35 सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों का रुका हुआ पेंशन होगा पुनः चालू

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले में स्टॉप टू एलाइव त्रुटि के कारण सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित हुए कुल 35 पेंशनधारियों का पेंशन पुनः चालू कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है.जिले के डीएम शशांक शुभंकर के निर्देश पर संबंधित त्रुटियों का सुधार कर लाभुकों को शीघ्र पेंशन का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा.प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टॉप टू एलाइव त्रुटि से प्रभावित लाभुकों में टनकुप्पा प्रखंड के 02, फतेहपुर के 12, बांकेबाजार के 01, बाराचट्टी के 02, वजीरगंज के 03, बेलागंज के 10, डोभी के 01 तथा टिकारी प्रखंड के 04 पेंशनधारी शामिल हैं. इन सभी मामलों में आवश्यक सुधार कर पेंशन भुगतान पुनः प्रारंभ करने की कार्रवाई की जा रही है.इसके अतिरिक्त, जिन पेंशनधारियों को एक सामाजिक सुरक्षा योजना से दूसरी योजना में स्थानांतरित किया जाना है, उनके मामलों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) की अनुशंसा एवं डीएम के आदेश के उपरांत कार्रवाई की जाएगी.योजना स्थानांतरण के अंतर्गत नगर प्रखंड के 04, कोंच के 03, डोभी के 01, बेलागंज के 02 तथा बांकेबाजार प्रखंड के 01, कुल 11 पेंशनधारी शामिल हैं.डीएम ने स्पष्ट किया कि पेंशन पुनः चालू होने के बाद सभी पात्र लाभुकों को पूर्व से रुकी हुई पेंशन राशि (बकाया) भी उनके बैंक खातों में उपलब्ध करा दी जाएगी.उल्लेखनीय है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से सीधे लाभुकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है. जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग लाभुकों को समय पर पेंशन उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित कर रहा है.

कलकत्ता हाईकोर्ट में राज्य सरकार का दावा

टीएमसी नेताओं पर अंडा फेंकने की घटनाएं घटीं , कल्याण बनर्जी बोले-अब भी जारी है सिलसिला

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट में दावा किया है कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं पर अंडा फेंकने की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है. सरकार ने अदालत को बताया कि राज्य पुलिस और कोलकाता पुलिस द्वारा उठाए गए सख्त कदमों के बाद 30 जून के बाद से ऐसी घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं.यह जानकारी कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपोब्रता चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी चटर्जी की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार द्वारा दाखिल रिपोर्ट में दी गई. रिपोर्ट में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोलकाता पुलिस आयुक्त की ओर से उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया गया.हालांकि, टीएमसी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद कल्याण बनर्जी ने अदालत में सरकार के दावे का विरोध करते हुए कहा कि अंडा फेंकने की घटनाएं अब भी लगातार हो रही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में पुलिस शिकायत दर्ज करने से भी इनकार कर रही है.कल्याण बनर्जी ने अदालत को

बताया कि कालियागंज में सांसद महुआ मोइत्रा पर अंडे फेंके गए थे और इसकी शिकायत भी दर्ज कराई गई है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही. इस पर राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने कहा कि पुलिस हर शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई कर रही है. उन्होंने हालिया एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि बिधाननगर अदालत परिसर में हंगामा होने पर पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया.सुनवाई के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता पक्ष को निर्देश दिया कि वे राज्य सरकार की रिपोर्ट पर अपना जवाब दाखिल करें. अदालत ने कहा कि हलफनामे में 30 जून के आदेश के बाद हुई प्रत्येक घटना का विवरण, संबंधित पुलिस शिकायत तथा पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए. सुनवाई के दौरान कल्याण बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की अपनी यात्रा का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि रविवार को उनकी कार का टायर पंचर होने पर आसपास लोग इकट्ठा हो गए और कुछ लोगों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए. उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में उनकी सुरक्षा को खतरा महसूस हुआ.इस पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाएं हुई हैं, तो उनका विस्तृत विवरण शपथपत्र के माध्यम से अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाए. मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी, जब याचिकाकर्ता राज्य सरकार की रिपोर्ट पर अपना विस्तृत प्रतिवाद अदालत में पेश करेंगे.

रवि राज मुर्मू को विधायक संजीव सरदार ने दी बधाई

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में संथाली फिल्म ङ्गआंगेनङ्ग के निर्देशक रवि राज मुर्मू को 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक' का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. विधायक संजीव सरदार ने कहा कि यह उपलब्धि केवल रवि राज मुर्मू की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे झारखंड, संथाली भाषा और आदिवासी समाज के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने कहा कि फिल्म 'आंगेन' के माध्यम से संथाली भाषा, संस्कृति, परंपरा और समाज की संवेदनाओं को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिससे झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिली है. रवि पोटका विधानसभा के जादूगोड़ा से आते है.

खूंटी में दर्दनाक हादसा : 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आए रथ पर खेल रहे बच्चे, 2 की मौत, 6 घायल

रांची: खूंटी जिले के तोरपा में एक दर्दनाक हादसा हुआ है. यहां करंट लगने से दो स्कूली छात्रों की मौत हो गई है, जबकि सात छात्र झुलस गए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है. सभी छात्र तोरपा के श्री हरि प्लस टू विद्यालय के हैं. स्कूल में लंच ब्रेक के दौरान यह हादसा हुआ है. घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.दरअसल, स्कूल परिसर के समीप स्थित मंदिर में रथयात्रा का रथ रखा हुआ था. लंच ब्रेक के दौरान बच्चे वहीं खेल रहे थे. इसी बीच किसी के द्वारा बच्चों की मदद से रथ को एक स्थान से दूसरे स्थान पर हटवाया जा रहा था. इसी दौरान रथ 11 हजार वोल्ट की हाई-टेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे उसमें तेज करंट दौड़ गया और बच्चे इसकी चपेट में आ गए. मृतक चंदन के पिता ननका यादव ने कहा कि बेटे को करंट लगने की सूचना मिलते ही बहुत दौड़े भागे अस्पताल पहुंचे. उन्होंने बताया कि अब बच्चे ही बताएंगे कि आखिर रथ कैसे बिजली तार के चपेट में आया.हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को तोरपा रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया. गंभीर रूप से झुलसे दो छात्रों को सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही चंदन कुमार और तेजेश्वर महतो ने दम तोड़ दिया. एक अन्य गंभीर छात्र को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का इलाज तोरपा रेफरल अस्पताल में जारी है. घायल छात्रों का नाम है; रूपेश सिंह, अरमान आलम, पंकज राम, गिरिराज यादव, सुजय लोहरा, नीलाय एक्का और एक अन्य छात्र जिसे गंभीर हालत में रिम्स भेजा गया है.विद्यालय की प्रिंसिपल किरण हेरेंज ने बताया कि लंच के समय कई बच्चे खाना खाने घर चले जाते हैं. घटना के वक्त बच्चे वहां कैसे पहुंचे, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी. वहीं बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता जेम्स कुजूर ने कहा कि रथ हटाने के लिए विभाग से कोई अनुमति या संपर्क नहीं किया गया था. उन्होंने बताया कि रथ को खिसकाने के दौरान यह हादसा हुआ है. संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी.घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने इसे अत्यंत हृदयविदारक बताया. उन्होंने खूंटी जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी घायलों का सर्वोत्तम इलाज सुनिश्चित किया जाए और मृतकों के परिजनों सहित प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए.

डीएओ ने उर्वरक प्रतिष्ठानों पर किया औचक छापामारी, 08 उर्वरक प्रतिष्ठान निलंबित, 02 प्रतिष्ठान से स्पष्टीकरण

युवा शक्ति न्यूज

गया : किसानों द्वारा लगातार यूरिया सहित अन्य उर्वरकों की बढ़ती माँग एवं गया जिला के सीमावर्ती क्षेत्र मोहड़ा एवं नीमचक बथानी के किसानों से प्राप्त हो रही शिकायतों को देखते हुए जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) संजीव कुमार द्वारा संयुक्त जाँच गठित कर क्षेत्र के उर्वरक प्रतिष्ठानों को औचक छापामारी किया गया.उर्वरक निरीक्षण के किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक की उपलब्धता हेतु जिले में उपलब्ध उर्वरको का नियमित रुप से भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है.डीएओ द्वारा बताया गया कि उर्वरक वितरण पर सख्त निगरानी रखी जा रही है एवं उर्वरक वितरण में दोषी पाये जाने विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है.इसी क्रम में मोहड़ा एवं नीमचक बथानी में उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक छापामारी में 10 दुकानों पर कार्रवाई की गई.डीएओ द्वारा बताया गया कि जिले में नियमित रुप से उर्वरक आपूर्ति कराने लगातार प्रयास किया जा रहा है.जिले को पिछले 24 घंटे में इफको यूरिया की रेक पहूँची है, जिससे 1332.89 मे0 टन यूरिया की उर्वरक की आपूर्ति हुई है.

डीएम ने सुनी समस्याएँ

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ट में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 100 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं.इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, मामलों को लोगों ने जिलाधिकारी के समक्ष रखा.डीएम ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान

आइएफएस अधिकारी राजीव लोचन बख्शी के खिलाफ हो उच्चस्तरीय एसआईटी जांच : बाबूलाल

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर झारखंड कैडर के वरिष्ठ आइएफएस अधिकारी राजीव लोचन बख्शी की ओर से रांची वन प्रमंडल में किए गए करोड़ों के वित्तीय गबन और राज्यकोष की सुनियोजित लूट की उच्चस्तरीय एसआईटी जांच व फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की है. साथ ही उन्होंने राजीव लोचन बख्शी के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से प्राथमिकी दर्ज कराने एवं जाँच पूरी होने तक उन्हें उनके वर्तमान महत्वपूर्ण दायित्वों से मुक्त करने की भी मांग की है. उन्होंने मुख्यमंत्री से भ्रष्टाचार के इस गंभीर मामले में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्यहित में कठोर निर्णय लेने की मांग की है.पत्र में बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि महालेखाकार की निरीक्षण रिपोर्ट में दर्ज वित्तीय गबन के कुछ प्रमुख तथ्य मिले हैं. इनमें जाली मस्टर रोल के जरिए 1.03 करोड़ की लूट: अप्रैल 2016 से मार्च 2019 के बीच मात्र 95 मस्टर रोल्स की टेस्ट चेकिंग में 1.0383 करोड़ के फर्जी भुगतान का खुलासा हुआ है. नियमों का घोर उल्लंघन करते हुए इन मास्टर रोल्स पर मजदूरों के हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान नहीं लिए गए, बल्कि 'व्हाइटनर' और 'इरेजर' का धड़ल्ले से प्रयोग कर रिकॉर्ड से छेड़छाड़ की गई. भुगतान बैंक खातों के बजाय नकद दिखाया गया. यदि मात्र 95 मास्टर रोल्स में इतना बड़ा घोटाला है, तो उनके पूरे कार्यकाल में बनी हजारों योजनाओं में हुई करोड़ों की लूट का अनुमान लगाना कठिन नहीं है.पत्र में लिखा है कि नियमों की धज्जियां उड़ाकर वन भूमि का अपयोजन- वर्ष 2013-14 में श्री बख्शी ने ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के प्रस्तावों को नियम विरुद्ध आठ छोटे प्रस्तावों में खंडित कर दिया ताकि सरकार से पूर्वानुमति न लेनी पड़े.

सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

युवा शक्ति न्यूज

गया : प्रमंडलीय आयुक्त, गया डॉ. सफीना ए. एन. की अध्यक्षता में गया स्थित ओटीए की स्थापना में व्यवहृत वन भूमि के बदले सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई.बैठक में आयुक्त के सचिव, वन प्रमंडल पदाधिकारी, गया, वरिष्ठसैन्य अधिकारी तथा अपर समाहर्ता राजस्व राजस्व गया सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे.बैठक के दौरान वन भूमि के बदले उपयुक्त सरकारी भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की गई.

प्रमंडलीय आयुक्त ने एडीएम को निर्देश दिया कि वे शीघ्र ही उपयुक्त सरकारी भूमि का चयन कर उसका प्रस्ताव तैयार करें तथा निर्धारित नियमों एवं सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए प्रस्ताव समर्पित करना सुनिश्चित करें. सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया.

डीएम ने नगर अंचल के आरओ के विरुद्ध आरोप पत्र गठित कर विभाग को भेजा

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने नगर अंचल, गया के आरओ राम कुमार रमन के विरुद्ध राजस्व कार्यों में गंभीर लापरवाही, लंबित मामलों के निष्पादन में उदासीनता तथा विभिन्न प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप में विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए आरोप पत्र गठित कर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना को भेज दिया है.डीएम ने बताया कि आरओ द्वारा राजस्व प्रशासन से संबंधित कार्यों के निष्पादन में गंभीर लापरवाही बरती गई है.समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि बड़ी संख्या में दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) वाद उनके लॉगिन में अनावश्यक रूप से लंबित रखे गए.इसके अतिरिक्त आम-खास सूचना से संबंधित 213 आवेदन तथा 120 दिनों से अधिक समय से लंबित कुल 388 आवेदनों का समय पर निष्पादन नहीं किया गया, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ा.जांच के दौरान यह भी पाया गया कि दाखिल-खारिज के कई मामलों में त्रुटिपूर्ण आदेश पारित किए गए, जो राजस्व मामलों के निष्पादन में अपेक्षित सतर्कता एवं विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने को दर्शाता है.डीएम ने बताया कि सदर एसडीओ द्वारा कराई गई जांच में भी आरओ के स्तर पर भूमि संबंधी अनेक मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने तथा तथ्यों के अनुरूप जांच नहीं किए जाने की पुष्टि हुई है.जांच प्रतिवेदन में कई मामलों में गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है.

इसके अतिरिक्त जांच में आरओ स्तर पर ऑनलाइन डिमांड में हेराफेरी का मामला भी प्रकाश में आया.यह भी पाया गया कि कुछ मामलों में जमाबंदी रद्द होने के बावजूद डिमांड को कायम रखा गया, जो राजस्व अभिलेखों के संधारण में गंभीर अनियमितता को दर्शाता है.

डीएम ने बताया कि उपर्युक्त सभी बिंदुओं की विस्तृत जांच कराई गई, जिसमें उपलब्ध अभिलेखों एवं जांच प्रतिवेदनों के आधार पर संबंधित राजस्व अधिकारी की गंभीर लापरवाही प्रमाणित हुई.इसी आधार पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित कर विभागीय कार्रवाई हेतु राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना को भेज दिया गया है.

डीएम ने स्पष्ट किया है कि राजस्व कार्यों में लापरवाही, अनियमितता एवं आम जनता के कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है.ज़िला प्रशासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, जवाबदेह एवं समयबद्ध राजस्व प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए दोषी अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी.

फौजी के घर में डकैती:बुजुर्ग मां को बेरहमी से पीटा, जेवर और कीमती सामान लूटकर फरार

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के टिकारी पंचाचनपुर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने फौजी के घर को निशाना बनाया है. घर में मौजूद बुजुर्ग मां-पिता के साथ भी मारपीट की गई है.बदमाश घर से सोने-चांदी के गहने और कीमती सामान समेटकर फरार हो गए.पीड़ित फौजी के अनुसार घटना देर रात की है.करीब 10 से 12 की संख्या में बदमाश घर में घुसे थे. सभी ने अपने चेहरा कवर कर रखा था.इस बीच मां जाग गई.शोर मचाते हुए कहा सभी को पहचान रहे हैं.इस पर डकैतों ने पहले उनका गला दबा दिया.फिर बेरहमी से पिटाई कर दी. हमले में हाथ की हड्डी टूट गई है.शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं.फिलहाल मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है.पीड़ित का कहना है कि 6 महीने पहले भी दशहरा के समय उनके घर में चोरी हुई थी.उस समय भी एफआईआर दर्ज कराई गई थी, लेकिन पुलिस कोई सुराग नहीं लगा सकी.हम तीन भाई हैं और तीनों फौज में हैं.घर पर मां-पिताजी रहते है.रात करीब 12:30 से 1:00 बजे के बीच पड़ोसी ने फोन कर घटना की जानकारी दी. जिसके बाद मैं गयाजी से निकला.घटना की सूचना के बाद एसडीपीओ समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे.पुलिस ने परिजनों को फिलहाल घर के सामान को छूने से मना किया है. बताया गया कि एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर जांच कराई जाएगी.इसके बाद ही चोरी हुए सामान की कुल कीमत का पता चल सकेगा.एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल का कहना है कि परिजनों की ओर से अभी आवेदन नहीं दिया गया है.आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

अदालत परिसर में पुलिस की कार्यप्रणाली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

आसनसोल : आसनसोल जिला अदालत परिसर सोमवार को उस समय विरोध का केंद्र बन गया, जब बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अदालत के मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रतीकात्मक तालाबंदी कर पुलिस की कार्यप्रणाली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस एफआईआर दर्ज करने के मामलों में दोहरा मापदंड अपना रही है. उनका कहना है कि अधिवक्ताओं की शिकायतों पर कार्रवाई करने में पुलिस अत्यधिक निष्क्रिय रहती है, जबकि दूसरी ओर बिना पर्याप्त जांच के उनके खिलाफ दर्ज शिकायतों पर तत्काल एफआईआर कर दी जाती है. इसी कथित, अति सक्रियता और अति निष्क्रियता, के विरोध में बार एसोसिएशन के सदस्य सड़क पर उतर आए.प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मांग की आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त स्वयं प्रदर्शन स्थल पर आकर अधिवक्ताओं के सवालों का जवाब दें,तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें. प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा.

आसनसोल जिला अदालत के वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर कुंडू ने कहा कि यदि किसी अधिवक्ता के खिलाफ शिकायत मिलती है तो पुलिस को पहले शिकायत की जांच करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव से संपर्क कर संबंधित अधिवक्ता के बारे में जानकारी लेना पुलिस की जिम्मेदारी है. बिना प्रारंभिक जांच और बार एसोसिएशन से संवाद किए सीधे एफआईआर दर्ज करना न्यायसंगत नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस नियमों और स्थापित प्रक्रिया की अनदेखी कर रही है, जिससे अधिवक्ताओं में असंतोष बढ़ रहा है.

आसनसोल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अयन रंजन मुखर्जी ने बताया कि 17 जुलाई को जिला अदालत परिसर में एक विवाद हुआ था. उनके अनुसार, बाहरी पक्ष के कुछ लोगों ने एक अधिवक्ता के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी. इस घटना के बाद संबंधित अधिवक्ता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. उनका आरोप है कि पुलिस ने शिकायत

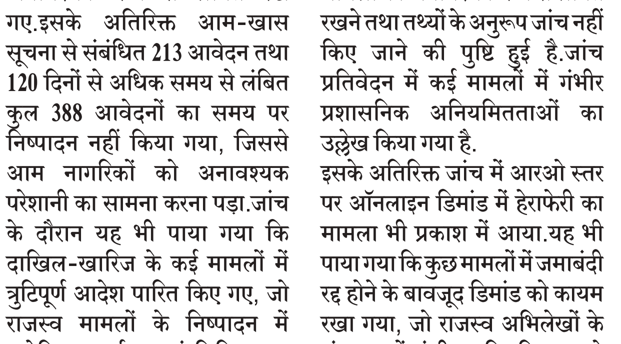

मिलने के बाद केवल जांच का आश्वासन दिया, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की. दूसरी ओर, विरोधी पक्ष की शिकायत पर कई अधिवक्ताओं के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर ली गई, जबकि उनमें से कुछ अधिवक्ता घटना के समय अदालत परिसर में मौजूद भी नहीं थे.मुख्य पीड़ित अधिवक्ता नरेन साव ने बताया कि वर्ष 2016 से उनका अपने पड़ोस में रहने वाली तारा साव और उनके परिवार के साथ एक विवाद चल रहा है, जिसका मामला अभी भी आसनसोल जिला अदालत में विचाराधीन है. उनके अनुसार, 17 जुलाई को इस मामले की सुनवाई थी, लेकिन तारा साव अदालत में उपस्थित नहीं हुई. सुनवाई के दौरान उनके परिवार के सदस्य हरिशंकर साव, सुशीला साव तथा अन्य लोग अदालत पहुंचे, और कथित रूप से उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, मारपीट की तथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी. नरेन साव ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में आसनसोल दक्षिण पुलिस फाड़ी में लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन पुलिस ने केवल जांच का आश्वासन दिया.

दूसरी ओर, नामोपाड़ा स्थित गौर मंदिर के पास रहने वाली तारा साव ने अधिवक्ता नरेन साव, राजेंद्र साव, अनीमेष सिन्हा, तबिश सरवर, पवन कुमार जायसवाल, राहुल केशरी, अंतरा सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अदालत परिसर में सुशीला शॉ के साथ अभद्र व्यवहार और बल प्रयोग कर उनकी अस्मिता भंग करने का प्रयास किया गया. इसके अलावा हरिशंकर शॉ से मोबाइल फोन, मंगलसूत्र और पांच हजार रुपये नकद छीनने का भी आरोप लगाया गया है. शिकायत में यह भी कहा गया है कि अधिवक्ता नरेन साव के नेतृत्व मे उनके अन्य साथी अधिवक्ताओं ने विभिन्न आपराधिक मामलों के खर्च के नाम पर चार लाख रुपये की मांग की तथा रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी. शिकायत के अनुसार, इस घटना से अदालत परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना और न्यायिक कार्यवाही भी प्रभावित हुई.इसी एफआईआर को लेकर अधिवक्ताओं ने पुलिस पर सवाल उठाए हैं. उनका कहना है कि जिस पक्ष की शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज की गई, उसकी शिकायत की भी समुचित जांच नहीं की गई और न ही बार एसोसिएशन से कोई संपर्क किया गया. वहीं, अधिवक्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर एफआईआर नहीं की गई. महिला द्वारा की गई शिकायत पर एफआईआर करने के बाद जब अधिवक्ताओं द्वारा पुलिस पर दबाव बढ़ा,तब जाकर पीड़ित अधिवक्ता नरेन साव के द्वारा दी गई शिकायता पर एफआईआर की गई, वहीं बार एसोसिएशन का कहना है कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि पुलिस की कथित पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली के खिलाफ है.

अधिवक्ताओं ने मांग की है कि दोनों पक्षों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए और भविष्य में किसी भी अधिवक्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाए,प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि जब तक पुलिस आयुक्त स्वयं आकर मामले पर स्पष्ट जवाब नहीं देते और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा नहीं दिलाते, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा. अधिवक्ताओं ने कहा की उनका विरोध प्रदर्शन का आज तीसरा दिन है, अगर उनकी मांग को पूरा नही किया गया तो उनका यह विरोध प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा, अदालत परिसर में विरोध प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए सामान्य गतिविधियां भी प्रभावित रहीं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | मंगलवार | 21 जुलाई, 2026

अंतरिक्ष में 'विक्रम-1'

अंतरिक्ष में भारत के निजी क्षेत्र ने भी प्रवेश कर लिया है. 'विक्रम-1' और 'मिशन आगमन' ने सर्वप्रथम सफलता हासिल की है, जब एक निजी कंपनी के रॉकेट ने अंतरिक्ष तक सफल उड़ान भरी और पृथ्वी की निश्चित कक्षा में स्थापित किया. यह सफल प्रयोग और प्रक्षेपण 'स्काईरूट एयरोस्पेस' नामक निजी कंपनी ने किए हैं. यह पूर्णत: स्वदेशी तकनीक का रॉकेट था, जिसे पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचा कर इस कंपनी के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इतिहास रचा है, अंतरिक्ष को एक बार फिर खंगाला है तथा अनुसंधान को वाकई एक नया आसमान दिया है. अभी तक अंतरिक्ष में प्रक्षेपण का काम 'इसरो' ही करता रहा था, जो एक सरकारी संस्थान है, लिहाजा उसे सरकार एक निश्चित बजट मुहैया कराती रही है. इसरो ने अंतरिक्ष में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, लेकिन निजी क्षेत्र को अनुमति देना और फिर एक निजी कंपनी द्वारा रॉकेट भेजने के संकल्प को साकार करना वाकई अद्भुत, अप्रतिम, अनिर्वचनीय है. अंतरिक्ष कार्यक्रमों से जुड़े रहे विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने या अन्य लक्ष्य प्राप्त करने का बाजार 60,000 से 90,000 करोड़ रुपए का है. जाहिर है कि अवसरों के आसमान खुले हैं और इस क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं भरपूर हैं. 'विक्रम-1' की ऐतिहासिक सफलता तब हासिल की गई है, जब करीब 120 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इसरो से इस्तीफे दे दिए हैं अथवा वीआरएस ले लिया है. यह विदाई या अलगाव बेहद चिंताजनक माना गया, क्योंकि ये तकनीकी चेहरे भारत के 'चद्रयान-4' और 'गगनयान' जैसे विराट, दुस्साध्य अंतरिक्ष कार्यक्रमों से जुड़े थे. वे सभी कार्यक्रम अपने अंतिम और निर्णायक चरण में हैं. इस्तीफा देने वाले कई इसरो वैज्ञानिक और इंजीनियर अंतरिक्ष संबंधी स्टार्टअप्स से जुड़ गए. 'विक्रम-1' भेजने वाली 'स्काईरूट एयरोस्पेस' कंपनी की स्थापना भी 2018 में पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी, जिन्होंने इसरो की नौकरी छोड़ी थी और यह स्टार्टअप शुरू किया था. इसरो से कुछ चेहरे विदाई लेते हैं, तो उसे 'राष्ट्रीय क्षति' नहीं मानना चाहिए. वे किसी स्टार्टअप अथवा निजी कंपनी से जुडऩा चाहें, तो इसरो को उन्हें एक निश्चित अवधि तक अनुमति दे देनी चाहिए, ताकि वे अपनी पेशेवर क्षमताओं का विस्तार कर सकें और आर्थिक रूप से अधिक समृद्ध हो सकें. 'विक्रम-1' परोक्ष रूप से इसरो का ही सृजन है, लिहाजा निजी क्षेत्र को भी 'राष्ट्रीय विस्तार' मानना चाहिए, क्योंकि अंतरिक्ष में, अंतत:, भारतीय 'तिरंगा' ही जाता है. यह डा. विक्रम साराभाई की ही विरासत है, जिन्होंने इसरो की स्थापना की और अंतरिक्ष कार्यक्रम को शुरू किया. बहरहाल अब तो प्रधानमंत्री मोदी का 'वंदे मातरम्' लिखा कार्ड भी अंतरिक्ष तक पहुंच गया है. हमारा सभी का अंतिम लक्ष्य 'भारत' ही है. निजी क्षेत्र की यह अंतरिक्ष-सफलता अमरीका और चीन के बाद भारत ने ही हासिल की है. कितना गर्व और गौरव महसूस होना चाहिए? प्रधानमंत्री मोदी ने ऑडियो संदेश के जरिए 'मिशन आगमन' की टीम को बधाई दी है, राष्ट्र-निर्माण और आत्मनिर्भरता में उनकी भूमिका को सराहा है और प्रधानमंत्री आवास पर मुलाकात का न्यौता दिया है. यह बेहद महत्वपूर्ण शुरुआत है. भारत में भी अंतरिक्ष से जुड़ा एक बाजार खुलेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम अपनी सेवाएं दे सकेंगे. इस मिशन के तहत अंतरिक्ष में कुछ पेलोड भेजे गए हैं. मसलन-इन ऑर्बिट रोबोटिक आर्म, भविष्य के मिशनों के लिए उपग्रह प्रणालियों का टेस्ट करेगा क्यूबसैट, नई अंतरिक्ष तकनीकों के सत्यापन के लिए टेस्ट सैटेलाइट, पिन पुलर एवं रिलीज नट सैटेलाइट छोडऩे के मैकेनिज्म के प्रभाव जांचेगा और 32 हीरों से बना कमल. भारत के दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में कुछ दिन बिता कर अध्ययन कर चुके हैं. शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय रहे, जो करीब 18 दिन तक अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर रहे और 'तिरंगा' लहराते रहे. उन्होंने कई महत्वपूर्ण और जीवनोपयोगी प्रयोग भी किए हैं. उनके परिणाम सामने आएंगे, तो दुनिया चौंक सकती है. संभवत: वह 'गगनयान' में भी अपना योगदान देंगे. एक साथ 100 से अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने का कीर्तिमान भी भारत के नाम है. उम्मीद है कि एक दिन भारत 'अंतरिक्ष महाशक्ति' भी बन सकता है. इस तरह की गतिविधियों के लिए सरकार को बजट की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी चाहिए. बजट को बढ़ाने पर सरकार को विचार करना चाहिए.

भारतीय मजदूर संघ : श्रमिक चेतना का राष्ट्रवादी अध्याय

– विपिन बिहारी पाठक

श्रम का राष्ट्रीयकरण करें, उद्योग का श्रमिकीकरण करें और राष्ट्र का औद्योगीकरण करें -दत्तोपंत ठेंगड़ी. यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के श्रम-दर्शन का सार है. उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वर्ग संघर्ष की संकीर्ण सोच से निकालकर राष्ट्रनिर्माण की व्यापक अवधारणा से जोड़ा. यही कारण है कि आज भी भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) केवल एक ट्रेड यूनियन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, श्रमिकहित और उद्योगहित के संतुलन का एक विशिष्ट मॉडल माना जाता है. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत वैचारिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था. विश्व का बड़ा हिस्सा साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित था और भारतीय श्रमिक आंदोलन पर भी वामपंथी संगठनों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता था. उस समय श्रमिक आंदोलनों में वर्ग संघर्ष की अवधारणा प्रमुख थी. दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इस सोच को भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना. उनका विश्वास था कि श्रमिक, उद्योग और समाज एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय परिवार के पूरक अंग हैं. इसलिए संघर्ष नहीं, सहयोग से ही स्थायी विकास का मार्ग निकल सकता है. इसी विचार को व्यवहार में उतारने के लिए 23 जुलाई 1955 को, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के दिन, भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई. इसकी शुरुआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में हुई. न कोई बड़ा संगठन, न संसाधन, न कार्यालय और न ही आर्थिक संसाधन. केवल 35 कार्यकर्ताओं के साथ प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठनों में गिना जाता है. दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर 1920 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के आर्वी में हुआ. छात्र जीवन से ही उनमें राष्ट्र और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी. आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने और संगठन निर्माण को अपना जीवन समर्पित कर दिया. भारतीय मजदूर संघ के अतिरिक्त उन्होंने भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक समरसता मंच जैसे अनेक संगठनों की स्थापना की. उल्लेखनीय है कि उन्हें पद्मभूषण सम्मान की घोषणा भी हुई, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया. ठेंगड़ी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने श्रमिक आंदोलन को राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा से अलग रखने का प्रयास किया. उनका मानना था कि ट्रेड यूनियन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी राजनीतिक दल का विस्तार करना. यही कारण है कि भारतीय मजदूर संघ ने स्वयं को दलगत राजनीति से अलग रखते हुए श्रमिकों के संगठन के रूप में विकसित किया. बीएमएस की वैचारिक पृष्ठभूमि भारतीय संस्कृति और 'एकात्म मानववाद' पर आधारित है. यह मानती है कि जीवन में विविधता अवश्य है, किंतु उसके मूल में एकता निहित है. इसलिए श्रमिक और उद्योगपति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास यात्रा के सहभागी हैं. यदि दोनों के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बने तो उत्पादन भी बढ़ेगा और श्रमिकों का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा. इसी सोच से प्रेरित होकर दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अधिकतम उत्पादन और समान वितरण का सिद्धांत दिया. उन्होंने पूंजीवाद की केवल उत्पादन-केंद्रित सोच और समाजवाद की केवल वितरण-केंद्रित सोच के स्थान पर संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया. उनका मानना था कि अधिक उत्पादन राष्ट्र का कर्तव्य है और उत्पादन के लाभ का न्यायपूर्ण वितरण श्रमिक का अधिकार. भारतीय मजदूर संघ का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य-हम राष्ट्रहित में काम करेंगे और पूर्ण वेतन की मांग करेंगे-आज भी श्रम और राष्ट्र के बीच संतुलन का संदेश देता है. यह नारा बताता है कि श्रमिक का संघर्ष केवल अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि के लिए भी होना चाहिए. दत्तोपंत ठेंगड़ी ने श्रमिक आंदोलन में राष्ट्रवादी नारों की भी नई परंपरा विकसित की. उन्होंने उस दौर के अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी नारों के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए. श्रम का राष्ट्रीयकरण, उद्योग का श्रमिकीकरण और राष्ट्र का औद्योगीकरण का उनका संदेश श्रमिकों को केवल मजदूर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में स्थापित करता है. बीएमएस ने औद्योगिक परिवार की अवधारणा भी दी, जिसमें श्रमिक, प्रबंधन और समाज तीनों को विकास की साझी इकाई माना गया. ठेंगड़ी जी ने स्व-रोजगार और पारंपरिक कारीगरों के महत्व को भी समय रहते पहचान लिया था. उन्होंने सुनार, लोहार, कुम्हार, दर्जी, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों को विश्वकर्मा क्षेत्र की संज्ञा दी और इसे जनता का क्षेत्र बताया. यह दृष्टि आज 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और कौशल विकास जैसे अभियानों के संदर्भ में और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है. दत्तोपंत ठेंगड़ी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि गंभीर चिंतक और विपुल लेखक भी थे. उन्होंने हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अनेक पुस्तकों के माध्यम से श्रम, अर्थनीति, स्वदेशी और राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए. उनका मानना था कि आधुनिकीकरण आवश्यक है, परंतु उसका अर्थ पश्चिमीकरण नहीं हो सकता. विकास का भारतीय मॉडल भारतीय समाज, संस्कृति और परिस्थितियों के अनुरूप ही होना चाहिए. आज भारतीय मजदूर संघ देशभर में हजारों संबद्ध यूनियनों और व्यापक सदस्य आधार के साथ श्रमिक हितों की आवाज बन चुका है. समय-समय पर उसने विभिन्न सरकारों की उन नीतियों का भी विरोध किया जिन्हें उसने श्रमिक हितों के प्रतिकूल माना. इससे स्पष्ट होता है कि उसका मूल आग्रह श्रमिक हित और राष्ट्रीय हित के संतुलन पर रहा है. दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि श्रमिक, किसान, उद्योग, समाज और संस्कृति-सभी के समन्वित प्रयास का परिणाम है. उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वैचारिक दिशा दी और यह विश्वास जगाया कि श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च माध्यम भी हो सकता है. आज, जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है, तब ठेंगड़ी जी का श्रम-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और प्रेरणास्पद दिखाई देता है. ***(लेखक, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं)***

बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी

– प्रमोद भार्गव

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं. इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है. अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है. बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है. इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है. हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है. पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं. पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं. विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है. बलोच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है. यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है. इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं. यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं. यही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है. बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा. 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे. अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं. प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं. बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है. यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है. बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है. उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है. यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं. सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं. बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है. बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है. यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था. इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था. कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी. नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था. किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली. इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया. इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ. जगह-जगह हमले शुरू हो गए. साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलोचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई. बीएलए बलोचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है. उसका मानना है कि चीन बलोचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है. इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है. दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलोचिस्तान में बलोचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था. जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे. अतैव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलोचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है. बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी, जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते शामिल थे. सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलोचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं. इसीलिए वे बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे. 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी. तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है. वर्तमान में बलोच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है. वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं. पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलोच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है. बलोचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है. इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है. पाकिस्तान की आजादी के साथ बलोचिस्तान का मुद्दा जुड़ा है. पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलोचिस्तान का है. लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है. करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलोच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है. इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है. यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं. इनमें आपस में खूब भाईचारा है. भगवान शिव की पत्नी सती का हिंगलाज मंदिर इसी बलोच क्षेत्र में आता है. अनेक मुसलमान भी देवी सती की पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि ये धर्मांतरित है. यहां से कभी सांप्रदायिक दंगों की खबरें नहीं आती हैं. 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलोच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए. इसे बलोचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया. इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए. इनमें सबसे प्रमुख बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी है. पीओके और बलोचिस्तान पाक के लिए बहिष्कृत क्षेत्र हैं. पीओके की जमीन का इस्तेमाल वह, जहां भारत के खिलाफ शिविर लगाकर गरीब व लाचार मुस्लिम किशोरों को आतंकवादी बनाने का प्रशिक्षण देता रहा है, वहीं बलोचिस्तान की भूमि से खनिज व तेल का दोहन कर अपनी आर्थिक स्थिति बहाल किए हुए है. यहां सोना, तांबा, कोयला और प्राकृतिक गैसों के बड़े भंडार है, लेकिन इनसे कमाई का बड़ा हिस्सा पाक सरकार, सेना और चीनी कंपनियां हथिया लेती हैं. इस कारण लोगों का गुस्सा उबाल पर है. बलोचिस्तान की कलात रियासत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा करने के बाद 27 मार्च 1948 को पाकिस्तान में शामिल हो गई थी. लेकिन बलोचिस्तान ने पाक में विलय को कभी स्वीकार नहीं किया. लिहाजा यहां अलगाव की आग निरंतर बनी रही है. नतीजतन 2001 में यहां 50 हजार लोगों की हत्या पाक सेना ने कर दी थी.

इसके बाद 2006 में अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले 20 हजार सामाजिक कार्यकर्ताओं को अगवा कर लिया गया था, जिनका आज तक पता नहीं है. 2015 में 157 लोगों के अंग-भंग किए गए थे. फिलहाल पुलिस ने जाने-माने एक्टिविस्ट बाबा जान को भी हिरासत में लिया हुआ है. पिछले 20 साल से जारी दमन की इस सूची का खुलासा एक अमेरिकी संस्था ने किया है. वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलोचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलोचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने? ***(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

21 जुलाई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 21 जुलाई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह बृहस्पति है. आपका जन्मांक धनु राशि के अन्तर्गत आता है. इस माह का अधिपति ग्रह चन्द्रमा है. आप चन्द्रमा एवं बृहस्पति ग्रह के सम्मिलित प्रभाव में आजीवन रहेंगे. आप कठोर अनुशासन प्रिय व्यक्ति होंगे. धर्म-अध्यात्म के प्रति आपकी विशेष आस्था रहेगी. आप अपने जीवन में आर्थिक पक्ष को ज्यादा महत्व देंगे. आप निजी स्वार्थ को अधिक प्राथमिकता देंगे. काम पड़ने पर आप विरोधियों के तलवे चाटने से पीछे नहीं हटेंगे. लेकिन कार्य सिद्धि के पश्चात उसे छिटकने में भी देर नहीं करेंगे. भोग विलासिता व मौजमस्ती के निमित्त आप अधिक व्यय करते रहेंगे. राजनैतिक-सामाजिक गतिविधियों में आप अधिक रूचि लेंगे. आप सदैव कुछ न कुछ करते रहेंगे. आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा. आप विनोदी भी होंगे. आपका दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. आपकी दूरदर्शिता और वाकपटुता सफलता में सहायक होगी. कलात्मक कृत्यों की ओर आपका रूझान रहेगा. जीवन में अनुकूलता हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की आराधना करें. तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनावें. अपने दैनिक जीवन में सफेद रंग का प्रयोग करें. बृहस्पतिवार के दिन ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करें. समाज सेवा निष्काम भाव से करें. अहिंसा का पालन करें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ बृं बृहस्पतये नम:	मास	:	मार्च, जुलाई एवं अक्टूबर
व्रत	:	बृहस्पतिवार	वर्ष	:	3, 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66
दिन	:	रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	3, 12, 21, 30	जन्मरत्न	:	पोखराज
अंक	:	1, 7	उपरत्न	:	सुनहला (गोल्डन टोपाज)

यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 19 फरवरी से 20 मार्च, 21 नवम्बर से 20 दिसम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, नवयोजना की शुरुआत हेतु विचार-विमर्श, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, आपसी वैमनस्यता में कमी, भौतिक सुख के साधन.

वृषभ : आर्थिक व्यवसायिक पक्ष में परिश्रम के अनुरूप सफलता, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, प्रेमसम्बन्धों में अत्यधिक प्रगाढ़ता, दर्शनीय स्थलों की यात्रा.

मिथुन : आज दिन 7/55 बजे तक समय प्रतिकूल, भाग्य में न्यूनता, किसी मुद्दे पर तनाव, आत्मीयजनों से कष्ट, शेष समय में कठिनाइयों का निवारण, सुयश की प्राप्ति.

कर्क : आज दिन 7/55 बजे तक दिनचर्या व्यवस्थित, सफलता का सुयोग, कर्ज की निवृत्ति, ज्ञान-विज्ञान में रुचि, शेष समय में कार्यों में अड़चनें, यात्रा विफल.

सिंह : विचाराधीन योजना का कार्यरूप में परिणित, सामाजिक क्रियाकलापों की ओर अभिरुचि, आपसी सौहार्द, पारस्परिक सम्बन्धों में मधुरता, वैमनस्यता का समापन.

कन्या : स्वास्थ्य सुधार पर, पुराने विवाद का हल पक्ष में, परिवार में उल्लासमय वातावरण, नौकरी में पदोन्नति, राजनैतिक लाभ का प्रयास सार्थक, आवागमन में अनुकूलता.

तुला : आज दिन 7/55 बजे तक निराशा, आरोग्य सुख में व्यतिक्रम, उलझनें, दुर्जनों से कष्ट, शेष समय योजना की पूर्ति के लिए बेहतर, आर्थिक उन्नति, आत्मिक शांति.

वृश्चिक : आज दिन 7/55 बजे तक सफलता, व्यापार में धन निवेश, स्वनिर्णय हितकर, यात्रा का प्रसंग, शेष समय में परेशानी, अपेक्षित सहयोग का अभाव.

धनु : कार्य व्यवसाय में परिश्रम के अनुरूप सफलता, परोपकार की भावना जागृत, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, दाम्पत्य जीवन मधुर, सुसमाचार की प्राप्ति.

मकर : भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, स्वविवेक से लिया गया निर्णय हितकर, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, धार्मिक क्रियाकलापों में रुचि.

कुम्भ : आज दिन 7/55 बजे तक समस्याएं प्रभावी, जोखिम से नुकसान, आत्मीयजनों से कटुता, शेष समय में सामयिक कार्य प्रगति पर, नवसम्पर्क का सुयोग.

मीन: आज दिन 7/55 बजे तक दिनचर्या व्यवस्थित, अकल्पित लाभ, अधूरे कार्य पूर्णता की ओर, शेष समय विपरीत, योजना पूर्ति में विलम्ब, विश्वासघात की आशंका.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

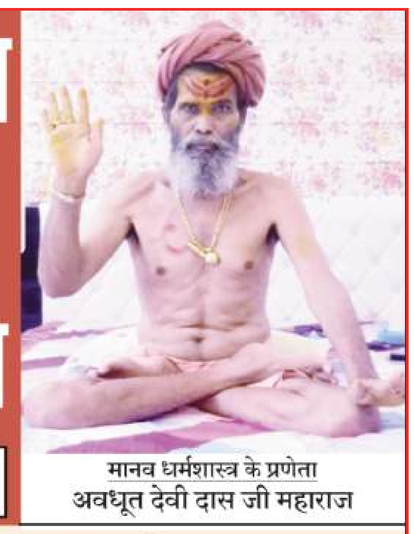

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

एग्रो-होम्योपैथी कृषि क्षेत्र की नई क्रान्ति

–ऋतुपर्ण दवे

होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जरूर है, लेकिन बहुत ही तेजी से लोकप्रिय भी हो रही है. यह रोगी के समग्र स्वास्थ्य जिसमें मानसिक और शारीरिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करके प्राकृतिक रूप से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की ताकत होती है. होमियोपैथी को एक सुरक्षित चिकित्सा पद्धिति माना जाता है क्योंकि इससे कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होते हैं. लेकिन सोचिए, यही होमियोपैथी यदि कृषि के क्षेत्र में भी उपयोगी साबित हो तो इसे किसी चमत्कार से कम नहीं कहा जा सकता. इन दिनों दुनिया भार में एग्रो-होमियोपैथी पर लेकर न केवल बड़े-बड़े शोध चल रहे हैं बल्कि तेजी से उपयोग भी बढ़ रहा है. भारत भी इससे अछूता नहीं है. कृषि क्षेत्र में इसका सफल प्रयोग कई दशकों से हो रहा है. इसकी शुरुआत हालाकि शौकिया तौर पर हुई, लेकिन जब इसके फायदे नजर आने लगे तो तेजी से शोध और परीक्षण भी होने लगे और लोगों की इसको लेकर उत्सुकता भी बढ़ी. अब नतीजे भी दिखने लगे हैं. होम्योपैथी दवाओं के टिंचर की कुछ बूंदे थोड़े से पानी में मनुष्यों को देकर यह विश्वास उत्पन्न किया जाता है कि यह बीमारी की जड़ तक पहुंच उसका समाधान करता है. बस यही फॉर्मूला कृषि क्षेत्र में भी अपनाया जा रहा है. वास्तव में होम्योपैथिक दवाएं बैक्टीरिया या कीटों को सीधे नहीं मार, पौधों की अपनी जैविक प्रणालियों को प्रभावित करती हैं जिससे वो अपना प्राकृतिक रक्षा तंत्र, जरूरत के हिसाब से विकसित और सक्रिय कर पाते हैं. एग्रीकल्चर सेक्टर में होम्योपैथी का उपयोग उसी सिध्दांत पर आधारित है जिसमें किसी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए धीरे-धीरे डायल्यूट दवाओं से किसी बीमारी को काबू किया जाता है जिससे वह जड़ से ही समाप्त हो जाती है. यह पौधों की आनुवंशिक गतिविधियों और चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म में परिवर्तन की प्रक्रिया को प्रेरित कर सकता है, जिससे रक्षा प्रणालियां सक्रिय होती हैं. देश में एग्रो-होम्योपैथी को लेकर पुडुचेरी प्रयोग खासा सफल और चर्चाओं में है. श्री अरबिंदो सोसाइटी (एसएएस) की अगुवाई में एक नई पहचान बन रही है. एग्रो-होम्योपैथी से दोहरा लाभ भी सामने आया. जहां पानी की खपत घटी और इस कारण भूजल स्तर भी बढ़ा. 2018 में शुरू हुई आहार परियोजना में कृषि क्षेत्र में होम्योपैथी के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए शुरु हुए इस प्रोजेक्ट की सफलता का अंदाज इसी से लगता

है कि कुछ ही समय में इसे नाबार्ड और उसके बाद टाटा ट्रस्ट का समर्थन मिला. वैज्ञानिक प्रयोगों के बाद जब यह फॉर्मूला खेतों में पहुंचा तो वहां भी बेहद असरकारक रहा. पहले भिंडी उसके बाद धान की उपज में काफी सकारात्मक परिणाम आए. उत्साहित वैज्ञानिकों ने तीनों सीजन रबी, खरीफ और जायद में भी इसकी क्षमता को आजमाया और सकारात्मक नतीजे हासिल किए.इससे मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ी जिससे रसायनों पर निर्भरता घटी. सर्वविदित है कि खेतों में उर्वरकों का छिड़काव करने से मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नुकसान होता है लेकिन कृषि-होम्योपैथी के मिश्रण ने पत्तियों को नई जान तो दी साथ ही पौधों की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई. शोधकर्ताओं ने कृषि-होम्योपैथी की लागत को बेहद सस्ती पाया. पहले जहां कृषक 20 से 30 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर रसायनों पर व्यय करता था, वही होम्योपैथिक दवाओं पर केवल 700 रुपए प्रति हेक्टेयर ही खर्च कर और भी बेहतर परिणाम हासिल करने लगा. यह कमाल ही था जो होम्योपैथिक दवाओं की चंद मिलीमीटर दवाओं ने सैकड़ों लीटर पानी में घुले रसायनों पर भारी पड़ कर असर दिखाया. इससे खेती में हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल रुकने से फसल की चमक और पुष्टता भी बेहतर हुई जिससे किसानों को उपज की अच्छी कीमत मिलने लगी. होम्योपैथी दवाएं वनस्पतियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को जबरदस्त बढ़ाती हैं. इससे वनस्पतियां, फसल होने वाली बीमारी को अपने आप ठीक कर लेते हैं. एग्रो-होम्योपैथी में अलग-अलग और बेहद सस्ती चंद मिलीमीटर दवाएं बीजों के अंकुरण से लेकर रोगों से बचाव और फूलने-फलने को बेहतर बनाने में कारगर सिध्द हो रही है. ये दवाएं कीट प्रबंधन की दिशा में भी काफी सफल हैं. यहां तक कि फसल में वायरस या बैक्टीरिया के दुष्प्रभावों पर भी असरकारक हैं. वह दिन दूर नहीं जब निरंतर शोध और प्रयोगों के बाद एग्रो-होम्योपैथी की भी ढेरों और अलग-अलग शाखाएं बनना तय है. यह भविष्य का वृहद कृषि पारिस्थितिकी तंत्र होगा. इसमें भी उपचारों की अलग-अलग विधियां होंगी. लेकिन इतना तो तय है कि रसायनों और उर्वरकों के बोझ से आहत मिट्टी को यदि कोई नया जीवन और जहरीले तत्वों से मुक्ति दिलाएगा तो वह होगा भविष्य का एग्रो-होम्योपैथी सेक्टर जहां मिट्टी, पानी अपने मूल स्वरूप में आकर फिर से हमारी प्रकृति में नया जोश भरने का काम करेंगे. हाँ, इतना कहा जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर होम्योपैथी की नई शाखा यानी एग्रो-होम्योपैथी जल्द ही अपनी शानदार धमक दिखाने को तैयार है.

न्यूज कॉर्नर

मप्र विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश, कथित भूमि खरीद मामले पर कांग्रेस का हंगामा

भोपालः मध्यप्रदेश सरकार ने सोमवार को विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पेश किया हालांकि मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़े कथित भूमि खरीद मामले पर चर्चा की कांग्रेस की मांग को लेकर सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ. मध्यप्रदेश विधानसभा के पांच दिवसीय मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार से हुई. कांग्रेस सदस्यों ने उज्जैन में कथित भूमि खरीद मामले पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की. कांग्रेस विधायकों के आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करने पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी. तोमर ने कहा कि यूसीसी विधेयक पर चर्चा मंगलवार को कराई जाएगी. हाल में एक समाचार पत्र की खबर में दावा किया गया था कि यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने और उनके परिजनों ने बड़े पैमाने पर भूमि खरीदी. हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन आरोपों को निराधार बताया. प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से मुख्यमंत्री और उनके परिजनों से जुड़ी कथित भूमि खरीद का मुद्दा उठाया, जिसका भाजपा विधायकों और मंत्रियों ने कड़ा विरोध किया. संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस मांग का विरोध करते हुए कहा कि स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से इस विषय पर चर्चा नहीं कराई जा सकती. उन्होंने कहा कि स्थगन प्रस्ताव सामान्यतः हाल की घटनाओं से जुड़े मामलों पर लाया जाता है, पुराने मामलों पर नहीं.

पुलिस कार्रवाई के बीच प्रदर्शनकारी का वीडियो आया सामने, बार-बार कहता रहा 'मारो सर'

नई दिल्लीः कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के बीच जहां बहुत से लोग तितर-बितर हो गए, वहीं एक प्रदर्शनकारी अपनी जगह पर डटा रहा. वह बार-बार कहता रहा मारो सर, मारो और पुलिसकर्मियों की कार्रवाई के बावजूद एक बार भी पीछे नहीं हटा. कॉजपा की ओर से आयोजित संसद मार्च के दौरान यह घटना कैमरे में दर्ज हो गई. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारी अवरोधकों को पार करने की कोशिश की, लाठीचार्ज का सामना किया और आंसू गैस के गोलों से भी जूझे. सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में टी-शर्ट और पतलून पहने एक व्यक्ति को लाठियों से लैस सुरक्षाकर्मियों के समूह के सामने खड़े देखा गया. वह बार-बार कह रहा था, मारो सर, मारो सर.

सना हवाई अड्डे पर हमले के जवाब में हूतियों का सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान

काहिराः यमन के हूती विद्रोहियों ने सना हवाई अड्डे पर हालिया हमले के जवाब में सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की है. हूती के एक सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने सोमवार को एक वीडियो बयान में कहा कि सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी तत्काल प्रभाव से लागू होगी. उन्होंने इसे आंख के बदले आंख की नीति के तहत उठाया गया कदम बताया. सारी का यह बयान यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच पिछले सप्ताह हुए तीखे संघर्ष के बाद आया है. इस दौरान सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और सऊदी अरब के आभा हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया था. इन घटनाओं से 2022 से जारी संघर्ष विराम पर खतरा मंडराने लगा है.

अन्नाद्रमुक विधायक सी.वी. शण्मुगम के नेतृत्व में 1,300 से अधिक पदाधिकारियों का सामूहिक इस्तीफा

चेन्नईः तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) में अंदरूनी मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आ गए हैं. पार्टी के पूर्व मंत्री और मयिलम विधानसभा क्षेत्र से विधायक सी.वी. शण्मुगम के नेतृत्व में 1,300 से अधिक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अपने संगठनात्मक पदों से सामूहिक इस्तीफा दे दिया. सभी ने चेन्नई स्थित अन्नाद्रमुक मुख्यालय पहुंचकर अपने इस्तीफे कार्यालय प्रबंधक महालिंगम को सौंप दिए. सी.वी. शण्मुगम अपने समर्थकों के साथ पार्टी महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी से मुलाकात करने के लिए मुख्यालय पहुंचे थे. हालांकि, पलानीस्वामी के वहां मौजूद नहीं होने के कारण उन्होंने अपने इस्तीफे कार्यालय प्रबंधक के माध्यम से जमा कराए. बताया जा रहा है कि हाल ही में हुए संगठनात्मक फेरबदल में सी.वी. शण्मुगम को जिला सचिव का पद नहीं दिए जाने से उनका गुट नाराज था. पार्टी के भीतर एडप्पडी के. पलानीस्वामी और सी.वी. शण्मुगम के बीच लंबे समय से मतभेद चल रहे हैं. इस दौरान एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले गुट का भी नेतृत्व से टकराव रहा था.

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच शुरू

अगरतलाः त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. उनका शव अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में उनके कार्यालय कक्ष से बरामद किया गया. पुलिस प्रारंभिक तौर पर मामले को आत्महत्या की आशंका से जोड़कर जांच कर रही है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी. पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान डीजीपी अनुराग धनखड़ को उनके कार्यालय कक्ष में फंदे से लटका हुआ पाया. इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सूचना मिलते ही प्रशासनिक मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे. कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अगरतला स्थित गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल भेजा गया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा. फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है.

हत्या के आरोपी ने भागने की कोशिश में पुलिसकर्मियों पर किया हमला, मुठभेड़ में मारा गया

आणंदः गुजरात के आणंद जिले में एक बच्ची के अपहरण और हत्या का आरोपी एक युवक पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया. आरोपी ने कथित तौर पर हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान छिपाकर रखे चाकू से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया था. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. अहमदाबाद रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राघवेंद्र वत्स ने बताया कि रविवार रात हुए इस हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए. उन्होंने कहा कि आरोपी को पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली मारी थी, और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. वत्स ने संवाददाताओं से कहा, बच्ची के अपहरण और हत्या के आरोपी युवक की मुठभेड़ में मौत हो गई. उसने छिपाकर रखे चाकू से रविवार रात पुलिसकर्मियों पर हमला किया और भागने की कोशिश की थी. चाकू से किए गए हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए. पुलिस ने मृतक की पहचान सुरेश परमार के रूप में की है, जिसकी उम्र करीब 20 साल थी. उस पर जिले के वसाड इलाके से साढ़े चार साल की एक बच्ची के अपहरण और हत्या का आरोप था.

पुंछ में मकान के भूस्खलन की चपेट में आने से सात लोगों की मौत

जम्मू : जम्मू कश्मीर के बारिश से प्रभावित पुंछ जिले में सोमवार को एक मकान के भूस्खलन की चपेट में आने से सात लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लोरन गांव के ऊंचाई वाले इलाके में हुई. उन्होंने कहा कि भूस्खलन की चपेट में आया मकान मिट्टी से बना हुआ था. उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है और मारे गए सात लोगों में चार महिलाएं शामिल हैं. शनिवार शाम से पुंछ जिले में मूसलाधार बारिश हो रही है. अधिकारियों के अनुसार, लोरन में मारे गए सात लोगों समेत जिले में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लोग लापता हैं.

संसद मार्च: लाठी चार्ज-आंसू गैस के बावजूद डटे रहे प्रदर्शनकारी

कहा– मांग पूरी होने तक पीछे नहीं हटेंगे

नई दिल्ली: 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के सोमवार को संसद मार्च में शामिल प्रदर्शनकारी भारी पुलिस बैरिकेडिंग, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे जाने के बावजूद वहां डटे रहे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए. इस मार्च में दिल्ली भर से छात्र और आम लोग शामिल हुए. इसे संसद मार्ग के पास रोक दिया गया, जहां पुलिस ने कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे. कई आगंतुकों ने कहा कि उन्हें प्रतिरोध का अंदाज़ा था, लेकिन वे अपना प्रदर्शन जारी रखने के लिए पक्के इरादे के साथ आए थे. मार्च में शामिल दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ग्लोरी ने कहा, उन्होंने हमें कई बार रोकने की कोशिश की. पूरे रास्ते में बड़े स्तर पर बैरिकेड लगाए गए थे. हमें लाठी चार्ज और आंसू गैस का भी सामना करना पड़ा, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे. कई छात्रों ने आंदोलन को लेकर सरकार की प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि हफ्तों के प्रदर्शन के बावजूद उनकी मांगों को अनसुना कर दिया गया.

एक प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा, जो देश अपने छात्रों की परवाह नहीं करता, उसका पतन निश्चित है. दिल्ली विश्वविद्यालय के एक अन्य छात्र संस्कृति कुमार ने कहा कि वे तब तक विरोध प्रदर्शन जारी उठाएं, जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं. उन्होंने कहा, हम केवल धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा चाहते हैं. हम कुछ असंभव नहीं मांग रहे हैं, जिसे सरकार पूरा नहीं कर सकती. हम आज पीछे नहीं हट रहे हैं. जब इतनी दूर तक सफर तय कर लिया है, तो अब इसे अंजाम तक पहुंचाकर ही दम लेंगे. भीड़ में जामिया मिल्लिया इस्लामिया की पूर्व छात्रा 52 वर्षीय कनीज़ फातिमा भी शामिल थीं. उन्होंने कहा कि वह आंदोलन की शुरुआत से ही जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रही थीं. फातिमा ने पूछा, क्या यह हमारा देश नहीं है? क्या नागरिक के रूप में हमें सवाल उठाने और उन विचारधाराओं को चुनौती देने का अधिकार नहीं है, जिससे हम सहमत नहीं हैं? वे उन छात्रों पर लाठी चार्ज कर रहे हैं, जो केवल अपने अधिकार की मांग करने के लिए यहां आए हैं? प्रदर्शन को निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा, यह करो या मरो का समय है. आज यहां खड़े होने के लिए बहुत से लोगों ने बहुत बड़ा बलिदान दिया है.

बदरपुर की 17 वर्षीय अंशिका अपने परिवार को बिना बताए प्रदर्शन में आई थी. अंशिका ने कहा कि उसने अपने परिवार को बताया कि वह स्कूल जा रही है, लेकिन वह प्रदर्शन में आ गई. उसने अपने हाथ पर चोट के निशान दिखाए हुए कहा, क्या हम यहां इसलिए आए, ताकि हमें अपराधियों की तरह हिरासत में लिया जा सके. उसने आरोप लगाया कि दो महिला पुलिसर्किमयों ने उसे पैरों से खींच लिया और पकड़कर पकड़ लिया. अंशिका ने कहा, जब चुनाव का समय आता है, तो वे हमारे घर आते हैं और वोट मांगते हैं, लेकिन वे नीट पेपर लीक पर बातचीत करने भी नहीं आए. उसने कहा, हम केवल बातचीत के लिए कह रहे हैं. क्या हमें शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की भी अनुमति नहीं है? विरोध प्रदर्शन में उन लोगों की भी भागीदारी देखी गई, जो शहर के बाहर से राष्ट्रीय राजधानी आए थे.

किस्मत (20) ने कहा कि वह दिल्ली में प्रदर्शन में शामिल होने के लिए रातभर यात्रा करके पटना से आई हैं. बिहार के वैशाली की रहने वाली हस्तनिर्मित ने कहा कि उसने यह बात अपने परिवार से छिपाई थी. उसने कहा, मैंने अपने परिवार से झूठ बोला और यहां आ गई, क्योंकि उन्हें मेरी सुरक्षा की चिता होगी. मैंने उन्हें नहीं बताया कि मैं विरोध प्रदर्शन में आ रही हूं. आगंतुकों ने नकल की कि वे तब तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे, जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्याग सहित उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता.

कुछ समस्या है तो बात करें, विरोध प्रदर्शन करने का कोई मतलब नहीं: हेमा मालिनी

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने सोमवार को कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को कोई समस्या है तो बात करनी चाहिए और प्रदर्शन करने का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से यह भी कहा कि मोदी सरकार युवाओं और छात्रों के साथ हमेशा खड़ी रही है और बहुत कुछ किया है. उत्तर प्रदेश के मथुरा से लोकसभा सदस्य ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संसद मार्च के बारे में पूछे जाने पर कहा, अगर कुछ समस्या है तो चर्चा करनी चाहिए. इस तरह से प्रदर्शन करने से कुछ काम नहीं होगादेश के युवाओं और शिक्षा के लिए मोदी सरकार ने बहुत काम किया है..जो आप प्रदर्शन कर रहे हैं इसका कोई मतलब नहीं है. बात करके इसका समाधान करना चाहिए. हेमा मालिनी का कहना था कि छात्रों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए.

कॉजपा के संसद मार्च के प्रयास ने दिल्ली के प्रमुख जन आंदोलनों की याद दिलाई

नई दिल्लीः कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के समर्थकों ने सोमवार को संसद की ओर मार्च करने का प्रयास किया, जिसके दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया. इस घटनाक्रम ने पिछले 15 वर्षों के दौरान दिल्ली में हुए उन प्रमुख जन आंदोलनों की यादें ताजा कर दी, जब हजारों लोगों ने अपनी मांगों को सत्ता के केंद्र तक पहुंचाने की कोशिश की थी. वर्ष 2021 में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ट्रैक्टर परेड उन सबसे बड़े प्रदर्शनों में शामिल थी, जिनमें प्रदर्शनकारियों ने मध्य दिल्ली की ओर कूच किया था. तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चले एक वर्ष लंबे आंदोलन के तहत 26 जनवरी, 2021 को हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर एकत्र होने के बाद ट्रैक्टरों के साथ राष्ट्रीय राजधानी में दाखिल हुए थे. यद्यपि ट्रैक्टर परेड के लिए निर्धारित मार्गों की अनुमति दी गई थी. लेकिन, उस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी अवरोधक तोड़कर तय मार्ग से हटकर मध्य दिल्ली की ओर बढ़ गए थे, जिससे पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई. कुछ प्रदर्शनकारी लाल किले के परिसर में भी प्रवेश कर गए थे और उसकी प्राचीर पर निशान साहिब तथा किसान संगठनों के झंडे फहरा दिए थे. इस हिंसा में 300 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे. संसद या मध्य दिल्ली के अन्य उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों की ओर मार्च करने के प्रयास पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े आंदोलनों की प्रमुख विशेषता रहे हैं. प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखने के उद्देश्य से ऐसा करते रहे हैं.

वर्ष 2011 में सामाजिक एवं गांधीवादी कार्यकर्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन राजधानी के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक था. हजारे की गिरफ्तारी के बाद हजारों लोग तिहाड़ जेल के बाहर एकत्र हुए थे. बाद में हजारे रामलीला मैदान पहुंचे, जहां उनके 13 दिन के अनशन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और सशक्त लोकपाल कानून की मांग की गई.

वर्ष 2012 के निर्भया आंदोलन के दौरान हजारों छात्र, युवा पेशेवर और आम नागरिक इंडिया गेट तथा रायसीना हिल पर एकत्र हुए थे और कई बार संसद तथा राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च करने का प्रयास किया था. भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार, आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज का सहारा लिया था. वर्ष 2019 और 2020 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान भी दिल्ली में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए. जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रों के प्रदर्शन और शाहीन बाग में लंबे समय तक चले धरने में हजारों लोग शामिल हुए. इस आंदोलन के दौरान सड़कों को बंद करना, भारी पुलिस बल की तैनाती और कुछ समय के लिए मेट्रो स्टेशनों को बंद करना आम बात हो गई थी.

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक वर्ष तक चले किसान आंदोलन के दौरान भी दिल्ली की सीमाएं प्रमुख प्रदर्शन स्थलों में बदल गई थीं. हजारों किसानों ने दिल्ली में प्रवेश से रोके जाने के बाद सिंघू, टीकरी और गाजीपुर सीमाओं पर डेरा डाल दिया था. यह आंदोलन तब तक जारी रहा, जब तक केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस नहीं ले लिए. वर्ष 2023 में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे कई प्रमुख पहलवानों ने नवनिर्मित संसद भवन की ओर मार्च करने का प्रयास किया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोककर हिरासत में ले लिया था. इस घटना ने देशभर का ध्यान आकर्षित किया था. सोमवार का प्रदर्शन एक बार फिर मध्य दिल्ली की सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी का कारण बना और राष्ट्रीय राजधानी में पिछले वर्षों के प्रमुख जन आंदोलनों की सूची में एक और घटना जुड़ गई.

ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, सेना तैनात, रेल सेवाएं प्रभावित

गुवाहाटीः ऊपरी असम में लगातार हो रही बारिश के कारण सोमवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्यों में राज्य की एजेंसियों की मदद के लिए सेना के जवानों को तैनात करना पड़ा. वहीं क्षेत्र में रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और कई ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं, उन्हें अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है या गंतव्य से पहले रोका गया है. असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, इस साल आई बाढ़ में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है. प्राधिकरण ने बताया कि चराईदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और उदलगुरी जिलों में 57,100 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. राज्य के कई चाय बागान बाढ़ के पानी में डूब गए हैं. टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की असम इकाई ने कहा कि नगालैंड से आने वाली नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ गया है और वे खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. संस्था ने बताया कि दोरिका नदी का तटबंध टूटने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे नाजिरा क्षेत्र के चाय बागानों का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है.

भारी बारिश के कारण अमरनाथ, वैष्णो देवी और शिव खोड़ी यात्राएं लगातार दूसरे दिन स्थगित

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण अमरनाथ, माता वैष्णो देवी और शिव खोड़ी गुफा मंदिरों की यात्राएं सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रहीं. प्रशासन ने खराब मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं को आधार शिविरों और ठहराव स्थलों पर ही रहने की सलाह दी है. एक बयान में कहा गया है, मौसम विभाग की ओर से जारी खराब मौसम के पूर्वानुमान के मद्देनजर पहले ही निर्णय लिया जा चुका है कि श्री अमरनाथ जी यात्रा अगले आदेश तक स्थगित रहेगी. इसके अनुरूप जम्मू, उधमपुर अथवा रामबन से श्रीनगर की ओर श्रद्धालुओं को लेकर जाने वाले किसी भी वाहन को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू, कठुआ, सांबा, उधमपुर, रामबन और बनिहाल स्थित विभिन्न आधार शिविरों एवं आवास केंद्रों में सैकड़ों श्रद्धालु फंसे हुए हैं. श्रद्धालुओं को

कश्मीर की ओर जाने से रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है. रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की यात्रा भी लगातार दूसरे दिन स्थगित रही. पुलिस ने कटरा आधार शिविर पर लाउडस्पीकर के माध्यम से यात्रा स्थगित रहने की घोषणा की. घोषणा में कहा गया, यात्रा स्थगित कर दी गई है. किसी भी श्रद्धालु को भवन की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कटरा पहुंचे श्रद्धालुओं को मौसम सामान्य होने तक वहीं ठहरने की सलाह दी गई है.

मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामें के चलते कार्यवाही रही प्रभावित

नई दिल्लीः संसद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया. राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट एवं अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई. अंततः दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई. इसी बीच लोकसभा में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने संबंधी 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया गया. वहीं राज्यसभा में 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने से संबंधित विधेयक राज्यसभा में पेश नहीं हो सका. संसद परिसर के बाहर भी विभिन्न संगठनों के प्रदर्शन के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और

संसद भवन की ओर आने-जाने वाले मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हुई.

लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होते ही अध्यक्ष ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी सहित छह पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया. श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर तीन बार थोड़े अंतराल के लिए स्थगित होने के बाद तीन बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई. इसी दौरान केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी संशोधन विधेयक सदन में प्रस्तुत किया.

दूसरी ओर राज्यसभा में मानसून सत्र के पहले दिन नौ नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की. इनमें गुजरात से मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से पवन खेड़ा, मध्य प्रदेश से महेश केवट, मेघालय से जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांगते ललतलुआगकिमा, राजस्थान से सतीश पूनिया तथा पश्चिम बंगाल से प्रकाश चिक बराइक, सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं.

सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने पूर्व सदस्यों बलबीर पुंज, स्वपन साधन बोस (टूटू बोस), रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा कतर के पूर्व अमीर को भी श्रद्धांजलि दी. श्रद्धांजलि के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज, नीट और अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए इन विषयों पर तत्काल चर्चा की मांग की. विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे, फिर 12:30 बजे, उसके बाद 12:50, फिर दो बजे और फिर 2:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी.

पटना से सोमनाथ आस्था यात्रा शुरू

सीएम सम्राट चौधरी ने 1100 श्रद्धालुओं से भरी विशेष ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

पटना : बिहार से सोमनाथ आस्था यात्रा की शुरुआत हो चुकी है. पाटलिपुत्र जंक्शन से विशेष ट्रेन सोमनाथ के लिए रवाना हो चुकी है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है. इस विशेष ट्रेन में 1100 से ज्यादा श्रद्धालु और यात्री सवार होकर भगवान सोमनाथ के दर्शन के लिए अपनी यात्रा पर निकल चुके हैं. श्रद्धालुओं के लिए सोमवार का दिन बेहद खास रहा. पाटलिपुत्र जंक्शन पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित भाजपा के कई नेता मौजूद रहे. इस दौरान सोमनाथ यात्रियों को कलश के साथ-साथ भगवा रंग के गमछे प्रदान किए गए. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खुद ट्रेन के बोगी में जाकर सोमनाथ यात्रियों से मुलाकात किया है. स्टेशन परिसर श्रद्धालुओं के जयकारों, हर-हर महादेव की गूंज और धार्मिक उत्साह से गूंज उठा. पूरा माहौल भक्तिमय हो गया था.

आपको बता दें कि इस विशेष ट्रेन से बिहार के कई जिलों के भाजपा कार्यकर्ता और कई संगठनों से जुड़े लोग सोमनाथ यात्रा पर गए हैं. बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ स्टेशन पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत की.

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सहित कई सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे. सभी अतिथियों ने यात्रियों का स्वागत किया और उन्हें सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है.

राम मंदिर में दान राशि की गिनती के लिए एसबीआई की देखरेख में नयी टीम तैनात

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर के दान पात्रों में जमा नकद चढ़ावे की गिनती के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नई टीम तैनात करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की निगरानी में दो पालियों वाली व्यवस्था शुरू की है. सूत्रों ने बताया कि एक सप्ताह के परीक्षण के बाद रविवार से यह प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके बाद ट्रस्ट ने औपचारिक रूप से दानराशि की गिनती की जिम्मेदारी एसबीआई को सौंप दी. सूत्रों के मुताबिक, प्रत्येक पाली में 10 से 12 लोगों की टीम तैनात की गई है. पहली पाली सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक और दूसरी पाली दोपहर दो बजे से रात आठ बजे तक काम करती है. सूत्रों ने बताया कि चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में पूर्व प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव के जेल भेजे जाने के बाद ट्रस्ट ने शोभनाथ मिश्रा को नकदी गिनती का नया प्रभारी नियुक्त किया है. सूत्रों के मुताबिक, निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ट्रस्ट ने चार सुपरवाइजर तैनात किए हैं, जिनमें एक पूर्व सैनिक भी शामिल है. ट्रस्ट के सुरक्षा प्रभारी और सेना के पूर्व अधिकारी कैप्टन के.के. तिवारी को गिनती प्रक्रिया की दैनिक जानकारी देने के लिए वरिष्ठ प्रभारी नियुक्त किया गया है.

अगर सनातन पर खतरा आएगा तो कोई बच नहीं जाएगा : मुख्यमंत्री योगी

बाराबंकी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि अगर सनातन पर खतरा आएगा तो कोई बच नहीं दक्षिण. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी जिले में दरियाबाद और रामनगर विधानसभा क्षेत्रों में 542 करोड़ रुपये से अधिक की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हमारा उज्ज्वल भविष्य सनातन की ध्वस्त नींव पर निर्भर करेगा. सनातन सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित है. उन्होंने आगाह किया, अगर सनातन पर कोई खतरा आएगा तो कोई बच नहीं दक्षिण. ये जो फैलाने वाले लोग हैं, सपा और कांग्रेस के नाम पर जितने भी नमूने हैं, याद करना जब आप पर संकट आता है तो इन सबकी बोलती बंद हो जाती है. योगी ने आरोप लगाया, ये लोग भले कुछ भी बोलें, लेकिन इनका वास्तविक चरित्र सनातन विरोधी है, इनके कार्य जनता के हक और विकास की परियोजनाओं पर डाका डाले जैसे हैं.

उन्होंने पूर्ववर्ती गाजियाबाद पर जनता के हितों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा, याद करना पैसा आपका था, लेकिन वह पैसा कब्रिस्तान की चाहरदीवारी पर खर्च होता था तथा महादेवा और अयोध्या सहित विरासत एवं आस्था के स्थानों के लिए पैसा नहीं मिलता था. उसको वे सांप्रदायिक कहते थे. उन्होंने सीधे सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा विरासत विरोधी और विकास की धुर विरोधी हैं. इनसे सतर्क रहेंगे तो हमेशा सुरक्षित रहेंगे. योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा, कब्रिस्तान की चाहरदीवारी बनाना उनके लिए नासता का मानक था, लेकिन कांवड़ यात्रा पर रोक, जन्माष्टमी के आयोजन को प्रतिबंधित करना, राम नवमी की शोभायात्रा को रोकना, दुर्गा पूजा के पंडालों को प्रतिबंधित करना, वे नासता का मानक मानते थे. मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा, हमें ऐसी नासाता को उखाड़ फेंक कर सनातन की ध्वस्त भूमि पर एक सुरक्षित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा. एक सुरक्षित भारत के लिए कार्य करना होगा. जो लोग

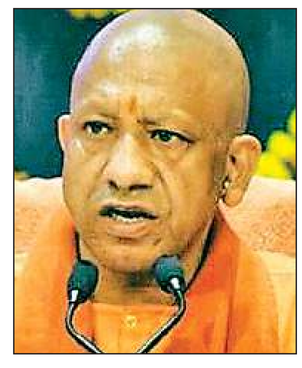

वायुमंडल के नाम पर सनातन को बदनाम करते थे, ये वही लोग थे जो एक ओर आपको पर्व और त्योहार पर अराजकता फैला कर बदनाम करते थे और दूसरी तरफ अपने गुंडों से अवैध वसूली करवाते थे. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने (विपक्षी पार्टियों ने) कोई निवेश तो किया नहीं, क्योंकि अराजकता, कर्फ्यू और दंगे का माहौल बनाया. इसलिए उन्होंने गांव-गांव, शहर-शहर में कट्टा और बम बनाना शुरू कर दिया, जिससे व्यापारियों को लूटा जाता था और बहन-बेटी की इज्जत से खिलवाड़ किया जाता था. उन्होंने अपनी सरकार की गतिविधियों को घटती हुए कहा, आज लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है और उसे एक बार दागा जाता है तो पाकिस्तान और उसके आका की नींद उड़ जाती है. उन्होंने कहा, आज ब्रह्मोस मिसाइल भी बन रही है और अब बेटियां भी सुरक्षित हैं तथा व्यापारी भी सुरक्षित हैं, बड़े बड़े निवेश भी आ रहे हैं. योगी ने कहा, मैंने पहले ही दिन कहा था कि सरकार भेदभाव नहीं जाएगी और हर तबके के लिए बिना भेदभाव कार्य करेगी. लेकिन मैंने यह भी कहा था कि कोई गिरफ्तारी करेगा, बेटी और मजदूरों की इज्जत से खिलवाड़ करेगा तो उसके लिए दो ही जगह होगी - जेल या जहन्नुम, तीसरी कोई जगह नहीं होगी. उन्होंने कहा, उम्र के हथियारों के सामने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने पहचान का संकट खड़ा किया था लेकिन आज ऐसा कोई संकट नहीं है. पहचान का संकट खड़ा करने वाली यही समाजवादी पार्टी है जो जाति को जाति से लड़वा रही थी और बेटी की सुरक्षा के लिए यही सपाई खतरा बने हुए थे. उस समय यह कहावत भी थी कि देख सपाई - बिटिया घबराई. मुख्यमंत्री ने महादेवा में भगवान लोधेश्वर महाराज का दर्शन किया. उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यहाँ कई जिलों के अनुयायी आते हैं लेकिन मंदिर जीर्ण शीर्ण था. 1947 में देश को आजादी मिली थी और आजादी की वह ली बाराबंकी के लोधेश्वर मंदिर तक पहुंचनी चाहिए थी लेकिन नहीं पहुंच पाई. आजादी के बाद वह ली कब्रिस्तान की चाहरदीवारी के लिए तो प्राप्त हुई लेकिन लोधेश्वर मंदिर के लिए नहीं प्राप्त हुई. उन्होंने हॉकी के खिलाड़ी बाबू केडी सिंह का जिक्र करते हुए कहा, हॉकी और भारत के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले बाबू केडी सिंह की हवेली के लिए पैसा उपलब्ध नहीं हो पाया, पारिजात के महावृक्ष के लिए धन उपलब्ध नहीं हो सका, लेकिन आज गौरव की अनुभूति हो रही है कि बाराबंकी के पवित्र लोधेश्वर मंदिर के देवताओं का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और अब केडी सिंह बाबू की हवेली बिकेगी नहीं क्योंकि सरकार उसका पैसा चुकाएगी. केडी सिंह बाबू जो हर युवा, हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं, उनकी स्मृति को सरकार जीवित करने का काम करेगी.

न्यूज कॉर्नर

भागलपुर में दंपति कोविड-19 संक्रमित, आसपास के लोगों की स्वास्थ्य जांच के निर्देश

भागलपुर: बिहार के भागलपुर जिले में दंपति के कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने की पुष्टि हुई. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, कोविड-19 संक्रमण की आशंका के कारण रविवार को भागलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में भर्ती कराए गए 65 वर्षीय व्यक्ति की आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई. उन्होंने बताया कि व्यक्ति की 55 वर्षीय पत्नी भी संक्रमित पाई गई. अस्पताल के अधीक्षक एच. पी. दुबे ने बताया, जेएलएनएमसीएच में भर्ती 65 वर्षीय मरीज और उनकी 55 वर्षीय पत्नी, दोनों में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई है. इसके साथ ही जिले में कोविड-19 के पुष्ट मामलों की संख्या दो हो गई है. उन्होंने बताया कि दोनों मरीजों का गहन चिकित्सकीय निगरानी में उपचार किया जा रहा है और चिकित्सकों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है. अस्पताल अधिकारियों के अनुसार, 15 जुलाई को व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने पर उनका एक निजी क्लिनिक में इलाज कराया गया और बाद में कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच स्थानांतरित कर दिया गया. उन्होंने बताया कि आरटी-पीसीआर जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उनकी पत्नी की भी जांच कराई गई, जिसमें वह भी संक्रमित पाई गईं.

आकाशीय बिजली गिरने से तीन की लोगों की मौत

आरा: बिहार में कई जगहों पर जोरदार बारिश हुई है. सोमवार को भोजपुर में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली ने कहर बरपाया है. जिले के चरपोखरी, गड़हनी और आयर थाना क्षेत्रों में हुई तीन अलग-अलग घटनाओं में एक वार्ड सदस्य समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए. सभी घायलों का इलाज आरा सदर अस्पताल एवं निजी अस्पताल में चल रहा है. पहली घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के खराटी गांव की है, जहां कामता सिंह के 33 वर्षीय पुत्र गोविंद कुमार की खेत में धान की रोपनी के दौरान ठनका गिरने से मौत हो गई. वह पेशे से किसान थे. परिजनों के अनुसार सोमवार सुबह रोपनी के दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हुई और इसी बीच उन पर आकाशीय बिजली गिर गई.गंभीर रूप से घायल गोविंद कुमार को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. दूसरी घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के मंदुरी गांव में हुई. यहां नदी किनारे खेत में रोपनी कर रही वीरेंद्र चौधरी की 18 वर्षीय पुत्री नंदनी कुमारी की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई. घटना में उसकी 15 वर्षीय छोटी बहन चांदनी कुमारी और गांव की एक अन्य किशोरी भी घायल हो गई. परिजन दोनों बहनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने नंदनी को मृत घोषित कर दिया.

मथुरा के मंदिर में दान पात्र का ताला तोडकर चोरी

मथुरा: उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में एक चोर ने यमुना किनारे राजाधिराज बाजार स्थित ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर के मुख्य द्वार पर लगे दान पात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी कर ली. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. मंदिर के विधिक सलाहकार एवं मीडिया प्रभारी एडवोकेट राकेश तिवारी ने बताया कि चोरी की पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई. उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह करीब सवा पांच बजे जब मंदिर के कर्मचारी वहां पहुंचे तो उन्होंने दान पात्र का ताला टूटा हुआ पाया, जिसके बाद महाप्रबंधक अशोक शर्मा ने शहर कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत दी. तिवारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच में पता चला कि 25 से 30 वर्ष का एक युवक मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंचा और पहले उसने चारों ओर देखकर यह सुनिश्चित किया कि कोई उसे देख तो नहीं रहा. उन्होंने बताया कि इसी दौरान दो सिपाही गश्त करते हुए वहां से गुजरे और युवक तुरंत मंदिर की सीढ़ियों पर बैठ गया लेकिन सिपाहियों ने न तो उससे पूछताछ की और न ही वहां बैठे होने का कारण पूछा. तिवारी के अनुसार, पुलिसकर्मियों के जाने के बाद युवक ने सरिया से दान पात्र का ताला तोड़ दिया और उसमें रखी नकदी निकालकर बैग में भर ली तथा आराम से टहलते हुए वहां से चला गया.

उप्र : 24 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ: दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने से अगले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के 12 जिलों और उनके आसपास के इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड' अलर्ट जारी किया गया. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी. लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कासगंज, एटा, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं जिलों तथा उनके आसपास के इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान अत्यधिक भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गयी. पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 174 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा बहेड़ी (बरेली) में हुई, इसके बाद मुसमरी (बिजनौर) में 160 मिमी, कालीनगर (रामपुर) में 152.4 मिमी और पुवायां में 150.3 मिमी बारिश दर्ज की गई. आईएमडी ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से आने वाले मजबूत मानसूनी प्रवाह के कारण उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है और इस दौरान अनेक स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है. आईएमडी ने 21 जुलाई से 25 जुलाई तक दक्षिणी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों के लिए 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है. आईएमडी के अनुसार, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद और जालौन में भी भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान जताया गया है.

महावीर मंदिर में पूजा-अर्चना, फिर काटा केक... निशांत कुमार ने मनाया आपना 45वां जन्मदिन

पटना : बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के लिए यह दिन कई मायनों में खास रहा. एक ओर यह मंत्री बनने के बाद सदन में उनका पहला दिन था, वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपना 45वां जन्मदिन भी मनाया, अपने 45वें जन्मदिन की शुरुआत निशांत कुमार ने धार्मिक आस्था के साथ की. स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया. मंदिर परिसर में उन्होंने कहा कि उनकी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि भगवान की कृपा उन पर, उनके पिता, पूरे परिवार, बिहार की जनता और देशवासियों पर बनी रहे.

इसके बाद वह मानसून सत्र की कार्यवाही में सदन पहुंचे जहां सभापति ने उनके जन्मदिन को लेकर बधाई दी, जिसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं. जन्मदिन की बधाइयों के बीच निशांत कुमार ने सदन को धन्यवाद देते हुए अपनी प्राथमिकताएं और उद्देश्य को भी स्पष्ट किया. सदन में अपने संबोधन के दौरान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ निभाने का प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े जो भी मुद्दे सदन में उठेंगे, उनका

जवाब देने की जिम्मेदारी वह निभाएंगे. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सदन की गरिमा और मर्यादा बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी.

सदन में जन्मदिन की शुभकामनाएं मिलने पर निशांत कुमार ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि जन्मदिन के अवसर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने जिस आत्मीयता के साथ शुभकामनाएं दीं, उसके लिए वह सभी के प्रति आभारी हैं. उन्होंने कहा कि यह स्नेह उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को और बेहतर ढंग से निभाने के लिए प्रेरित करेगा.

जन्मदिन के मौके पर विपक्ष की ओर से भी निशांत कुमार को शुभकामनाएं मिलीं. राजद के विधान पार्षद अब्दुल बारी सिद्दीकी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि विपक्ष सदन में जनहित के मुद्दे उठाता रहेगा और सदन की बहस से प्रभावित हुए बिना उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए. उन्होंने निशांत कुमार के दीर्घायु होने और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं.

मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा पहुंचे बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने भी स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि वह जन्मदिन समारोह में भी शामिल होंगे और नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं. सदन के बाहर मीडिया से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा कि वह सदन की मर्यादा बनाए रखने का पूरा प्रयास करेंगे. उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार जनहित के मुद्दों पर काम कर रही है और स्वास्थ्य विभाग भी इसी सोच के साथ अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाएगा.

निशांत कुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्षों तक बिहार में न्याय के साथ विकास की नीति पर काम किया है. अब उनकी कोशिश होगी कि उन्हीं कार्यों को आगे बढ़ाया जाए. स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार विकास के एजेंडे पर काम कर रही है और वह भी उसी दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्य में सभी दलों के सदस्यों का सहयोग मिलेगा.

बिहार : मॉडल विद्यालयों को भगवा रंग से रंगने के सरकार के फैसले पर उठ सियासी विवाद

पटना: बिहार में 500 से अधिक मॉडल विद्यालयों को भगवा रंग से रंगने के राज्य सरकार के हालिया निर्देश को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों ने इस फैसले का बचाव किया वहीं असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन सहित विपक्षी दलों ने इसे भगवाकरण की कोशिश करार दिया. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को ऐसे 551 मॉडल विद्यालयों का उद्घाटन किया था. शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सरस्वती विद्या निकेतन नाम वाले इन विद्यालयों को गुलाबी, आसमानी या पीले जैसे पारंपरिक रंगों के बजाय भगवा रंग से रंगा जाए.

एआईएमआईएम की बिहार इकाई के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की. उन्होंने विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन के बाहर पत्रकारों से कहा, यह सरकार केवल विद्यालयों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का भगवाकरण कर रही है.

मनेर में पासपोर्ट कार्यालय और डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी फर्जी निकली

पटना: बिहार के पटना जिले में मनेर स्थित पासपोर्ट कार्यालय और डाकघर भवन को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) संकेत कुमार ने बताया, पटना के मनेर स्थित पासपोर्ट कार्यालय को सोमवार दोपहर करीब एक बजे ईमेल के माध्यम से परिसर में बम रखे होने की धमकी मिली. अधिकारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी. ईमेल में कार्यालय परिसर में बम लगाए जाने का दावा किया गया था, जिसके बाद तत्काल सुरक्षा उपाय किए गए. उन्होंने बताया कि पूरे भवन को खाली करा लिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली गई लेकिन अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली.

बिहार विधानसभा के पटल पर रखे गए 10 संशोधन विधेयक

पटना: बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि, कराधान, शहरी विकास और कारोबार सुगमता से जुड़े 10 महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को सदन के पटल पर रखा. इन विधेयकों में विभिन्न कानूनों में संशोधन के साथ कुछ नए प्रावधान भी प्रस्तावित किए गए हैं. सदन में पेश किए गए विधेयकों में बिहार निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक, 2026 शामिल हैं. इनके अलावा बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026, निबंधन अधिनियम, 1908 (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026, भारतीय स्टाम्प (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक, 2026, बिहार माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नगर विकास विधेयक, 2026 तथा 'बिहार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' विधेयक, 2026 भी सदन के पटल पर

रखे गये. सदन में इन विधेयकों पर चर्चा के बाद आगे की विधायी प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

सरकार का कहना है कि प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि प्रशासन, राजस्व व्यवस्था, शहरी विकास तथा निवेश-अनुकूल वातावरण को मजबूत बनाना है. बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026 में भूमि के दाखिल-खारिज से संबंधित प्रत्येक याचिका, अपील के ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन पर 200 रुपये शुल्क लगाने का प्रावधान किया गया है. विधेयक के अनुसार, वर्तमान में बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम के तहत दाखिल-खारिज से संबंधित याचिका, अपील अथवा पुनरीक्षण आवेदन पर न्यायालय शुल्क स्टाम्प लगाने का प्रावधान है, लेकिन अलग से कोई निर्धारित शुल्क नहीं है. सरकार का कहना है कि लोक कल्याणकारी राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राजस्व बढ़ाना आवश्यक है. विधेयक के कानून बनने के बाद भूमि अथवा भू-खंड के दाखिल-खारिज से संबंधित प्रत्येक याचिका, अपील के ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन पर 200 रुपये शुल्क लिया जाएगा. राज्य सरकार विशेष अथवा सामान्य आदेश के माध्यम से समय-समय पर इस शुल्क में संशोधन भी कर सकेगी. सरकार ने बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश किया, जिसके माध्यम से बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) अधिनियम, 2010 को निरस्त करने का प्रस्ताव किया गया है. सरकार ने निबंधन अधिनियम, 1908 (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026 भी पेश किया, जिसके तहत भूमि के उपयोग, प्रकृति अथवा श्रेणी में परिवर्तन से संबंधित 'रूपांतरण (सम्परिवर्तन) दस्तावेज' को निबंधन अधिनियम की धारा 17 के तहत अनिवार्य रूप से पंजीकरण योग्य दस्तावेजों में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है. सरकार ने इसके अलावा भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश किया.

मुजफ्फरपुर में नवविवाहित दंपति की संदिग्ध मौत, अलग-अलग कमरों में मिली पति-पत्नी की लाश

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नरियार गांव में रविवार रात एक नवविवाहित दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. पति-पत्नी के शव घर के अलग-अलग कमरों में फंदे से लटके मिले, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृतकों की पहचान सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के हरसेर गांव निवासी विजय कुमार (21 वर्ष) और उनकी पत्नी अंजलि कुमारी (18 वर्ष) के रूप में हुई है. दोनों की शादी 13 मार्च 2026 को हुई थी. अंजलि पिछले 15 दिनों से तबीयत खराब होने के कारण मायके नरियार गांव में रह रही थी.

घटना के समय अंजलि के माता-पिता डॉक्टर के पास गए हुए थे. घर में केवल नवविवाहित दंपति

ही मौजूद थे. लौटने पर परिजनों ने दोनों को अलग-अलग कमरों में फंदे से लटका देखा. जल्द ही विदाई की तैयारी चल रही थी, लेकिन इस घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया.

विजय कुमार के भाई ने आरोप लगाया कि पहले अंजलि ने आत्महत्या की और उसके बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने विजय की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया. वहीं अंजलि की मां ने दावा किया कि शादी के बाद से बेटी के साथ ससुराल में मारपीट होती थी. उन्होंने बताया कि बेटी की शादी के लिए दो कट्ठा जमीन बेची गई थी, फिर भी प्रताड़ना जारी रही. सूचना मिलते ही मोतीपुर थाना पुलिस, एफएसएल टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे. एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए. दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है. एसडीपीओ पश्चिमी-1 सुचित्रा कुमारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है. हत्या, आत्महत्या या अन्य किसी भी संभावना को ध्यान में रखकर वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है.

प्रशिक्षु नर्सों से पिटाई के मामले में पिता-पुत्र समेत 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

शाहजहांपुर : शाहजहांपुर जिले के राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु नर्सों के साथ मरीज के परिजनों और उनके बुलाए लोगों द्वारा कथित मारपीट के मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र समेत 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है. पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को एक प्रशिक्षु नर्स और डायलिसिस करा रही महिला के परिजनों के बीच विवाद हो गया था. पहले पीड़ित पक्ष की शिकायत मिली, जिसके बाद दूसरे पक्ष ने भी शिकायत दर्ज कराई. मामले की जांच के बाद पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर रविवार देर रात प्राथमिकी दर्ज की गई. दीक्षित ने प्राथमिकी के हवाले से बताया कि एक महिला की डायलिसिस की जा रही थी. इसी दौरान परिजनों को लगा कि प्रशिक्षु नर्स उसका वीडियो बना रही है. आरोप हे कि मरीज के परिजनों ने प्रशिक्षु नर्स को बाल पकड़कर पीटा और उसके साथ अन्य नर्स को भी पीटा. उन्होंने बताया कि इसके बाद मरीज के परिजनों ने कुछ अन्य लोगों को बुला लिया. आरोप है कि मौके पर पहुंचे लोगों ने डायलिसिस यूनिट में तोड़फोड़ की, नर्सों से मारपीट की और एक नर्स को जबरन कार में बैठाकर ले जाने का भी प्रयास किया. मेडिकल कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है.

न्यूज कॉर्नर

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 28 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 28 करोड़ रुपये हो गया. मुख्य रूप से प्रीमियम संग्रह में वृद्धि के कारण लाभ बढ़ा है.कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था.केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय बढ़कर 2,048 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 1,653 करोड़ रुपये थी.समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति 14 प्रतिशत बढ़कर 49,683 करोड़ रुपये से अधिक हो गई.

नौ बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि जून में 5.0 प्रतिशत पर, पांच माह का उच्चस्तर

नयी दिल्ली: देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन जून में बढ़कर पांच महीने के उच्चतम स्तर पांच प्रतिशत पर पहुंच गया. सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही. जून, 2025 में बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि 1.1 प्रतिशत और मई, 2026 में 3.2 प्रतिशत रही थी.आंकड़े 2011-12 के स्थान पर 2022-23 को आधार वर्ष मानकर जारी किए गए हैं. सरकार ने सूचकांक में लौह अयस्क को शामिल किया है जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है.सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जून में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई.वहीं, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में 9.8-9.8 प्रतिशत तथा नई श्रृंखला के तहत सूचकांक में शामिल किए गए लौह अयस्क के उत्पादन में 43.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई.चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में इन प्रमुख क्षेत्रों का उत्पादन 3.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह वृद्धि एक प्रतिशत रही थी.

इलेवन समूह हरियाणा में स्वच्छ बिजली पहुंचाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

नयी दिल्ली: स्वास्थ्य, बिजली समेत विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़े समूह 'इलेवन' ने सोमवार को कहा कि वह हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बिजली वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है.कंपनी के बयान के अनुसार, पहले चरण के लिए वित्त पोषण व्यवस्था की जा चुकी है. इसमें इक्विटी और कर्ज का मिश्रण होगा.बयान के मुताबिक, मेदान्ता के सह-संस्थापक सुनील सचदेवा की अध्यक्षता वाला विविध क्षेत्रों में काम करने वाला समूह 'इलेवन', गुरुग्राम और नूंह जिलों में नया, नवीकरणीय ऊर्जा आधारित बिजली वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा. यह हरियाणा के बिजली क्षेत्र में अब तक प्रस्तावित सबसे बड़े निजी निवेश में से एक है.इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड ने इन दो जिलों के लिए समानान्तर वितरण लाइसेंस के लिए हरियाणा बिजली नियामक के पास आवेदन किया है. यह परियोजना नियामक से लाइसेंस मिलने पर निर्भर है.हरियाणा के पिछड़े जिलों में एक नूंह से इसकी शुरुआत से पहले चरण में शामिल किया गया है.समानान्तर लाइसेंस प्रस्ताव के तहत, मौजूदा बिजली कंपनी के पास अपना नेटवर्क और ग्राहक बने रहते हैं और केवल वही ग्राहक नए आपूर्तिकर्ता के पास जाते हैं जो उसे चुनते हैं.'इलेवन' के चेयरमैन सुनील सचदेवा ने कहा, ''अब हम भविष्य के लिए तैयार, वैश्विक स्तर की बिजली वितरण व्यवस्था बनाना चाहते हैं जो लंबे समय तक नूंह और गुरुग्राम के लोगों की सेवा दे सके.''इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड समूह का बिजली वितरण उद्यम है, जिसकी योजना गुरुग्राम और नूंह जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा आधारित वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की है.

रुपया 14 पैसे टूटकर 96.44 प्रति डॉलर पर

मुंबई, 20 जुलाई (भाषा) वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की धारणा और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच रुपया सोमवार को 14 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ.विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका और ईरान संघर्ष बढ़ने और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि से रुपये पर दबाव रहा.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 96.53 पर खुला. कारोबार के दौरान यह 96.35 से 96.53 प्रति डॉलर के दायरे में रहा. अंत में यह 96.44 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट है.रुपया शुक्रवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ 96.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था.मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''सप्ताहांत में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने तथा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण रुपये में नकारात्मक रुख रहने के आसार हैं.''उन्होंने कहा, ''हालांकि, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता रुपये में तेज गिरावट को रोक सकती है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का संभावित हस्तक्षेप भी निचले स्तर पर रुपये को सहारा दे सकता है.''चौधरी ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 96.10 से 96.70 के दायरे में रहने का अनुमान है.एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी से भारतीय रुपये सहित उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव पड़ा है.उन्होंने साथ ही कहा कि आरबीआई के आक्रामक और अनुमानित हस्तक्षेप ने रुपये में गिरावट को प्रभावी ढंग से सीमित किया है.घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 442.93 अंक टूटकर 77,708.52 अंक पर और एनएसई निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ 24,238.50 अंक पर बंद हुआ.इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.81 पर रहा.अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 88.11 डॉलर प्रति बैरल पर रहा.शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने 376.41 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.

एचडीएफसी, एक्सिस बैंक में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 443 अंक टूटा

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे. पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ मार्जिन संबंधी दबाव को लेकर एचडीएफसी और एक्सिस बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 443 अंक जबकि एनएसई निफ्टी 96 अंक के नुकसान में रहा.तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.93 अंक यानी 0.57 प्रतिशत टूटकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान, एक समय यह 783.16 अंक टूटकर 77,368.29 अंक पर आ गया था.पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 95.80 अंक यानी 0.39 प्रतिशत टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ.सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, एक्सिस बैंक सबसे अधिक नुकसान में रहा. बीते शनिवार को तिमाही नतीजों के बाद इसमें 5.48 प्रतिशत की गिरावट आई. वहीं एचडीएफसी बैंक में 5.12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई.जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''एचडीएफसी बैंक ने खासकर शुद्ध ब्याज मार्जिन के मोर्चे पर निराश किया है.''मारुति, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही.दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और भारती एयरटेल शामिल हैं.ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए. इसका कारण पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी शेयरों की अगुवाई में बिकवाली के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया.''उन्होंने कहा, ''एचडीएफसी बैंक में तेज गिरावट ने नुकसान को और बढ़ा दिया. उम्मीद से कमजोर शुद्ध ब्याज मार्जिन ने निवेशकों को निराश किया. इससे बैंक क्षेत्र और शेयर बाजार पर दबाव पड़ा.''वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 88.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा.एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 4.46 प्रतिशत टूट गया. जापान के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे.यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में बढ़त का रुख था. अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नुकसान में रहे थे.शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 376.41 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे.बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 964.58 अंक चढ़ा था, जबकि एनएसई निफ्टी 261.55 अंक का लाभ रहा था.

कच्चे तेल की तेजी और बैंकिंग सेक्टर में हुई बिकवाली के दबाव में डूबा शेयर बाजार, लाल निशान में बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की कमजोरी के बावजूद निवेशकों ने कमाए 1.84 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और घरेलू मोर्चे पर बैंकिंग सेक्टर के शेयरों की हुई जोरदार बिकवाली के कारण भारतीय शेयर बाजार आज कमजोरी का शिकार हो गया. आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया, जिसकी वजह से कमजोरी बढ़ती चली गई. दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारी शुरू हो जाने के कारण बाजार काफी हद तक रिकवर करने में सफल भी हुआ. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए. आज बाजार की कमजोरी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण निवेशक पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने में सफल रहे.

बीएसई का सेंसेक्स आज बिना किसी उतार-चढ़ाव के 78,151.45 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में बड़ी गिरावट आ गई. दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले तक बाजार में लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण यह सूचकांक 783.16 अंक लुढ़क कर 77,368.29 अंक के स्तर तक आ गया. इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल भी सुधरने लगी. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर दो बजे के करीब यह सूचकांक निचले स्तर से 400 अंक से अधिक की रिकवरी कर 77,783.26 अंक तक पहुंच गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 442.93 की कमजोरी के साथ 77,708.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 144.25 अंक टूट कर 24,190.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई. स्टॉक मार्केट में लगातार हो रही शेयरों की बिक्री के कारण निफ्टी 198.45 अंक फिसल कर 24,135.85 अंक के स्तर तक आ गया. इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति सुधरने लगी.

खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर दो बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक निचले स्तर से 130.25 अंक की रिकवरी कर 24,266.10 के स्तर तक पहुंच गया. हालांकि, इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल दोबारा कमजोर होती होने लगी. पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ 24,238.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के दौरान बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही. इसी तरह आईटी इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुआ. दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही. इसी तरह ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,कैपिटल गुड्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिड और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1.80 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 482.67 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 480.83 लाख करोड़ रुपये था.

इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.84 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,514 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,226 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,039 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 249 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,985 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,575 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,410 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 2.94 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.82 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.64 प्रतिशत, सिप्ला 1.61 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील 1.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, एक्सिस बैंक 5.46 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 5.12 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 2.09 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 2.03 प्रतिशत और जियो फाइनेंशियल 1.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

भारत-मोल्दोवा व्यापार एवं निवेश बढ़ाने, आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने पर सहमत: राष्ट्रपति मुर्मू

किशनॉउ (मोल्दोवा): भारत और मोल्दोवा ने सोमवार को व्यापार एवं निवेश बढ़ाने, आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत बनाने और संपर्क सुधारने पर सहमति जताई.पूर्वी यूरोपीय देश मोल्दोवा की यात्रा पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में आर्थिक सहयोग एक प्रमुख आधार बना हुआ है.उन्होंने मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया संदू के साथ व्यापक और भविष्य उन्मुख वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई. मुर्मू मोल्दोवा की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं.उन्होंने कहा, आर्थिक सहयोग हमारी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है. हमने व्यापार एवं निवेश बढ़ाने, आपूर्ति शृंखलाओं को सुदृढ़ बनाने, संपर्क बेहतर करने और कारोबारी समुदायों के बीच करीबी सहभागिता को प्रोत्साहन देने पर सहमति जताई है.राष्ट्रपति ने कहा कि इस यात्रा के दौरान आयोजित भारत-मोल्दोवा व्यापार मंच दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को नई गति देगा.दोनों देशों ने कृषि, लॉजिस्टिक और अवसंरचना, स्वास्थ्य और औषधि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम मेधा और नवोन्मेषण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की.मुर्मू ने कहा कि उनकी यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक ऐतिहासिक पड़ाव है और यह दोनों देशों के बीच बढ़ती मित्रता तथा आपसी विश्वास को दर्शाती है.

उन्होंने कहा, भारत और मोल्दोवा के बीच तीन दशक से अधिक समय से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं. भौगोलिक दूरी के बावजूद यह साझेदारी शांति, विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साझा मूल्यों पर आगे बढ़ी है.मोल्दोवा में करीब 2,000 भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनमें लगभग 1,800 मेडिकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी शामिल हैं. यह देश भारतीय छात्रों के प्रमुख विदेशी केंद्रों में से एक बनकर उभरा है.यह यात्रा मुर्मू के तीन यूरोपीय देशों के दौरे का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करना है.दोनों पक्षों ने हाल के वर्षों में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई. शिक्षा क्षेत्र में आदान-प्रदान और संस्थागत साझेदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई.भारत ने मोल्दोवा के पेशेवरों के लिए आईटीईसी प्रशिक्षण स्लॉट की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की है, जिसमें कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों के विशेष पाठ्यक्रम शामिल होंगे.दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और शांति, संवाद तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.मुर्मू ने कहा, हमने साझा वैश्विक चुनौतियों से निपटने और शांतिपूर्ण, स्थिर तथा समृद्ध विश्व के निर्माण के लिए मिलकर काम जारी रखने पर सहमति जताई है.

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. ₹

लोहिया कॉर्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली: टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है. इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है.

लोहिया कॉर्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा. निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे. क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा. इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं. इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे.इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है. इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है. वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है.कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी गिरावट आई. वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 212.16 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में घट कर 152.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2024-25 में ये 358.14 करोड़ रुपये स्तर पर था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 519.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. कंपनी का ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2024-25 में 228.60 करोड़ रुपये के स्तर पर था,

ट्राई ने हिमाचल और मध्यप्रदेश में मोबाइल नेटवर्क की जांच, जियो और एयरटेल आगे

नई दिल्ली: दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) ने मई में हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर, बिलासपुर एवं आसपास और जून में मध्यप्रदेश के भोपाल शहर, इंदौरनीमच हाई-वे और बिलासपुरअंबिकापुर हाई-वे पर मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता की जांच की. रिपोर्ट में पाया गया कि जियो और एयरटेल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि बीएसएनएल और वीआई का नेटवर्क कई स्थानों पर कमजोर रहा.केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि भोपाल शहर में कवरेज गैप एयरटेल के लिए 293, बीएसएनएल के लिए 1532, जियो के लिए 131 और वीआई के लिए 473 नमूनों में दर्ज हुआ. कॉल ड्रॉप में एयरटेल 3, बीएसएनएल 16, जियो 1 और वीआई 1 कॉल में असफल रहे. डेटा डाउनलोड स्पीड में जियो सबसे आगे रहा जिसकी औसत स्पीड 291.53 एमबीपीएस रही, एयरटेल 44.25 एमबीपीएस, वीआई 63.96 एमबीपीएस और बीएसएनएल 10.68 एमबीपीएस पर रहे.

इंदौर से नीमच हाईवे पर कवरेज गैप एयरटेल 442, बीएसएनएल 7023, जियो 822 और वीआई 557 नमूनों में दर्ज हुआ. कॉल ड्रॉप में जियो का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा, उसके एक भी कॉल ड्रॉप नहीं हुए. डेटा डाउनलोड स्पीड में जियो 216.50 एमबीपीएस, एयरटेल 86.90 एमबीपीएस, वीआई 21.44 एमबीपीएस और बीएसएनएल 9.13 एमबीपीएस रही.बिलासपुर से अंबिकापुर हाईवे पर कवरेज गैप एयरटेल 3293, बीएसएनएल 5201, जियो 2114 और वीआई 4548 नमूनों में दर्ज हुआ. कॉल ड्रॉप में एयरटेल 4, बीएसएनएल 14, जियो 2 और वीआई 6 कॉल असफल रहे. डेटा डाउनलोड स्पीड में जियो 150.95 एमबीपीएस, एयरटेल 40.32 एमबीपीएस, वीआई 17.99 एमबीपीएस और बीएसएनएल 10.76 एमबीपीएस रही.

हिमाचल प्रदेश में मई 2026 में किए गए परीक्षण में हमीरपुर और बिलासपुर मार्ग पर जियो और एयरटेल ने बेहतर प्रदर्शन किया. हमीरपुर मार्ग पर जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 243.12 एमबीपीएस और एयरटेल की 171.15 एमबीपीएस रही, जबकि बीएसएनएल 11.29 एमबीपीएस और

वीआई 13.51 एमबीपीएस पर रहे. कॉल ड्रॉप में एयरटेल और जियो के एक भी कॉल ड्रॉप नहीं हुए, जबकि बीएसएनएल में 18 और वीआई में 1 कॉल ड्रॉप दर्ज हुए.बिलासपुर मार्ग पर जियो की डाउनलोड स्पीड 172.19 एमबीपीएस, एयरटेल 87.49 एमबीपीएस, वीआई 13.62 एमबीपीएस और बीएसएनएल 6.92 एमबीपीएस रही. कॉल ड्रॉप में एयरटेल 2, बीएसएनएल 29, जियो 3 और वीआई 11 कॉल असफल रहे.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

संसद की ओर बढ़ रहे...

सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर दी और किसी भी सभा पर प्रतिबंध लगा दिया. प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए मध्य दिल्ली में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों की भारी तैनाती की गई.

कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) द्वारा आयोजित 'चलो संसद' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प में 100 से अधिक पुलिसकर्मी एवं प्रदर्शनकारी घायल हो गए. वही पुलिस सूत्रों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 5,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है. पुलिस सूत्रों ने बताया कि झड़प तब शुरू हुई जब कॉजपा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर कथित तौर पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा. उन्होंने कहा कि इस दौरान 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और उन्हें दिल्ली के विभिन्न थानों में ले जाया गया. सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पुलिस हमले के जवाब में प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाती और उन्हें संसद की ओर मार्च करने से रोकती नजर आ रही है. पुलिस सूत्रों ने कहा कि वे सभी वीडियो की प्रामाणिकता की जांच कर रहे हैं और निष्कर्षों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी. घायल पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रण में लिया.

वांगचुक अनशन...

भवन में सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिल जाती या मुझे उनसे यहीं अस्पताल में मिलने की अनुमति नहीं दी जाती. उन्होंने आगे कहा, उम्मीद है कि सरकार उससे पहले शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी. वांगचुक ने कहा कि जिस तरह से प्रदर्शनकारियों ने उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखी है, उससे वे काफी प्रभावित और भावुक हैं. उन्होंने कहा, मैं सरकार और पुलिस बल से अपील करता हूं कि वे छात्रों को आज या कल संसद के सामने अपनी शिकायतें रखने की इजाजत देकर इस मामले को सुलझाएं. मुझे यकीन है कि युवा प्रदर्शनकारी कल भी शांति बनाए रखेंगे, जैसा उन्होंने आज किया. इससे पहले दिन में, वांगचुक ने कहा था कि वह अपना अनशन तभी खत्म करेंगे जब सरकार शिक्षा व्यवस्था में कथित नाकामियों के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करे या राजनीतिक नेता उन्हें भरोसा दिलाएं कि संसद के मानसून सत्र में यह मुद्दा उठाया जाएगा. हालांकि, प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं के बाद, उन्होंने घोषणा की कि वह अपना अनशन जारी रखेंगे.

एसआईटी के पुनर्गठन...

एसआईटी के गठन की पूरी जानकारी भी दी जानी चाहिए.

केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की जाएगी. जब याचिकाकर्ताओं ने मांग की कि उन्हें भी स्टेटस रिपोर्ट की एक प्रति दी जाए, तो मेहता ने विरोध करते हुए कहा कि जांच अभी चल रही है.

दूसरी एसआईटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू

उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर दान चोरी केस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दूसरी एसआईटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू हुई है. सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने दूसरी एसआईटी गठन को लेकर मंजूरी दे दी है. इसके बाद सरकार के स्तर पर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है. माना जा रहा है कि जल्द ही एसआईटी में शामिल होने वाले अधिकारियों के नाम सामने आ सकते हैं. इससे पहले 13 जून को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सीएम योगी से दान चोरी मामले की एसआईटी जांच का अनुरोध किया गया था. मामले में लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत की अगुआई में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की गई.

सबसक्रिप्शन के लिए खुला गल्फ लॉयड्स का आईपीओ, 27 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली: विभिन्न उद्योगों के लिए थर्ड पार्टी ऑडिटिंग, इंस्पेक्शन, सर्टिफिकेशन और ट्रेनिंग की सर्विस देने वाली कंपनी गल्फ लॉयड्स (इंडिया) लिमिटेड का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद पहले दिन दोपहर 12:45 बजे तक ये आईपीओ 2.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था. खासकर, रिटेल इंवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में ये इश्यू 4.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका था.इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य बैंड तय किया गया है,

जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,19,200 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं.इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है. इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 1.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है. वहीं प्रभात फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है.गल्फ लॉयड्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था. इसी तरह 2025-26 में कंपनी को 35.97 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी.

अतिरिक्त समय में टोरेस के गोल से मेस्सी की अर्जेंटीना को हराकर स्पेन ने जीता विश्व कप

ईस्ट रदरफोर्ड : फेरान टोरेस का इस विश्व कप का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसके दम पर स्पेन ने लियोनेल मेस्सी के प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया और अर्जेंटीना को हराकर 16 साल बाद फिर विश्व फुटबॉल का सिरमौर बन गया. मेस्सी का उनके आखिरी विश्व कप में लगातार दूसरा खिताब जीतने का सपना भी टूट गया. टोरेस स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और 106वें मिनट में यह गोल दागकर स्पेन को 1-0 से जीत दिलाई. उन्होंने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बायें पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके. टोरेस ने जीत के बाद स्पेन के लोगों का जिक्र करते हुए कहा ,''यह गोल 47 मिलियन लोगों ने किया था.'' यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है. टूर्नामेंट में आठ मैचों में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन ने चैम्पियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया. वहीं पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी. उपविजेता का पदक लेने के बाद मेस्सी अपने आंसू नहीं रोक सके और दर्शक दीर्घा में बैठे अर्जेंटीना के समर्थकों की ओर देखकर कहा, ''मुझे दुख हो रहा है. लेकिन ईमानदारी से कहूं तो उन्होंने बेहतर खेला.'' निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था. स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरूष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया. स्कोर से भले ही लगे कि यह मैच कांटे का था लेकिन असलियत यह है कि पूरे मैच में स्पेन का दबदबा था. अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में मानो अर्जेंटीना की टीम जागी लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. स्पेन अब पिछले 38 मैचों से अपराजेय है जिसमें उसने 29 मैच जीते और नौ ड्रॉ खेले. यह किसी यूरोपीय टीम का अपराजेय रहने का सबसे बड़ा सिलसिला है. इससे पहले

इटली ने अक्टूबर 2018 से सितंबर 2021 के बीच 37 मैचों में हार का सामना नहीं किया था. अर्जेंटीना को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पड़ा जब दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया. उन्हें स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबारासी से खतरनाक ढंग से टकराने के कारण कार्ड मिला. स्पेन ने गोल पर 20 शॉट लगाये जबकि अर्जेंटीना ने पहला संजीदा प्रयास अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में दिखाया. स्पेन ने मैच की पहली दस कार्नर किक में से नौ हासिल की . अर्जेंटीना के लिये उसके गोलकीपर एमिलियानो मार्तिनेज ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया और विश्व कप फाइनल में रिकॉर्ड 12 शॉट बचाये. मेस्सी ने आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले कॉर्नर किक ली और गेंद रिजर्व खिलाड़ी जियुलियानो सिमोन की ओर गई जिन्होंने इसे हवा में उछाला और वह क्रॉसबार के ऊपर से निकल गई. टोरेस ने मैच के बाद कहा,''जब दूसरी टीम में मेस्सी हो तो आप नर्वस तो होंगे ही. लेकिन हमने एक टीम के रूप में अपना खेल दिखाया , जो हम हमेशा दिखाते आये हैं.'' इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुऐंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए. अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा ,'' हम दुखी है लेकिन हमने पूरी कोशिश की. स्पेन की टीम बेहतर थी.'' 39 वर्ष के मेस्सी पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यह उनका आखिरी विश्व कप था. मेस्सी के दौर में फुटबॉलप्रेमियों ने मैदान पर चमत्कार होते देखे. मेस्सी ने 2022 विश्व कप, 2008 बीजिंग ओलंपिक स्वर्ण पदक, 2021 और 2024 कोपा अमेरिका खिताब के साथ 19 साल में 16 बार अर्जेंटीना के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरसकार जीता है. अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबानी में 48 टीमों के इस सबसे बड़े विश्व कप का यह 104वां मैच था. इसे देखने के लिये टॉम क्रूज, ब्रैड पिट, जेनिफर हडसन, डेनियल क्रेग, जेनिफर कोनोली जैसे हॉलीवुड सितारे मौजूद थे जबकि काका, जिनेदीन जिदान, डेविड बैकहम, दिदियेर ड्रोग्बा, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो जैसे दिग्गज पूर्व फुटबॉलर भी दर्शक दीर्घा में थे. मेटलाइफ स्टेडियम के भीतर 80000 दर्शकों के अलावा दुनिया भर में अरबों लोगों ने इसे देखा. और केप वर्दे से पहले ही मैच में गोलरहित ड्रॉ के बाद खिताब तक पहुंची स्पेन ने निराश नहीं किया. मेस्सी के प्रशंसकों का दिल जरूर टूट गया.

एमबाप्पे को लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट', स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला 'गोल्डन बॉल'

ईस्ट रदरफोर्ड : फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे लगातार दो विश्व कप में 'गोल्डन बूट' जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार लियोनेल मेस्सी को नहीं बल्कि स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला. स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा और उसके कप्तान रौड्री ने मेस्सी को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी वंचित कर दिया. सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार टूर्नामेंट में महज एक गोल गंवाने वाले स्पेन के युनाइ सिमोन ने जीता जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारासी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया. फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन ने एक गोल से हरा दिया और लियोनेल मेस्सी एक भी गोल नहीं कर सके. मेस्सी को रिकॉर्ड तीसरी बार 'गोल्डन बॉल' मिलने की उम्मीद थी जो दो बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं. 39 वर्ष की उम्र में लगातार दूसरी बार अर्जेंटीना को फाइनल तक ले जाने के कारण उनका दावा मजबूत भी था लेकिन स्पेन को 2010 के बाद दूसरा खिताब दिलाने वाले कप्तान रौड्री को चुना गया. मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रौड्री ने टूर्नामेंट में कोई गोल नहीं किया लेकिन मिडफील्ड में पासिंग और गेंद पर नियंत्रण के कारण स्पेन की जीत के सूत्रधार रहे. वह युएफा चैम्पियंस लीग, बलोन डिओर और विश्व कप जीतने वाले 11वें पुरूष खिलाड़ी बने. एमबाप्पे ने इस विश्व कप में कुल दस गोल किये और चार में सहायक रहे. मेस्सी ने आठ गोल किये और चार में सहायक रहे. विश्व कप के पिछले 12 मैचों में पहली बार मेस्सी गोल या सहायता नहीं कर सके. फ्रांस की टीम तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से हार गई थी. मेस्सी ने अपने कैरियर में कभी भी 'गोल्डन बूट' नहीं जीता हालांकि आखिरी सप्ताह में वह दौड़ में सबसे आगे चल रहे थे. एमबाप्पे और मेस्सी दोनों के सेमीफाइनल तक आठ आठ गोल थे लेकिन सहायता के मामले में मेस्सी एक गोल से आगे थे. एमबाप्पे ने इंग्लैंड से 4-6 से मिली हार में दो गोल दागे. वह जर्मनी के गर्ड म्यूलर (1970) के बाद विश्व कप में दस गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए. उनके विश्व कप कैरियर में 22 गोल हो गए हैं जबकि मेस्सी के 21 गोल हैं. एमबाप्पे ने 2022 में कतर में हुए विश्व कप में भी 'गोल्डन बूट' जीता था जब फ्रांस को फाइनल में अर्जेंटीना ने हराया था. 'गोल्डन बॉल', 'गोल्डन ग्लव' और सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये चयन फीफा के तकनीकी अध्ययन समूह द्वारा तैयार की गई सूची में से मीडिया के सदस्यों के वोट के आधार पर किया जाता है.

अर्जेंटीना की हार के बावजूद मार्टिनेज ने बनाया फाइनल में सर्वाधिक बचाव का रिकॉर्ड

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका): अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने अपने साथियों की अधीरता के विपरीत बेहद धैर्य से काम लिया और यही वजह थी कि वह स्पेन के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में 11 बचाव करने में सफल रहे जो टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले का नया रिकॉर्ड है. लेकिन आखिर में एक मौके पर उनकी भी नहीं चल पाई और स्पेन ने इस मौके का फायदा उठाकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. स्पेन के फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में मार्टिनेज को पछाड़ते हुए विश्व कप का अपना पहला गोल किया और स्कोर 1-0 कर दिया. यह गोल आखिर में लियोनेल मेस्सी

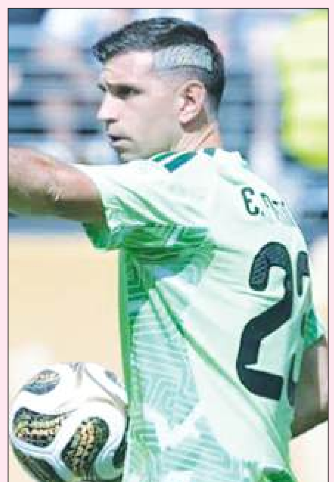

और अर्जेंटीना को हराने के लिए पर्याप्त था जिसके दम पर स्पेन ने 2010 के बाद अपना पहला खिताब जीता. लेकिन अगर 2022 विश्व कप विजेता गोलकीपर मार्टिनेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया होता तो हार का अंतर इससे ज्यादा होता. उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके रिकॉर्ड 11 बचाव किये. स्पेन लगातार हमला करता रहा, लगातार शॉट मारता रहा और आखिरकार एक गोल करके बढ़त बना ली, जिससे स्टेडियम में जोरदार जश्न का माहौल छा गया. स्पेन के प्रशंसक नाचने लगे, एक-दूसरे को गले लगाने लगे और ताजपोशी से पहले झंडा लहराने लगे.

विश्व कप के अपने आखिरी मैच में चमक नहीं बिखेर सके मेस्सी

ईस्ट रदरफोर्ड: मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे उनके समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेस्सी लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया. खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता. दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया. ब्राजील (1958 और 1962) के बाद लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी अर्जेंटीना. मेस्सी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके. आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा. एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेस्सी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी. अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेस्सी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे. बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब

जीतने के बाद मेस्सी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे. लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे. विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे. तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेस्सी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं . पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेस्सी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया. स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेस्सी को ढांढस बंधाने आये. मेस्सी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे. उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे. फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए. विश्व कप से शायद आखिरी बार.

सिंधू करेंगी चीन ओपन में भारतीय अभियान की अगुवाई, सात्विक-चिराग चोट के चलते बाहर

चांग्झू: जापान ओपन का खिताब जीतकर शानदार लय में लौटी भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी लेकिन पुरुष युगल की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी कंधे की चोट से उबर रहे सात्विक के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगी. भारतीय टीम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर पिछले सप्ताह के शानदार प्रदर्शन की लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी. सिंधू लगभग दो वर्ष बाद जापान ओपन का खिताब जीतकर बेहतरीन लय में चीन पहुंची हैं. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने जापान ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में तीन बार की विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची को हराया. उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अपने सभी मुकाबले सीधे गेमों में जीतकर खिताब अपने नाम किया. सिंधू अपने अभियान की शुरुआत हमवतन उन्नति हुड्डा के खिलाफ करेंगी. दूसरे दौर में उनका सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से हो सकता है. महिला एकल में भारत की अन्य खिलाड़ी देविका सिहाग अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी. पिछले महीने सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीतने वाले सात्विक और चिराग ने जापान ओपन से भी सात्विक की बार-बार उभर रही कंधे की चोट के कारण नाम वापस ले लिया था. अब दोनों ने विश्व चैंपियनशिप से पहले पूरी तरह फिट होने के उद्देश्य से चीन ओपन नहीं खेलने का फैसला किया है. विश्व चैंपियनशिप 17 वर्ष बाद भारत में आयोजित होने जा रही है. पुरुष एकल में भारत की चुनौती का जिम्मा पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन, विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज आयुष शेट्टी और अनुभवी एचएस प्रणय संभालेंगे. लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे. आयुष शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा, जबकि 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में मलेशिया के लिओंग जुन हाओ से खेलेंगे. मिश्रित युगल में भारत की उम्मीदें तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी पर टिकी होंगी, जिनका पहले दौर में चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से मुकाबला होगा. रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी का सामना पहले दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से होगा.

जब तक खेलूंगा, मेरे इर्द-गिर्द चर्चाओं का शोर जारी रहेगा: रोहित शर्मा

लंदन: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर जारी अटकलों के बीच भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस 'शोर (आलोचना, अफवाहें, अटकलें और लगातार होने वाली चर्चाएं)' की पूरी जानकारी है, लेकिन इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता. रोहित ने कहा कि वह जब तक क्रिकेट खेलते रहेंगे, ऐसी चर्चाएं होती रहेंगी और उनका पूरा ध्यान केवल टीम के लिए रन बनाने पर है. इस 39 साल के बल्लेबाज ने लॉर्ड्स में रविवार को 138 रन की शानदार पारी खेली. उनकी यह बेहतरीन पारी भी भारत को 27 रन की हार से नहीं बचा सकी. मैच के बाद रोहित ने अपनी भावनाओं पर संयम बनाए रखा. एकदिवसीय क्रिकेट में भारत की ओर से शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बने रोहित ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा, ''जब से मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है, तब से इस तरह की बातें सुनता आ रहा हूं. जब तक मैं खेलता रहूंगा, यह चलता रहेगा. इसलिए इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता.'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं. मेरा पूरा ध्यान उसी पर रहता है. शोर रहने दीजिए,

अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा. मेरा काम मैदान के भीतर है, बाकी लोगों का काम मैदान के बाहर. मैं इसी नजरिए से इसे देखता हूं.'' एकदिवसीय क्रिकेट में 12,000 रन पूरे करने के करीब पहुंचे इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना, मैदान पर उतरना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है. पदार्पण के समय से मुझे यही जिम्मेदारी सौंपी गई है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा.'' तीसरे वनडे में दबाव के बावजूद इस प्रारूप का उनका 34वां शतक हाल के समय की उनकी बेहतरीन पारियों में से एक था. रोहित ने कहा कि उन्हें इंग्लैंड में खेलना हमेशा पसंद रहा है. उन्होंने कहा, ''मुझे इंग्लैंड में खेलना बहुत पसंद है. यहां का माहौल, मैदान और पिचें हर प्रारूप में अलग तरह की चुनौती पेश करती हैं. एक क्रिकेटर के तौर पर आप यही चाहते हैं कि हर तरह से आपकी परीक्षा हो. मैंने बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया.'' रोहित और विराट कोहली के बीच शतकीय साझेदारी ने 388 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा कर रही भारतीय टीम की उम्मीदें जगा दी थीं. विराट ने 74 रन बनाए, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी. इसके बावजूद दोनों की आपसी समझ पहले की तरह ही मजबूत नजर आई. रोहित ने कहा, ''मैं और विराट लगभग पूरा करियर साथ खेले हैं. उनके साथ बल्लेबाजी करना हमेशा अच्छा लगता है. हमने कई बड़ी साझेदारियां की हैं. हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं और लगातार विचार साझा करते रहते हैं. उनके साथ बल्लेबाजी करना हमेशा शानदार होता है.'' रोहित ने स्वीकार किया कि बर्मिंघम में जीत के साथ शुरुआत करने के बावजूद श्रृंखला गंवाना निराशाजनक रहा. उन्होंने कहा, ''नतीजे से थोड़ी निराशा जरूर है क्योंकि मुझे लगा कि हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे. बर्मिंघम में हमने शानदार शुरुआत की थी. कार्डिफ में हम बल्लेबाजी में अपेक्षित रन नहीं बना सके.'' उन्होंने आगे कहा, ''लॉर्ड्स में लक्ष्य काफी बड़ा था. हमने पूरी कोशिश की, लेकिन आखिर में 20-25 रन कम पड़ गए.'' भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के चार गेंदबाजों के पास कुल मिलाकर केवल 51 एकदिवसीय मैचों का अनुभव था. ऐसे में रोहित ने युवा गेंदबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें समय दिया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, ''हमें यह समझना होगा कि इन खिलाड़ियों ने अभी बहुत ज्यादा एकदिवसीय क्रिकेट नहीं खेला है. उन्हें समय देना होगा. इस मैच से सीख लेकर आगे बढ़ना जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों का बेहतर तरीके से सामना किया जा सके.'' रोहित ने आखिर में कहा, ''हार से निराशा जरूर है क्योंकि हम मैच खत्म नहीं कर सके, लेकिन अब आगे बढ़ना होगा.''

आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में मनु, स्वप्निल करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

हांगझोउ (चीन): ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले के नेतृत्व में भारत का मजबूत दल बुधवार से शुरू हो रहे आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप के व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेगा. भारतीय टीम में मनु और कुसाले के अलावा ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सुरुचि, एलावेनिल वलारिवन, सिफत कौर सामरा, सोनम उत्तम मस्कर, अनीश भानवाला, राइजा ढिल्लों, गनेमत सेखों और ओलंपियन अनंत जीत सिंह नरुका जैसे प्रमुख निशानेबाज शामिल हैं. पुरुष 10 मीटर राइफल स्पर्धा पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, शाहू तुषार माने और रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल चुनौती पेश करेंगे तो वहीं महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और साक्षी सुनील पाडेकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी. पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्रांक्ष पाटिल जबकि महिलाओं में आशी चौकसे, विदार्सा के. विनोद और सिफ्ट कौर समरा मैदान में होंगी. महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि, सैन्यम और ईशा सिंह भारत की अगुवाई करेंगी. पुरुष वर्ग में केदारलिंग बी. उचगांवकर, कमलजीत और आकाश भारद्वाज हिस्सा लेंगे. महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सरनोबत को टीम में जगह मिली है. वहीं पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में अनीश भानवाला, ओंकार सिंह और भावेश शेखावत भारत की चुनौती पेश करेंगे. पुरुष ट्रैप स्पर्धा में उदावीर सिंह जाजी, भवनीश मेंदिरत्ता और विवान कपूर उतरेंगे, जबकि महिला ट्रैप में प्रगति दुबे, कीर्ति गुप्ता और राजेश्वरी कुमारी हिस्सा लेंगी. पुरुष स्कीट में गुरजोत सिंह खंगूरा, परमपाल सिंह गुरोन और अभय सिंह सेखों भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. महिला स्कीट में गणेमत सेखों, दर्शना राठौर और यशस्वी राठौर पर जिम्मेदारी होगी. भारत 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम और ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी अपनी चुनौती पेश करेगा. प्रतियोगिता का आगाज 22 जुलाई से होगा. पहले दिन 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम और पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के पदक विजेताओं का फैसला होगा. विश्व कप 28 जुलाई तक चलेगा, जहां अंतिम दिन 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम और ट्रैप मिश्रित टीम के पदक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे.

न्यूज कॉर्नर

डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा, युवक की हत्या

जोधपुरः महामंदिर थाना क्षेत्र में एक घर के सामने डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया. इस विवाद में दो पक्ष भिड़ गए. झगड़े के दौरान एक युवक की पिटाई कर दी गई. इससे युवक की मौत हो गई. घटना बीजेएस नट बस्ती में सोमवार दोपहर हुई. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को डिटेन किया है. पूछताछ की जा रही है.महामंदिर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि नट बस्ती में दो पक्षों के बीच डीजे बजाने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था. झगड़े में सिकंदर (45) पुत्र सिपाहीराम घायल हो गया था. इसके बाद परिजन सिकंदर को लेकर पावटा जिला हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. थानाधिकारी ने बताया कि सिकंदर के शरीर पर किसी भी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा. वहीं घटना के बाद सिकंदर के परिजन अस्पताल के बाहर एकत्र हो गए.सिकंदर के परिजनों ने जिन लोगों के नाम बताए हैं. इस पर एक आरोपित को डिटेन किया है. सिकंदर मजदूरी करता था. बताया गया है कि बस्ती का रहने वाला आरोपी रामू सिकंदर के घर के सामने रोज डीजे बजाता था. इसे लेकर दो-तीन बार पहले भी विवाद हुआ था. आज फिर डीजे बजाने को लेकर झगड़ा हो गया. इस झगड़े के बीच सिकंदर की जान चली गई. मामले को लेकर डीसीपी पूर्व मनीष चौधरी ने भी मौका मुआयना किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

नीट पेपर लीक के विरोध में युवाओं का प्रदर्शन

जोधपुरः नीट पेपर लीक प्रकरण, शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर युवाओं ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने नारेबाजी करते हुए शिक्षा व्यवस्था और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया.प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया. प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं. प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि नीट पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं. उन्होंने कहा कि जब तक विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिलेगा और उनकी मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा, तीन की मौत

नूंहः नूंह जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह हुए हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ की मोर्चरी में रखवाया गया है. जानकारी के अनुसार एक कार में छह लोग सवार थे और जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहे थे. जैसे ही उनकी कार नगीना थाना क्षेत्र के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चैनल नंबर 47 के पास गांव बनारसी के निकट पहुंची, वह सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े एक वाहन से जा टकराई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस को दी शिकायत में रामपाल मीणा ने बताया कि उसका छोटा भाई राम किशन मीणा एक निजी कंपनी में कार्यरत था. कंपनी की मीटिंग में शामिल होने के लिए वह अपने साथियों के साथ उत्तराखंड जा रहा था. उनके साथ अविनाश मीणा, अनीता शर्मा सहित अन्य लोग मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स कार में सवार थे. इससे कार ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और तेज रफ्तार कार भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई.हादसे में राम किशन मीणा, अविनाश मीणा और अनीता शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना मिलते ही नगीना थाना पुलिस, हाईवे पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची. सभी घायलों और मृतकों को तत्काल शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ ले जाया गया.

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक युवक की मौत

सिरसाः जिले में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. सोमवार को सिरसा के नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है. मृतक की पहचान गांव गुडियाखेड़ा निवासी संजय कुमार के रूप में हुई. संजय कुमार सिरसा शहर में एक निजी अस्पताल में अपनी पत्नी को उपचार के लिए लेकर आया था.रविवार रात को वह खाना लेकर अस्पताल जा रहा था. इसी दौरान सडक़ पार करते समय तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया और कार उसे घसीटते हुए काफी दूर तक ले गई. हादसे में संजय की मौत हो गई. पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.पुलिस ने जिला क्षेत्र से नशा तस्कर को लाखों रुपये रुपये की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है. पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने सोमवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान शहर के रानियां रोड क्षेत्र में जा रही थी. इसी दौरान सामने बाइक सवार युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुडक़र भागने लगा. पुलिस ने शक के आधार पर उसका पीछा कर उसे काबू कर लिया. तलाशी लेने पर उसके कब्जे से करीब 32 ग्राम हेरोइन बरामद हुई. पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान सिरसा निवासी सन्नी के रूप में हुई. आरोपी के खिलाफ शहर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

फैक्ट्री की छत से गिरकर चौकीदार की मौत

पानीपतः पानीपत के सेक्टर 29 स्थित फैक्ट्री में 50 वर्षीय चौकीदार की छत से गिरकर मौत हो गई. घटना की सूचना सुबह फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा मृतक के परिजनों को दी गई. परिजनों के पहुंचने से पहले ही शव को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था. फैक्ट्री मालिक का दावा है कि चौकीदार शराब के नशे में था, जिसके कारण यह हादसा हुआ.पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 50 वर्षीय सुशील के रूप में हुई है. सुशील पिछले छह महीने से पानीपत के सेक्टर-29 स्थित फैक्ट्री में रात की चौकीदार करता था. परिजनों ने बताया कि सोमवार की सुबह अचानक उनके पास फैक्ट्री से एक फोन आया. फोन करने वाले ने बताया कि सुशील की रात के समय फैक्ट्री की छत से गिरने के कारण मौत हो गई है. हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग बदहवास हालत में तुरंत सेक्टर-29 फैक्ट्री पहुंचे लेकिन फैक्ट्री मालिक द्वारा शव को पहले ही सिविल अस्पताल भिजवाया जा चुका है. इसके बाद परिजन तुरंत अस्पताल के शवगृह पहुंचे और शव की शिनाख्त की.अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजनों ने मीडिया और पुलिस को बताया कि जब उन्होंने इस हादसे को लेकर फैक्ट्री मालिक से बात की तो फैक्ट्री मालिक ने बताया कि सुशील रविवार रात को शराब पीकर ड्यूटी पर आया था.

गंभीर रक्तस्त्राव से जूझ रही प्रसूता की एमजीएच में मौत, 30 यूनिट ब्लड भी नहीं बचा सका जान

जोधपुरः कोटा, बीकानेर, बांसवाड़ा के बाद अब जोधपुर में भी एक प्रसूता की मौत हो गई. प्रसव के बाद गंभीर रक्तस्त्राव से जूझ रही एक प्रसूता ने रविवार देर रात महात्मा गांधी अस्पताल (एमजीएच) में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. महिला की 24 जून को तिंवरी हॉस्पिटल में नॉर्मल डिलीवरी हुई थी. डिलीवरी के बाद खून नहीं रुका तो उसे उम्मेद हॉस्पिटल रेफर किया गया था. वहां से उसे महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया था, जहां वह वेंटिलेटर पर थी और लगातार डायलिसिस चल रहा था. वहीं जबकि सात गंभीर प्रसूताएं अभी मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में भर्ती हैं. इसमें पांच प्रसूताओं का उम्मेद और दो का महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार चल रहा है.एमजीएच के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह ने बताया कि तिंवरी क्षेत्र निवासी प्रसूता समू गत 24 जून को उम्मेद अस्पताल में भर्ती हुई थी. उसकी तिंवरी में नॉर्मल डिलीवरी हुई थी. उसने बच्ची को जन्म दिया था. डिलीवरी के बाद उसका खून रुकना बंद नहीं हुआ. इस पर उसे जोधपुर रेफर किया गया. महिला को उम्मेद हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, तब तक उसका काफी खून बह चुका था. उसकी बच्चेदानी से लगातार खून बह रहा था. इस कारण बच्चेदानी को निकाला गया था. उसे ब्लड, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स चढ़ाए गए. खून की कमी के चलते उसकी किडनी डैमेज हो गई. तबीयत में सुधार नहीं होने पर उसे 27 जून को महात्मा गांधी हॉस्पिटल रेफर किया गया था. एमजीएच के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह के अनुसार, अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण महिला को हाइपोवॉलेमिक शॉक लगा था. इस गंभीर स्थिति में शरीर के महत्वपूर्ण अंगों तक पर्याप्त रक्त की आपूर्ति नहीं हो पाती.

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, विकास परियोजनाएं तय समयसीमा में पूरी करें

जयपुरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा कर जनता को समय पर लाभ पहुंचाना राज्य सरकार और प्रत्येक कार्मिक की प्राथमिक जिम्मेदारी है. उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए.मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित 'राज उन्नति' की सातवीं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे. बैठक में सात विभागों की लगभग 15 हजार 890 करोड़ रुपये लागत की परियोजनाओं के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पंच गौरव योजना तथा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई. साथ ही पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन का भी आकलन किया गया.

उन्होंने जयपुर उत्तरी रिंग रोड परियोजना की समीक्षा करते हुए वन विभाग और रेलवे से समन्वय स्थापित कर लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान करने तथा निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए. लगभग 11 हजार 700 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना जयपुर में यातायात का दबाव कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.मुख्यमंत्री ने पंच गौरव योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव को इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने तथा योजना का प्रभावी विस्तार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले के स्थानीय उत्पाद, पर्यटन, खेल, वनस्पति एवं अन्य विशिष्टताओं के समग्र विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी. जिन जिलों में योजना की प्रगति धीमी है, उन्हें लक्ष्य प्राप्ति में

तेजी लाने के निर्देश दिए गए.उन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) को राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) के रूप में विकसित करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि दिसंबर तक सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं का लोकार्पण सुनिश्चित किया जाए. प्रथम चरण में लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से आठ सुपर स्पेशियलिटी विभाग विकसित किए जाएंगे.

बैठक में राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए निवेश समझौतों की भी समीक्षा की गई. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन निवेशकों ने एमओयू के अनुरूप कार्य प्रारंभ कर दिया है, उनका सम्मान किया जाए तथा अन्य निवेशकों को भी शीघ्र परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रेरित किया जाए.महिला सशक्तीकरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिए प्रत्येक जिले के हाट बाजारों, राजस्थान हाउस, बीकानेर हाउस, जवाहर कला केन्द्र सहित प्रमुख स्थलों पर विपणन व्यवस्था विकसित करने तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का अधिक उपयोग करने के निर्देश दिए.

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से मिलना चाहिए.बैठक में मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई और सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की भी समीक्षा की. प्रतापगढ़ जिले में राजीविका से जुड़ी महिलाओं की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए. विभाग द्वारा संबंधित ब्लॉक परियोजना प्रबंधक की अनुबंध आधारित सेवाएं समाप्त किए जाने की जानकारी भी दी गई. बूंदी जिले में प्रसूति सहायता योजना के लाभ में देरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए.उन्होंने जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग बालिका गृह सहित प्रदेश के सभी दिव्यांग गृहों में सुविधाओं की समीक्षा कर सुरक्षा, बायोमैट्रिक उपस्थिति और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. साथ ही मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की जीपीएस एवं फोटो आधारित निगरानी, दवाओं की उपलब्धता और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा.

झज्जर में कुएं की जहरीली गैस से चार की मौत, ग्रामीणों ने रेस्क्यू में देरी का लगाया आरोप

चंडीगढ़ः हरियाणा के झज्जर जिले के मुनीमपुर गांव में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में कुएं में उतरे चार लोगों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई. मृतकों में तीन एक ही परिवार के सदस्य हैं. घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने प्रशासन पर बचाव अभियान में लापरवाही और देरी का आरोप लगाया है.प्रत्यक्षदर्शी सुनील ने बताया कि रविवार रात गांव के एक पुराने और अनुपयोगी कुएं से बछड़े के रंभाने की आवाज सुनाई दी. उसे बचाने के प्रयास में दलबीर (41), नरेंद्र (37), मोनू और प्रवासी मजदूर रामे (34) एक-एक कर कुएं में उतरे. कुएं में जहरीली गैस होने के कारण चारों बेहोश हो गए और बाहर नहीं निकल सके. उसने बताया कि मौके पर तभी भीड़ जमा

हो गई. हमने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन पहले कुछ समझ नहीं आया. इसके बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई.सुनील का दावा है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने तक चारों जिंदा थे, लेकिन समय पर रेस्क्यू शुरू नहीं किया गया और अधिकारियों ने कार्रवाई करने में देरी की.ग्रामीणों का कहना है कि रात 8 बजे पुलिस, फायर ब्रिगेड व एम्बुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन देर रात तक कोई बड़ा अधिकारी या बचाव दल मौके पर नहीं पहुंचा. एक निजी कंपनी ने अपनी फायर ब्रिगेड भेजी और ग्रामीणों ने निजी गोताखोर बुलाए. प्रशासन से मदद नहीं मिलने पर उन्होंने खुद राहत कार्य शुरू किया. पहले सेप्टिक टैंक की मदद से कुएं का पानी कम किया गया. इसके बाद जेसीबी से कुएं की दीवार का हिस्सा तोड़ा गया, ताकि अंदर भरी जहरीली गैस बाहर निकल सके. देर रात 11:30 बजे बाद में फायर ब्रिगेड के मास्क पहनकर ग्रामीण ही कुएं में उतरे. सोमवार अल सुबह करीब तीन बजे चारों लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया.ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर पहुंची एंबुलेंस में ऑक्सीजन की सुविधा नहीं थी. उनका कहना है कि चारों फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के समय वो जीवित थे और समय पर ऑक्सीजन मिलती तो उनकी जान बच सकती थी.घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह पहले मुनीमपुर गांव और फिर नागरिक अस्पताल पहुंचीं. अस्पताल में ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए. पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची गई थी. लोगों ने कुछ आरोप लगाए हैं, उनकी जांच कराई जाएगी. अगर कोई दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

हाइड्रोजन ट्रेन की सुविधाएं आ रही यात्रियों को रास

जींदः देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के अंदर डिब्बों में मिलने वाली सुविधाएं यात्रियों को बहुत रास आ रही हैं. हाइड्रोजन ट्रेन जींद से सोनीपत के लिए चलती है और लगभग दो घंटे के सफर में यात्री ट्रेन में ही मोबाइल व लैपटॉप चार्जिंग पर लगाकर बैठे हुए थे. ट्रेन में मैट्रो जैसी सुविधाएं देख कर यात्री भी हैरान हैं. हाइड्रोजन ट्रेन की खिड़कियां भी मैट्रो ट्रेन की तरह ही खुलती हैं. हालांकि यात्रियों की संख्या कम है और पिछले दो दिनों में हाइड्रोजन ट्रेन में 40 यात्रियों ने ही सफर किया है.जींद से रविवार व सोमवार को 20-20 यात्री हाइड्रोजन ट्रेन में सोनीपत के लिए रवाना हुए. आने वाले दिनों में हाइड्रोजन ट्रेन में यात्रियों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है. सोमवार को यार्ड से निकलर ट्रेन प्लेटफार्म नंबर एक पर हाइड्रोजन ट्रेन पहुंची. इसके बाद सात बजकर 40 मिनट पर ट्रेन सोनीपत के लिए रवाना हुई. ट्रेन के अंदर डिस्पले स्क्रीन लगी हुई है. इस पर अगले स्टेशन और उस पर पहुंचने का समय भी दर्शाया जाता है. इसके अलावा साउंड सिस्ट में भी यात्रियों को अगले स्टेशन व ट्रेन की खुबियों के बारे में बताया जा रहा है.इसके अलावा सीट पर चार्जिंग प्वायंट भी लगे हुए हैं, जहां यात्री री शेड्यूल के अनुसार शुक्रवार को छोड़कर यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी. ट्रेन नंबर 74010 सुबह सात बजकर 40 मिनट पर जींद जंक्शन से रवाना होगी. जो नौ बजकर 40 मिनट पर सोनीपत पहुंचेगी. ट्रेन नंबर 74009 सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर सोनीपत से जींद के लिए रवाना होगी, जो दोपहर एक बजे जींद पहुंचेगी. हाइड्रोजन ट्रेन में वही किराया रहेगा जो पैसेंजर ट्रेन में रहेगा. जींद से सोनीपत रूट तक का किराया 25 रुपये रहेगा.

पेयजल संकट पर भड़का ग्रामीणों का गुस्सा, किया प्रदर्शन

हिसारः लंबे समय से पीने के पानी के घोर संकट से जूझ रहे जिले के गांव पाबड़ा के ग्रामीणों के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया. इसके चलते सोमवार को कनौह मोड़ के सैकड़ों ग्रामीणों ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कार्यालय के समक्ष एकत्रित होकर जोरदार प्रदर्शन किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर अपना रोष व्यक्त किया.

प्रेम प्रधान और जिला प्रधान सरजीत के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के दौरान गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे कनिष्ठ अभियंता अनिल को विभाग के उप-मंडल अभियंता के नाम एक ज्ञापन सौंपा और दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि अगले तीन दिनों के भीतर गांव में पेयजल किल्लत का स्थाई समाधान नहीं किया गया, तो ग्रामीण प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ते हुए कड़ा रुख अख्तियार करने को मजबूर होंगे. ग्रामीणों के भारी आक्रोश और दफ्तर के घेराव को देखते हुए जेई अनिल ने प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचकर उन्हें शांत कराया और जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से आधिकारिक आश्वासन दिया कि आगामी तीन दिन के अंदर-अंदर गांव पाबड़ा में पीने के पानी की समस्या का हर हाल में समाधान कर दिया जाएगा.

इस दौरान प्रदर्शन में मुख्य रूप से शामिल प्रधानप्रेम, जिला प्रधान सरजीत, जगदीश, सतबीर, पप्पू

राम, करण सिंह, जुगल किशोर, प्रवीण, विक्की, भारती, सुमन, रेखा, बिल्लो, सीमा व कुसुम आदि ने बताया कि गांव के कनौह मोड़पर पिछले काफी लंबे अरसे से ग्रामीण पेयजल के गंभीर संकट से दो-चार हो रहे हैं और मूलभूतआवश्यकता के लिए उन्हें बूंद-बूंद पानी को तरसना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने आरोप लगायाकि इस विकराल समस्या को लेकर वे संबंधित विभाग के आला अधिकारियों और कर्मचारियों केसमक्ष दर्जनों बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक उपेक्षा के चलते आज तक इस समस्याका कोई समाधान नहीं किया गया, जिसके कारण ग्रामीणों में सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी बनी हुई है.

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर पेयजलसंकट का यथाशीघ्र निपटारा किया जाए ताकि भीषण गर्मी में लोगों को हो रही इस मानसिकव शारीरिक परेशानी से स्थाई निजात मिल सके.

सोनम वांगचुक के समर्थन में जयपुर में सड़क पर उतरे लोग

जयपुरः सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में सोमवार को राजधानी जयपुर में विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए. गांधी सर्किल पर प्रस्तावित शांतिपूर्ण धरने को पुलिस-प्रशासन ने अनुमति नहीं दी और लगाए गए टेंट हटवा दिए. इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क किनारे और बस स्टॉप के पास खड़े होकर हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की तथा सोनम वांगचुक के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की.जानकारी के अनुसार समग्र सेवा संस्थान,गांधी विचार मंच सहित कई सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक गांधी सर्किल पर शांतिपूर्ण धरना प्रस्तावित था.

के लिए टेंट भी लगाए गए थे. लेकिन पुलिस-प्रशासन ने अनुमति नहीं देते हुए टेंट हटवा दिए. इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क किनारे खड़े होकर विरोध दर्ज कराया.प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर आंदोलनकारियों से संवाद से बचने और सोनम वांगचुक के शांतिपूर्ण आंदोलन को कमजोर करने का आरोप लगाया. उनका कहना था कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात रखने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को है तथा सरकार को आंदोलनकारियों के साथ सार्थक संवाद शुरू करना चाहिए.

समग्र सेवा संस्थान के सवाई सिंह ने कहा कि सोनम वांगचुक का आंदोलन केवल लद्दाख तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का भी आंदोलन है. उन्होंने कहा कि सरकार को असहमति को दबाने के बजाय संवाद के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए. शांतिपूर्ण आंदोलन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और सरकार को इसका सम्मान करना चाहिए. उन्होंने केंद्र सरकार से सोनम वांगचुक के साथ शीघ्र सार्थक वार्ता शुरू करने, लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करने, शांतिपूर्ण आंदोलनों पर अनावश्यक प्रशासनिक प्रतिबंध नहीं लगाने तथा लद्दाख से जुड़े जनहित के मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय

लेने की मांग की.

गांधी विचार मंच के संजय बाफना ने कहा कि महात्मा गांधी के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अपनी बात रखने वालों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है. उनका कहना था कि यदि सरकार शांतिपूर्ण अनशन और जन आंदोलन पर भी संवाद नहीं करेगी तो लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लोगों का विश्वास कमजोर होगा. उन्होंने सरकार से तत्काल वार्ता शुरू करने और वांगचुक की मांगों पर सकारात्मक पहल करने की अपील की.

युवा प्रतिनिधि प्रशंसा मीणा ने कहा कि देश का युवा लोकतांत्रिक अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों के प्रति जागरूक है. सोनम वांगचुक लगातार पर्यावरण, स्थानीय अधिकारों और जनहित से जुड़े विषयों को उठा रहे हैं. सरकार को उनकी बात गंभीरता से सुननी चाहिए और शांतिपूर्ण विरोध को रोकने के बजाय उसकी भावना को समझना चाहिए.प्रदर्शन के दौरान सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और संवाद की संस्कृति को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया.

सुडोकू-09

1			6		5		9	7
		5			1	3	2	8
8			3	2	9		5	
			5	9			7	4
4	8			1	7			
	7		4	5	8			2
5	6	8	9			7		
9	2		1		6			3

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू 08 का उत्तर

3	5	6	1	9	4	2	8	7
7	9	2	8	3	5	1	6	4
4	1	8	2	6	7	3	9	5
1	6	3	4	7	9	8	5	2
2	4	5	3	8	1	9	7	6
9	8	7	6	5	2	4	1	3
5	3	1	9	4	6	7	2	8
6	2	4	7	1	8	5	3	9
8	7	9	5	2	3	6	4	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 33

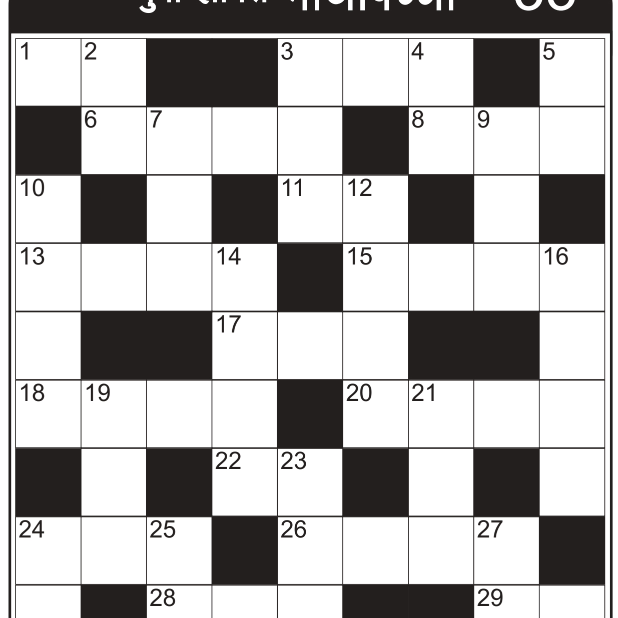

● **बाएं से दाएं**

1. एक पक्षी, खिल, लाई, ज्वालामुखी फटने पर निकलनेवाला गरम जल, 3. वात प्रकोप से या किसी रोग से शरीर का अंग फूलना, 6. समर्थन करनेवाला, 8. किंसुक वृक्ष, टेसू, 11. दिनकर, 13. बार-बार लगातार, 15. ज्ञान, पहचान, 17. थाली जैसा लेकिन छोटा हल्का बर्तन, 18. बातें करना, बातचीत, 20. किस्मत, भाग्य, 22. खाक, भस्म, 24. प्राण निकलना, जलना, ईर्ष्या करना, 26. भिड़त, टक्कर, आमना- सामना, 28. मिट्टी का बड़ा घड़ा, 29. मर्द, पुरुष.

● **उपर से नीचे**

2. रहना, निवास, घर, मकान, सुगंध, 3. सूअर, सफेद धान, 4. परिमाण, माप, 5. ख्याति, कीर्ति, 7. टूटी, खराब, ईंटों- पत्थरों का ढेर, 9. लोभ, अनुचित इच्छा, 10. छलकता हुआ, उपर तक भरा हुआ, 12. प्रतिकूल, विरुद्ध, उल्टा, 14. लाल सुर्खी लिये हुए, 16. भैंसा, 19. अंधकार, 21. भैंस का बच्चा, छोटा चौकोर बच्चा, 23. भय, चिन्ता, किवांड़ का सिटकनी, खटखट, 24. आनंद, हंसी- दिल्लगी, 25. वस्तु, व्यक्ति को दर्शानेवाली संज्ञा, 27. जंगल.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 32 का हल

त	नि	क		र	स	गं	ध	
ना	क		ब	सा		गा		र
	ट		द		ग	ज	रा	ज
अं	त	र	त	म		ल		नी
त	म		र	ह	ना		स	च
विं		नि		ल	च	क	दा	र
का	र	खा	ना		घ		च	
र		र		न	र		र	त
	ब	ना	व	ट		ग	ण	क

यूको बैंक ने पश्चिम बंगाल सरकार के वन विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: राष्ट्रीय पहल एक पेड़ माँ के नाम के साथ संबद्ध सहयोगी (संरेखित) और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, यूको बैंक ने आज कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अरण्य सप्ताह 2026 के समापन समारोह के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार के वन विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है. उक्त अवसर पर यूको बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ (आई/सी-प्रभारी) श्री राजेन्द्र कुमार साबू और पश्चिम बंगाल सरकार के वन विभाग के माननीय राज्य मंत्री श्री दिबाकर घरामी और पश्चिम बंगाल सरकार के वन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनीष जैन (आईएएस) की गरिमामयी

उपस्थिति में यूको बैंक के महाप्रबंधक श्री अमित श्रीवास्तव औरपश्चिम बंगाल सरकार के वन विभाग के अपर (अतिरिक्त) प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वित्त) एवं राज्य नोडल अधिकारी श्री राजू दास (आईएफ़एस) द्वारा समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया. उक्तहस्ताक्षर समारोह में वन विभाग और यूको बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे. समझौता ज्ञापन के तहत, यूको बैंक ने एकटी गाछ, मायेर नामे अभियान के तहत पश्चिम बंगाल में 11,000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है. इस पहल का उद्देश्य वृक्षारोपण (वनीकरण), पर्यावरण संरक्षण और हरित एवं अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण में सार्वजनिक (जन) भागीदारी को बढ़ावा देना है. यह सहभागिता पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति यूको बैंक की अटूट प्रतिबद्धता और पश्चिम बंगाल राज्य में पारिस्थितिक संरक्षण और आर्थिक विकास में सार्थक योगदान देने के लिए निरंतर प्रयासों (कोशिशों) को दर्शाता है.

डीपीएस रूबी पार्क में अत्याधुनिक खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का शुभारंभ, पूर्व इसरो अध्यक्ष ए. एस. किरण कुमार ने किया उद्घाटन

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता: दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) रूबी पार्क, कोलकाता में सोमवार को अत्याधुनिक खगोल विज्ञान प्रयोगशाला (एस्ट्रोनॉमी लैब) का भव्य शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक ए. एस. किरण कुमार रहे. दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा विद्यालय के गायक दल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया. इसके बाद मुख्य अतिथि ने औपचारिक रूप से रॉकेट प्रक्षेपण कर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया. विद्यालय की प्राचार्या जयति चौधरी ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, तार्किक चिंतन और नवाचार की भावना को विकसित करना है. विद्यालय की ओर से ए. एस. किरण कुमार को अंतरिक्ष विज्ञान में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति-चिह्न एवं सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया गया. समारोह में ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महानिदेशक तथा प्राणजीवनी वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रण शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. ओमदयाल एजुकेशन एंड रिसर्च सोसाइटी के सचिव सागर अग्रवाल ने कहा कि यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को आधुनिक दूरबीनों, प्रत्यक्ष आकाशीय अवलोकन और अनुसंधान आधारित परियोजनाओं के माध्यम से विज्ञान को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर प्रदान करेगी. अपने संबोधन में ए. एस. किरण कुमार ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, जिज्ञासु बने रहने और विज्ञान को मानवता के कल्याण का माध्यम बनाने का आह्वान किया. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष विषय पर आधारित आकर्षक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत किया तथा एक इंटरैक्टिव पॉडकास्ट के माध्यम से किरण कुमार से अंतरिक्ष अभियानों और उनके जीवन के अनुभवों पर संवाद भी किया. विद्यालय प्रबंधन के अनुसार 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना के अनुरूप स्थापित यह खगोल विज्ञान प्रयोगशाला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तकनीकी दक्षता और अनुसंधान की भावना को नई दिशा प्रदान करेगी. धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल ने अपने 185 छात्रों को विशेष पुरस्कारों से किया सम्मानित

युवा शक्ति न्यूज

हावड़ा: लिलुआ के अग्रसेन स्ट्रीट स्थित शहर के स्वनामधन्य शिक्षण संस्थान अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल ने शनिवार को अपने विद्यालय सभागार में सत्र 2025-26 के आई.सी.एस.सी एवं आई.एस.सी. की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक और विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 185 विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए विशेष पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया. इस विशेष अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि द सेंट ऑगस्टीन एजुकेशन सोसाइटी के सी. ई. ओ. और सचिव अमिताव चौधरी, विशेष अतिथि ए.एस.आई.एस.सी. पश्चिम बंगाल एवं उत्तर-पूर्वी राज्यों की कार्यकारी समिति की सदस्या तथा डग्लस मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या सोनिया गिडला, विद्यालय के अध्यक्ष सत्यनारायण देवरालिया, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य अनिल कुमार अग्रवाल, प्रबंधक सरोज कुमार श्रीवास्तव, स्कूल की प्राचार्या अबीरा दास, अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के वरिष्ठ शिक्षकगण तथा अधिकारी की उपस्थिति में श्री गणेश जी, माता सरस्वती और विद्यालय के दिवंगत अध्यक्ष बासुदेव टीकमानी जी की प्रतिछवि पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ. इसके पश्चात् माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विभाग के छात्रों ने ईश्वर वंदना करते हुए विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम और योग का अद्भुत प्रदर्शन किया. विद्यालय के उपलब्धियों को झाँकी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. विद्यालय के अध्यक्ष, प्रबंधक और प्रधानाचार्या ने मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि को उत्तरीय, स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ, उपहार प्रदान कर सम्मानित किया. विद्यालय ने आई.सी.एस.सी. और आई.एस.सी. के छात्रों को स्मृति चिह्न, कलम, प्रमाण पत्र और आई.सी.एस.सी. की परीक्षा में सर्वोत्तम अंक 98.8% प्राप्त करने वाले श्रेष्ठ श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, कलम, प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. इसके अलावा विद्यालय के छात्र अभिनीत भौमिक और आरव खेमका ने योग राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और कांस्य पदक हासिल कर काउंसिल के द्वारा पुरस्कार के रुप में 1 लाख और 25 हजार की धनराशि प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया. विद्यालय ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विषयों के आई. सी. एस.सी. और आई.एस.सी. के शिक्षकगण को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया. अंत में विद्यालय की सह-पाठयक्रम की उप-प्रधानाचार्या देविका सरकार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा राष्ट्रगान के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ.

माहेश्वरी सेवा समिति (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) द्वारा आयोजित 105वां श्रावण सेवा शिविर का उद्घाटन

युवा शक्ति न्यूज

हरिपाल: माहेश्वरी सेवा समिति (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) द्वारा आयोजित 105वां श्रावण सेवा शिविर, वासुदेवपुर, हरिपाल स्थित महेश वाटिका, माहेश्वरी सेवा सदन में परम पूजनीय श्री राम कुंडल शुक्ला जी महाराज (मैहर मां शारदा के कृपा पात्र) द्वारा नारियल फोड़कर विधिपूर्वक किया गया एवं अपने प्रवचन में समाज के सेवा कार्य को प्रशंसा करते हुए कहा कि सेवा करने का शुभ अवसर पूर्वजों के आशीर्वाद से ही प्राप्त होता है. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित, गणेश वंदना एवं द्वादशज्योतिर्लिंग स्रोत के साथ किया गया तथा काशीनाथ घोष एवं उनकी टीम के राष्ट्रीय भक्ति गीत गाया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मैं भारत हूं फाउंडेशन की महामंत्री एवं राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा सदानी ने कवि गुरु श्री रविंद्र नाथ टैगोर द्वारा रचित गीत को उद्धृत करते हुए कहां कि कार्यकर्ताओं को धर्मनिष्ठ, साहसी, निडर, एकजुट, न्यायप्रिय और राष्ट्रभक्ति के साथ सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहना चाहिए, क्योंकि अंततः सत्य और न्याय की ही विजय होती है. विशिष्ट अतिथि समाज सेविका पूर्णिमा कोठारी ने अपने दोनों भाई राम-शरद के राम जन्मभूमि आंदोलन में सनातन धर्म की रक्षा के लिए आहुति को स्मरण किया. समिति द्वारा संवत 2082 सेवा यात्रा की एक बुकलेट का विमोचन किया गया. समिति के उपसभापति दिनेश कुमार बिहानी ने स्वागत वक्तव्य रखा कार्यक्रम का संचालन समिति के मंत्री अरुण कुमार सोनी ने किया. धन्यवाद ज्ञापन राजेश जी राठी ने दिया कार्यक्रम को सफल बनाने में महेश बिनानी, आदित्य बिनानी, पंचानन भट्टड़, किशोर दम्मानी, प्रकाश टवानी, मनमोहन डागा, रामदास तापरिया, देवेंद्र बागड़ी, अशोक द्वारकानी, बृज मोहन मिमानी, महेश दम्मानी, जयंत डागा इत्यादि का विशेष सहयोग रहा.

एक दिव्य पुनर्जागरण: मंदिर जीर्णोद्धार और प्रभु के मूलवेदी पर पुनः स्थापन समारोह का सफल समापन

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: पार्श्वनाथ भगवान के असीम आशीर्वाद और समस्त भक्त समुदाय के सामूहिक समर्पण से, हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष और गर्व हो रहा है कि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन उपवन मंदिर जी का जीर्णोद्धार (पवित्र नवीनीकरण) और मूलवेदी (गर्भगृह) पर पुनः स्थापन का भव्य कार्य सफलतापूर्वक संपन्न आज तारीख 19.07.2026 को हो गया है. यह ऐतिहासिक मील का पत्थर हमारे आध्यात्मिक केंद्र के पुनरुद्धार का प्रतीक है, जिसने हम सभी के हृदयों को असीम आनंद और दिव्य कृपा से भर दिया है. एक मंदिर केवल पत्थरों का ढांचा नहीं होता, बल्कि यह हमारी आस्था और संस्कृति का जीवंत आधार होता है. पिछले महीनों/वर्षों में, मंदिर का अत्यंत सूक्ष्मता और पवित्रता के साथ जीर्णोद्धार किया गया. इसका मुख्य उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए मंदिर की वास्तुकला को मजबूत करते हुए इसकी प्राचीन पवित्रता को अक्षुण्ण बनाए रखना था.

पवित्र वास्तुकला का संरक्षण: कुशल शिल्पकारों ने मंदिर की जटिल नक्काशी और संरचनात्मक मजबूती को वापस लाने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम किया. ऊर्जा का नवसंचार: मंदिर के प्रत्येक कोने को आध्यात्मिक रूप से शुद्ध किया गया है ताकि वहां प्रभु की दिव्य तरंगों और सकारात्मक ऊर्जा का वास हो सके. श्रद्धेय आचार्य 108 आचार्य श्री वसुनंदजी महाराज के सान्निध्य में और वैदिक विद्वानों के मार्गदर्शन प्रथिष्टाचार्य आनंद शास्त्री ने संपूर्ण वातावरण शक्तिशाली मंत्रों, हवन और पवित्र अभिषेक की ध्वनियों से गुंजायमान कर दिया. वह क्षण अत्यंत भावुक और आनंदमयी था जब सभी अरिहंत भगवान की प्रतिमा जी को पूरे आदर-सत्कार के साथ वापस लाकर मूलवेदी पर स्थायी रूप से विराजमान किया गया. स्थापना के बाद जब नए एवं भव्य गर्भगृह में प्रभु के प्रथम दर्शन के लिए पट खोले गए, तो ईश्वर की वह दिव्य आभा देखकर हर भक्त मंत्रमुग्ध हो गया और सभी की आँखें कृतज्ञता के आंसुओं से छलक उठीं. यह महान और अलौकिक कार्य हमारे समाज और भक्तों के अटूट सहयोग के बिना संभव नहीं था. हम इनके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं: वे दानदाता जिन्होंने अपने खुले हाथों से इस सपने को हकीकत में बदला. वे समर्पित स्वयंसेवक और समिति के सदस्य जिन्होंने दिन-रात हर व्यवस्था को संभाला. वे शिल्पकार और श्रमिक जिनके हाथों ने इस दिव्य धाम को यह सुंदर स्वरूप दिया. मंदिर की सेवा और पुनरुद्धार में योगदान देना वास्तव में अपनी आंतरिक शांति को बहाल करने जैसा है. ईश्वर इस पवित्र कार्य में सहयोग करने वाले हर परिवार को स्वास्थ्य, समृद्धि और शाश्वत सुख प्रदान करें. नवनिर्मित और भव्य मंदिर के द्वार अब सभी के लिए खुल चुके हैं. प्रभु अपनी मूलवेदी पर पूरी महिमा के साथ विराजमान हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाने के लिए उत्सुक हैं. हम आप सभी को आपके परिवार और मित्रों सहित मंदिर आने, दैनिक पूजा आरती में शामिल होने और इस नई दिव्य ऊर्जा का प्रत्यक्ष अनुभव करने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं.

हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और द हेरिटेज एकेडमी का आयोजन

चार दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम में किया गया नए छात्रों का स्वागत

शिक्षा का मतलब सिर्फ पढ़ाई नहीं, युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाना है : प्रदीप अग्रवाल

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एचआईटी) और द हेरिटेज एकेडमी (टीएचए) ने मिलकर बीबीए, बीसीए, मीडिया साइंस और साइबर सिक्योरिटी के नए छात्रों के लिए चार दिनों का एक शानदार 'इंडक्शन प्रोग्राम' (अभिमुखीकरण कार्यक्रम) आयोजित किया. इस कार्यक्रम का मकसद नए छात्रों को कॉलेज के माहौल, पढ़ाई और उनके व्यक्तिगत विकास से परिचित कराना था. कार्यक्रम की खास बातों में छात्रों को स्कूल से कॉलेज के जीवन में आसानी से ढलने में मदद करना और उन्हें संस्थान के मूल्यों व संस्कृति से अवगत कराना है. 15 जुलाई को हुए उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कई बड़ी हस्तियाँ शामिल हुईं, जिनमें विश्वनाथ चट्टोपाध्याय (सीईओ, आईवीएल धुनसेरी पेट्रोकेम), सुरजीत दत्ता (डिलीवरी हेड, कॉग्निजेंट), इंद्रजीत कुंडू (ब्यूरो चीफ, टीवी टुडे नेटवर्क) शामिल हुए. इन सभी दिग्गजों ने छात्रों को नेतृत्व (लीडरशिप), कार्यस्थल की नैतिकता, और जीवनभर सीखते रहने की सलाह दी.

विभिन्न विषयों पर सत्र : चार दिनों के दौरान छात्रों को कई आधुनिक और जीवन से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई, जैसे- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इनोवेशन और बिजनेस (एंट्राप्रेन्योरशिप), स्वास्थ्य, फिटनेस और सही खान-पान, साइबर जागरूकता, मीडिया और कम्युनिकेशन. 18 जुलाई को कार्यक्रम के आखिरी दिन कॉलेज के पुराने और सफल छात्र कैंपस वापस आए. उन्होंने नए छात्रों के साथ अपने अनुभव, करियर की यात्रा और करियर में सफलता पाने के व्यावहारिक टिप्स साझा किए. इंडक्शन प्रोग्राम का समापन छात्र क्लबों द्वारा प्रस्तुत एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम (संगीत, डांस और नाटक) के साथ हुआ, जिसने नए छात्रों का उत्साह बढ़ाया. हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा का मतलब सिर्फ पढ़ाई करना नहीं है, बल्कि चरित्र का निर्माण करना और युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाना है. हमारा यह कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण (हर तरह के) विकास पर जोर देता है. हम अपने नए छात्रों का परिवार में स्वागत करते हैं. यह चार दिवसीय कार्यक्रम छात्रों को न केवल पढ़ाई, बल्कि सही जीवन मूल्यों, तकनीक और व्यक्तिगत सफलता के लिए तैयार करने के उद्देश्य से पूरा हुआ.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन